RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:306। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 27 जून 2026 (शनिवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला

चंपत राय और अनिल मिश्रा ने दिया इस्तीफा

अयोध्या । राम मंदिर के चढ़ावे में कथित गड़बड़ी के मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर

दर्ज होने के बाद पूरे प्रकरण ने तूल पकड़ लिया है। इस बीच सूत्रों के हवाले से खबर है कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा सौंप दिया है। सूत्रों का दावा है कि चंदे और चढ़ावे में कथित अनियमितताओं के आरोपों के बाद दोनों पदाधिकारियों पर नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद छोड़ने का दबाव बढ़ रहा था। इसी के चलते उन्होंने इस्तीफा देने का फैसला किया। इस मामले पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि आरोप सामने आते ही सरकार ने तत्काल एसआईटी गठित करने के निर्देश दिए थे। बता दें कि गुरुवार देर रात मंदिर के कर्मचारियों, नकदी गिनने वाले स्टाफ और कुछ पूर्व बैंक अधिकारियों समेत आठ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। आरोप है कि इन सभी ने आपसी मिलीभगत से मंदिर की दान राशि का गबन किया।

चंपत के ड्राइवर टिन्नू समेत 8 गिरफ्तार

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडेय, रामाशंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और राम शंकर यादव उर्फ टिन्नू शामिल हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मुंबई एयरपोर्ट से चल रहे सोने की तस्करी गिरोह का भंडाफोड़

9 लोग गिरफ्तार

एजेंसी

मुंबई। विदेशी सोने की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने मुंबई एयरपोर्ट पर तस्करी गिरोह के नौ सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनमें मुंबई एयरपोर्ट पर तैनात एक महिला कर्मचारी भी शामिल है। डीआरआई ने मुंबई एयरपोर्ट के जरिए चल रहे इस संगठित सोना तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया। जांच के दौरान एक ऐसी जगह का भी पता चला, जहां विदेशी तस्करी का सोना पिघलाया जाता था। डीआरआई के बयान के अनुसार, पूरे तस्करी नेटवर्क से जुड़े नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एयरपोर्ट की महिला कर्मचारी, उसे निर्देश देने वाला व्यक्ति, तीन बिचौलिए, सोना पिघलाने वाली यूनिट का संचालक और सोना पिघलाने के काम में लगे तीन अन्य लोग शामिल हैं। डीआरआई ने कहा कि यह मामला दिखाता है कि सोने की तस्करी करने वाले गिरोह अब पहले से ज्यादा संगठित और चालाक हो गए हैं। वे एयरपोर्ट के अंदर काम करने वाले लोगों की मदद लेते हैं और कई स्तरों वाले नेटवर्क के जरिए जांच एजेंसियों से बचने की कोशिश करते हैं। एक अन्य कार्रवाई में बेंगलुरु में डीआरआई ने एक अंतरराष्ट्रीय यात्री के कपड़ों की कई परतों में छिपाकर रखे गए 1.8 किलोग्राम 24 कैरेट सोने के पेस्ट को बरामद किया। इसके बाद आरोपी के

घर की तलाशी ली गई, जहां से करीब 1.5 किलोग्राम सोने के गहने, 45 किग्रा चांदी और भारतीय व विदेशी मुद्रा बरामद हुई। डीआरआई ने उस व्यक्ति को भी गिरफ्तार कर लिया। इस सप्ताह की शुरुआत में डीआरआई ने हैदराबाद, राजकोट, कालीकट, विशाखापत्तनम, गुवाहाटी और पश्चिम बंगाल के पेट्रापोल स्थित एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन और भूमि सीमा शुल्क चौकियों पर भी कई कार्रवाई की।

शिमला के रामपुर में दर्दनाक सड़क हादसा

खाई में गिरी पिकअप गाड़ी; 6 लोगों की मौत

एजेंसी

शिमला। शिमला जिला के रामपुर उपमंडल के तहत तकलेच चौकी क्षेत्र में गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसा पेश आया। उरमण नामक स्थान पर एक पिकअप वाहन (HP06B-2420) दुर्घटनाग्रस्त होकर गहरी खाई में जा गिरा। हादसा इतना भयावह था कि वाहन में सवार सभी छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त पिकअप में कुल छह लोग सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंचे तथा शवों को कब्जे में लेकर आगामी कार्रवाई शुरू की गई।

मृतकों की पहचान इस प्रकार हुई है

अभिषेक सनी (23), पुत्र नरसिंह सानी, गांव शरनाल, डाकघर काशापाट, तहसील रामपुर, जिला शिमला। लायक राम (56), पुत्र मागु राम, गांव पाठ, डाकघर काशापाट, तहसील रामपुर, जिला शिमला। अशोक जेन (32), पुत्र ध्यान जेन, गांव छलटा, डाकघर काशापाट, तहसील रामपुर, जिला कुल्लू। युगल, पुत्र सत्य प्रकाश, गांव कुवाणु, डाकघर बिशलाधार, तहसील आनी, जिला कुल्लू। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों

शिमला (चालक)। नीतीन (23), पुत्र मैन सिंह जेन, गांव छलटा, तहसील रामपुर, जिला शिमला।

आशा कुमारी, पत्नी सत्य प्रकाश, गांव कुवाणु, डाकघर बिशलाधार, तहसील आनी, जिला की जांच शुरू कर दी है। इस दर्दनाक हादसे से रामपुर और आनी क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। स्थानीय प्रशासन मृतकों के परिजनों को हरसंभव सहायता उपलब्ध करवाने में जुटा हुआ है।

वेनेजुएला के मुश्किल वक्त में भारत बना सहारा, शुरू हुआ 'ऑपरेशन अमिस्ताद'

एजेंसी

नई दिल्ली । उत्तरी वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप के बाद भारत ने मानवीय सहायता और आपदा राहत के तहत 'ऑपरेशन अमिस्ताद' शुरू किया है। इस अभियान के माध्यम से भारत ने प्रभावित लोगों को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने की पहल की है। इसके लिए भारतीय सेना की एक विशेष मेडिकल टुकड़ी को वेनेजुएला रवाना किया गया है। भारतीय सेना के 60 पैरा फील्ड हॉस्पिटल से 41 सदस्यीय दल, भारतीय वायुसेना के दो विमानों से वेनेजुएला के लिए रवाना हुआ है। इनमें नौ अनुभवी सैन्य चिकित्सक भी शामिल हैं। यह दल वेनेजुएला के आपदा-प्रभावित क्षेत्रों में आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं, गंभीर रूप से घायल लोगों का उपचार, सर्जरी, ट्रॉमा प्रबंधन तथा प्रभावित लोगों को गहन चिकित्सा

प्रदान करेगा। भारतीय सेना के अनुसार उनकी यह मेडिकल टीम अपने साथ लगभग छह टन चिकित्सा सामग्री और मानवीय राहत सामग्री लेकर गई है। इनमें भारत के आरोग्य मैत्री परियोजना के तहत विकसित अत्याधुनिक भीष्म क्यूब भी शामिल है। यह एक मॉड्यूलर और तेजी से तैनात किया जा सकने वाला फील्ड अस्पताल है। यह एक ऐसा सिस्टम है जो आपदा प्रभावित क्षेत्रों में उन्नत ट्रॉमा केयर, आपातकालीन सर्जरी और गहन चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने में सक्षम है।

इसी बीच, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट किया कि ऑपरेशन अमिस्ताद जारी है। उन्होंने लिखा, ''भारतीय वायु सेना के दो सी-17 विमान भूकंप प्रभावित वेनेजुएला के राहत एवं बचाव प्रयासों में सहायता के लिए तत्काल राहत सामग्री लेकर रवाना हुए। इस सहायता में भारतीय सेना की फील्ड हॉस्पिटल यूनिट के साथ 35 टन से अधिक राहत सामग्री, दवाइयां और चिकित्सा उपकरण शामिल हैं। इसके अलावा दो भीष्म क्यूब भी भेजे गए हैं।

कोलकाता गोदाम हादसा- सरकार ने कंस्ट्रक्शन कंपनी और आर्किटेक्ट को किया ब्लैकलिस्ट

अब राज्य में कोई भी प्रोजेक्ट, चाहे वह प्राइवेट हो या सरकारी, नहीं ले सकते।

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित तारातला में बन रहे एक गोदाम की छत गिरने से मरने वालों की संख्या शुक्रवार सुबह तक बढ़कर 15 हो गई है। इसके बाद पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ने गोदाम बनाने वाली कंस्ट्रक्शन कंपनी और इस स्ट्रक्चर के आर्किटेक्ट, दोनों को पूरी तरह से ब्लैकलिस्ट करने की घोषणा की। इसका मतलब है कि वे अब राज्य में कोई भी प्रोजेक्ट, चाहे वह प्राइवेट हो या सरकारी, नहीं ले सकते। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को मीडिया से कहा, 'कंस्ट्रक्शन कंपनी 'अयान ट्रेडर्स' की तरफ से निगरानी में कमी

थी। इस मामले में स्ट्रक्चर के आर्किटेक्ट भी अपनी जिम्मेदारियों से बच नहीं सकते। इसीलिए कंस्ट्रक्शन कंपनी और स्ट्रक्चर के आर्किटेक्ट को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है। '

पता चला है कि शंभूनाथ बेहरा नाम के एक व्यक्ति ने कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट अथॉरिटी से 30 साल की लीज पर जमीन ली थी, ताकि वहां तीन मंजिला गोदाम बनाया जा सके। बेहरा ने कंस्ट्रक्शन का काम 'अयान ट्रेडर्स' को दिया, जो पोर्ट एरिया में कई कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट संभाल रही थी। बुधवार को तारातला में बन रहे गोदाम की छत गिरने के मामले में कोलकाता पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की शुरुआती जांच से पता चला है कि दो वजहों से यह हादसा हुआ। खराब क्वालिटी का कंस्ट्रक्शन मटीरियल इस्तेमाल करना और गलत कास्टिंग पैटर्न अपनाना। इस हादसे में अब तक 15 लोगों की जान जा चुकी है। कोलकाता पुलिस ने कहा कि वे तारातला में बन रहे गोदाम की साइट पर हादसे के समय मौजूद मजदूरों की सही संख्या का पता नहीं लगा पाए, क्योंकि मैनेजरों ने कोई अटेंडेंस रिकॉर्ड नहीं रखा था।

कांग्रेस ने संगठन में किया बड़ा फेरबदल

बीवी श्रीनिवास बने कांग्रेस सेवा दल के मुख्य संगठक

फिल्म अभिनेता एवं नेता संजय दत्त हरियाणा के प्रभारी नियुक्त- कांग्रेस नेता राजेंद्र पाल गौतम को मिली उत्तर प्रदेश की कमान

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्तर पर संगठन में बड़ा फेरबदल किया है। पार्टी ने वरीष्ठ नेता बीवी श्रीनिवास को सेवा दल का नया मुख्य संगठक नियुक्त किया है, जबकि लालजी देसाई को ओडिशा, फिल्म अभिनेता एवं नेता संजय दत्त को हरियाणा तथा दिल्ली के पूर्व एवं वरिष्ठ नेता राजेंद्र पाल गौतम को उत्तर प्रदेश का नया पार्टी प्रभारी बनाया है। कांग्रेस महासचिव(संगठन) केसी वेणुगोपाल ने एक आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के निर्देश पर ये सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से जारी की गई हैं। संगठनात्मक बदलाव के तहत भारतीय युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास को सेवा दल की कमान सौंपी गई है। वह लालजी देसाई का स्थान लेंगे। पार्टी ने सेवा दल के निवर्तमान मुख्य संगठक लालजी देसाई को इस जिम्मेदारी से मुक्त करते हुए संगठन में उनके योगदान की सराहना की है।

पूसा में 28-29 जून को पहला राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन, 'विकसित ग्राम-विकसित भारत' पर होगा मंथन

नई दिल्ली। ग्रामीण भारत के समग्र विकास की दिशा तय करनेके उद्देश्य से 28 और 29 जून को पहली बार राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन-2026 का आयोजन किया जाएगा। पूसा स्थित पूसा के भारत रत्न सी. सुब्रमण्यम ऑडिटोरियम में आयोजित होने वाले सम्मेलन की अध्यक्षता केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान करेंगे। इस दो दिवसीय सम्मेलन में देश के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के ग्रामीण विकास मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और नीति विशेषज्ञ भाग लेंगे। इसमें ग्रामीण विकास से जुड़ी प्रमुख योजनाओं की समीक्षा के साथ-साथ भविष्य की रणनीति पर व्यापक चर्चा होगी।

बैकडोर भर्ती विवाद

उमर अब्दुल्ला ने महबूबा को सबूत पेश करने की दी चुनौती

एजेंसी

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती की ओर से नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) सरकार पर लगाए गए उन आरोपों का कड़ा खंडन किया, जिनमें 25,000 'बैकडोर' नियुक्तियों की बात कही गई थी। शुक्रवार को मुहर्रम के 10वें दिन के जुलूस में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने महबूबा मुफ्ती और उनकी पार्टी पर राजनीतिक रूप से प्रासंगिक बने रहने के लिए पाखंड करने का आरोप लगाया। एनसी सरकार द्वारा 25,000 बैकडोर नियुक्तियां किए जाने के आरोपों को खारिज करते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उल्टा चोर कोतवाल को डांटे।

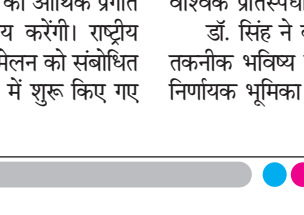

जिन्होंने सबसे ज्यादा गैरकानूनी और बैकडोर नियुक्तियां कीं, वे ही अब ये आरोप लगा रहे हैं। क्या हमें यह भूल जाना चाहिए कि उनकी कई बैकडोर नियुक्तियां अदालतों ने रद्द कर दी थीं। मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि मुफ्ती के परिवार से जुड़े लोगों को भी अनियमित भर्ती प्रक्रियाओं से फायदा हुआ है। उन्होंने सरताज मदनी के बेटे का उदाहरण देते हुए दावा किया कि उन्हें बैकडोर प्रक्रिया के जरिए नियुक्त किया गया था और बाद में अदालत के निर्देशों के बाद हटा दिया गया।अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर बैंक में नियुक्तियों में कथित अनियमितताओं का भी जिक्र किया, जिनमें से एजेंसियां कई की जांच कर रही हैं। उन्होंने कहा कि अगर मैं पीडीपी-भाजपा सरकार के दौरान की गई बैकडोर नियुक्तियों को गिनना शुरू करूं, तो आपके पास पूरी सूची सुनने के लिए पर्याप्त समय नहीं होगा।

कोलकाता-जयपुर में तेज बारिश

सड़कें डूबीं: अस्पताल-दुकानों में पानी भरा

एमपी में इंदौर के 15 टूरिस्ट प्लेस बंद

एजेंसी

श्रीनगर । राजस्थान में मानसून के इंतजार के बीच गुरुवार को जयपुर में तेज बारिश हुई। करीब आधे घंटे में हुई 50mm बारिश से सड़कें डूब गईं। कई वाहन पानी की वजह से बंद हो गए। कई दुकानों-मकानों में भी पानी भर गया।

कोलकाता में भी कुछ ऐसा ही हाल रहा। दोपहर में करीब एक घंटे की बारिश से शहर की मुख्य सड़कों पर एक फीट तक पानी भर गया। कोलकाता के SSKM अस्पताल के अंदर तक पानी घुस गया। इससे मरीज और उनकी देखभाल करने वाले लोगों को काफी परेशानी हुई। बारिश से हादसों की आशंका को देखते हुए मध्य प्रदेश के इंदौर में 15 पर्यटन स्थलों में 22 अगस्त तक एंट्री बंद कर दी गई है। राज्य के

शाजापुर में गुरुवार को बिजली गिरने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। मौसम विभाग ने कहा है कि अगले 2 से 4 दिनों में मानसून पूरे राज्य को कवर कर सकता है। इधर, यूपी में मानसून 8 दिन लेट है। यह आमतौर पर 20 जून तक आ जाता है लेकिन इस बार 15 दिनों से बिहार बॉर्डर पर रुका है। राज्य के 8 जिलों में हीटवेव के हालात रहे। बिहार के 13 जिलों में तेज धूप के साथ गर्म हवा चली।

एआई, क्वांटम, परमाणु और अंतरिक्ष तकनीक भारत को बनाएंगी वैश्विक महाशक्ति: डॉ. जितेंद्र सिंह

'भारत डिजिटल बुनियादी ढांचे, कंप्यूटिंग क्षमता, डेटा संसाधनों और भरोसेमंद ऊर्जा प्रणालियों में निवेश करके इस पूरे तकनीकी इकोसिस्टम को लगातार मजबूत कर रहा है।'

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत तेजी से अत्याधुनिक तकनीकों के क्षेत्र में एक बड़ी ताकत बनकर उभर रहा है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), परमाणु, अंतरिक्ष और क्वांटम तकनीक आने वाले समय की आर्थिक प्रगति और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की दिशा तय करेंगी। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक मीडिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में शुरू किए गए राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (एनक्यूएम) ने केवल तीन वर्षों में अपने तय लक्ष्यों में से आधे से अधिक हासिल कर लिए हैं। क्वांटम आधारित सुरक्षित संचार (क्वांटम सिक्योर कम्युनिकेशन) के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, जिसका उपयोग रक्षा, रणनीतिक संचार, साइबर सुरक्षा और संवेदनशील सूचनाओं की सुरक्षा में किया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'भारत आज उस मुकाम पर पहुंच चुका है, जहां वह कई महत्वपूर्ण तकनीकी क्षेत्रों में दुनिया के अग्रणी देशों के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है। साथ ही ऐसी क्षमताएं विकसित कर रहा है, जो आने वाले समय में आर्थिक विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की दिशा तय करेंगी। '

डॉ. सिंह ने कहा कि अंतरिक्ष, परमाणु और क्वांटम तकनीक भविष्य की विश्व व्यवस्था को आकार देने में निर्णायक भूमिका निभाएंगी। ये तकनीकें केवल आर्थिक

विकास ही नहीं, बल्कि रणनीतिक ताकत और भू-राजनीतिक स्थिति को भी प्रभावित करेंगी।उन्होंने कहा कि जो देश इन तकनीकों में पीछे रह जाएंगे, वे विकास और सुरक्षा दोनों मामलों में पिछड़ने का जोखिम उठाएंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर बोलते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि एआई अब हर क्षेत्र के लिए एक जरूरी उपकरण बनता जा रहा है। आने वाले समय में इसका प्रभाव शासन, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, अनुसंधान और सार्वजनिक सेवाओं पर और अधिक बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि भारत डिजिटल बुनियादी ढांचे, कंप्यूटिंग क्षमता, डेटा संसाधनों और भरोसेमंद ऊर्जा प्रणालियों में निवेश करके इस पूरे तकनीकी इकोसिस्टम को लगातार मजबूत कर रहा है।

डॉ. सिंह ने कहा कि आधुनिक दुनिया में तकनीकी प्रगति ही विकास की सबसे बड़ी ताकत बन चुकी है और कोई भी देश नवाचार तथा अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाए बिना लंबे समय तक विकास नहीं कर सकता।

अस्पताल राजनांदगांव में छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी उत्पाद की दुकान का शुभारंभ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर में छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी उत्पाद की दुकान का विधिवत उद्घाटन उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक श्री दिलीप शुक्ला, श्री चिन्मय पाठक सहित बड़ी संख्या में उपस्थित जनसमूह ने इस महत्वपूर्ण पहल के साक्षी बनकर आयोजन की गरिमा बढ़ाई। अस्पताल परिसर में उत्पाद की दुकान प्रारंभ होने से मरीजों, उनके परिजनों तथा आम नागरिकों को आवश्यक वस्तुएं एक ही स्थान पर सहज एवं उचित मूल्य पर उपलब्ध हो सकेंगी। यह पहल न केवल स्वास्थ्य सेवाओं को सहयोग प्रदान करेगी, बल्कि सहकारिता के माध्यम से जनसुविधाओं के विस्तार का भी उत्कृष्ट उदाहरण बनेगी। उद्घाटन अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि अस्पतालों में आने वाले मरीज एवं उनके परिजन अक्सर आवश्यक सामग्री की उपलब्धता के लिए भटकते हैं। ऐसे में सहकारी उत्पाद की दुकान उनकी जरूरतों को पूरा करने के साथ समय और धन दोनों की बचत करेगी। साथ ही स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिलने से स्वरोजगार एवं आर्थिक सशक्तिकरण को भी नई दिशा मिलेगी। जनहित को केंद्र में रखकर शुरू की गई यह पहल मरीजों के लिए राहत का माध्यम बनेगी तथा सहकारिता की भावना को मजबूत करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुविधाएं पहुंचाने के उद्देश्य को सार्थक करेगी। उद्घाटन समारोह में उपस्थित लोगों ने इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे स्वास्थ्य सेवा और जनकल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

नानी कठेची कन्या प्राथमिक विद्यालय में प्रवेशोत्सव की धूम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

विरमगाम। सुरेंद्रनगर जिले के नानी कठेची कन्या प्राथमिक विद्यालय में शाला प्रवेशोत्सव एवं कन्या केलवणी महोत्सव के तीसरे दिन उत्साह और उल्लास के साथ नवप्रवेशी बच्चों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में एम. जी. ठाकुर (कार्यपालक अभियंता गुजरात जलापूर्ति एवं गटर व्यवस्था बोर्ड) तथा रसिकभाई गोहिल (सीआरसी समन्वयक) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर आंगनवाड़ी, बालवाटिका और कक्षा-1 में प्रवेश लेने वाले नन्हे-मुन्ने बच्चों को शैक्षणिक किट भेंट कर उन्हें शिक्षा की दुनिया में प्रवेश कराया गया। अतिथियों ने कहा कि वर्ष 2003 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया शाला प्रवेशोत्सव आज जनआंदोलन का रूप ले चुका है और बालिका शिक्षा को नई दिशा दे रहा है। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा, खेल एवं अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय और गांव का नाम रोशन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। साथ ही स्वच्छता का संदेश देते हुए एक पेड़ मां के नाम'अभियान के तहत विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी लिया गया।

डभोई में नगरपालिका और ठेकेदार की लापरवाही

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। शहर में पेयजल पाइपलाइन बिछाने के लिए चल रहे विकास कार्य के बीच नगरपालिका और ठेकेदार की कथित लापरवाही स्थानीय लोगों के लिए बड़ी परेशानी और हादसों का कारण बनती जा रही है। टावर क्षेत्र से लेकर झारोलावगा स्थित द्वारकाधीश मंदिर मार्ग तक सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढें खोद दिए गए हैं, लेकिन उनकी सुरक्षा के लिए न तो बैरिकेडिंग की गई है और न ही चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं।
स्थानीय लोगों का आरोप है कि सार्वजनिक मार्ग पर खुदाई के दौरान सुरक्षा मानकों का पूरी तरह उल्लंघन किया जा रहा है। रात के समय सड़क पर पर्याप्त रोशनी नहीं होने के कारण खुले गड्ढें दिखाई नहीं देते, जिससे दोपहिया वाहन चालकों, बच्चों और बुजुर्गों के लिए दुर्घटना का गंभीर खतरा बना हुआ है। लोगों का कहना है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार करता नजर आ रहा है। रहवासियों और व्यापारियों ने नगरपालिका तथा संबंधित ठेकेदार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि पेयजल समस्या का समाधान जरूरी है, लेकिन आम नागरिकों की सुरक्षा से समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता।

डभोई शहर व ग्रामीण क्षेत्र में श्रद्धा और सौहार्द के साथ मनाया गया मोहर्रम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। इस्लाम धर्म की रक्षा और सत्य के लिए करबला के मैदान में शहादत देने वाले हजरत इमाम हुसैन की याद में डभोई शहर एवं पूरे तालुका में मोहर्रम का पर्व गहरी श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शहर के विभिन्न मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में आकर्षक एवं कलात्मक ताजियों की स्थापना की गई, जिन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। मोहर्रम के दस दिनों तक कुरानख्वानी, मजलिस और धार्मिक प्रवचनों का आयोजन किया गया, जिसमें इमाम हुसैन के त्याग, बलिदान और मानवता के संदेश को याद किया गया। मुस्लिम चांद की नवमी, जिसे कत्ल की रात कहा जाता है, पर शहर में 'या हुसैन, या हुसैन के गगनभेदी नारों के बीच भव्य ताजिया जुलूस निकाले गए। कडियावाड़, सुंदरकुआं, नवापुरा, बदरुद्दीन मोहल्ला, ईदगाह तळावपुरा, कचेरी रोड, सूरज फलिया और जनतानगर सहित कई क्षेत्रों में धार्मिक उत्साह का माहौल रहा। शहर के साथ-साथ डभोई तालुका के तरसाणा, वडज, सितपुर, भीलापुर, चनवाड़ा, अकोटी, चांदोद, तेनतलाव, सेगुवाड़ा, सिंधियापुरा, मोतीपुरा और ढोलार समेत अनेक गांवों में भी शांतिपूर्ण वातावरण में ताजिया जुलूस निकाले गए। पूरे आयोजन के दौरान सांप्रदायिक सौहार्द का उत्कृष्ट उदाहरण देखने को मिला।

महानगर मेट्रो एक्सक्लूसिव

माफियाराज की गिरफ्त में करजण! विधायक अक्षय पटेल और घुघो भरवाड़ की तानाशाही के आगे क्या नतमस्तक हो गया है गांधीनगर ?

सरकारी नियमों की धज्जियां उड़ाकर पिंगरवाडा में खोदे गए 50 फीट गहरे मौत के कुएं

कल तक रिक्शा चलाने वाला 'घुघो भरवाड़' आज अरबपति कैसे बना?

माफियाराज की गिरफ्त में करजण

फर्जी किसान घोटाले पर क्यों खामोश बैठे हैं कलेक्टर और एसडीएम 8 करोड़ के टेंडर फिक्सिंग और हर महीने करोड़ों की हफ्ताखोरी का सबसे बड़ा पर्दाफाश!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

करजण/वडोदरा। गुजरात सरकार भले ही राज्य में 'कानून के राज' और जीरो टॉलरेंस की नीति का ढिंढोरा पीटती रहे, लेकिन वडोदरा जिले का करजण तालुका इस वक्त किसी कानून से नहीं, बल्कि खालिस 'माफियाराज' और गुंडागर्दी के दम पर चल रहा है। करजण विधानसभा सीट से भाजपा विधायक अक्षय पटेल और करजण नगरपालिका के सदस्य गोकुल भरवाड़ उर्फ 'घुंघा' की तानाशाही इस कदर बढ़ चुकी है कि पूरा प्रशासनिक अमला इन माफियाओं के आगे घुटने टेक चुका है। मुख्यमंत्री के सीधे नियंत्रण में आने वाले खान एवं खनिज विभाग के नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए यह तिकड़ी खुलेआम चुनौती दे रही है कि, 'करजण हमारा है और राज भी हम ही करेंगे! '

प्रकृति की क्रूर लूट: 50 लाख मीट्रिक टन रेत की डकैती!

करजण के पिंगरवाडा गांव में पिछले कुछ सालों से प्राकृतिक संपदा का बेरहमी से दोहन किया जा रहा है। सरकारी नियमों के मुताबिक लीज पर केवल 10 फीट तक ही खुदाई की जा सकती है, लेकिन यहां विधायक के वरदहस्त से 30 से 35 जगहों पर 50 फीट से भी ज्यादा गहरे कटीले और जानलेवा गड्ढें खोद दिए गए हैं। सासरोद से नारेश्वर रोड पर करीब 50 लाख मीट्रिक टन रेत का अवैध पहाड़ खड़ा कर दिया गया है। 150 से अधिक आईवा डंपर, 25 जेसीबी, 15 हिताची और बाज़ मशीनें दिन-रात करजण की धरती का सीना चीरकर सरकारी राजस्व को चूना लगा रही हैं।

कल का रिक्शावाला आज का अरबपति: 'फर्जी किसान' बनने का काला खेल

राजनीतिक आकाओं का हाथ सिर पर हो तो कोई रंक भी कैसे राजा बन सकता है, इसका जीता-जागता सबूत है 'घुंघा भरवाड़'। कल तक रिक्शा चलाकर बमुश्किल अपनी आजीविका चलाने वाला घुंघा आज अरबों रुपयों की संपत्ति का मालिक कैसे बन बैठा? पूरे करजण में धौंस और धमकियों के दम पर साम्राज्य चलाने वाले घुंघा पर 'फर्जी किसान' बनने का बेहद गंभीर आरोप है। करजण के ईमानदार तहसीलदार (मामलतदार) ने जांच के बाद उसके किसान बनने के आवेदन को खारिज कर दिया था। लेकिन फिर ऐसा कौन सा बड़ा 'आर्थिक सेटिंग' हुआ कि तत्कालीन एसडीएम (स्छरू) ने रातों-रात उसकी अर्जी मंजूर कर उसके पूरे परिवार को कागजों पर किसान बना दिया! किसान बनने की आड़ में पिंगरवाडा गांव में करोड़ों रुपये की बेनामी जमीनें खरीदी गईं, जो सीधे तौर पर भ्रष्टाचार की गवाही देती हैं।

टेंडरिंग में गुंडागर्दी: इंजीनियर विक्रम राणा की गंदी भूमिका

भ्रष्टाचार का यह दीमक सिर्फ अवैध खनन तक ही सीमित नहीं है। करजण नगरपालिका में सड़क निर्माण के लिए जारी किए गए करीब ?8 करोड़ के ऑनलाइन टेंडर में भी भारी धांधली हुई है। नगरपालिका के इंजीनियर विक्रम राणा ने कथित तौर पर नमकहरामी करते हुए ऑनलाइन आवेदन करने वाले अन्य सभी ठेकेदारों का सीक्रेट डेटा लीक करके घुंघा भरवाड़ के चरणों में रख दिया। इसके बाद घुंघा ने उन ठेकेदारों को जान से मारने की धमकी देकर अपने आवेदन वापस लेने पर मजबूर किया, ताकि यह 8 करोड़ का मलाईदार टेंडर उसके अपने गुर्गों को मिल सके।

हफ्ताखोरी का 'सिंडिकेट': कलेक्टर से लेकर गांधीनगर तक बह रही है गंगा!

इतना बड़ा काला कारोबार बिना पुलिस, प्रशासन और माइनिंग विभाग की मिलीभगत के मुमकिन ही नहीं है। सूत्रों से मिली पुख्ता जानकारी के मुताबिक, गांधीनगर स्थित खान-खनीज विभाग के आला अफसरों, वडोदरा कलेक्टर, स्थानीय माइनिंग अधिकारियों, करजण एसडीएम शिवम बारिया, मामलतदार पढियार, स्थानीय डीवाईएसपी और वडोदरा जिला ट्रैफिक पीआई तक इस पाप की कमाई का हिस्सा हर महीने पहुंचता है। सरेआम अवैध वसूली होती है और पीआई को हर महीने ?2.25 लाख का फिक्स बंडल डिलीवर किया जाता है। इसके अलावा, तालुका में चलने वाले अवैध जुए और शराब के अड्डों से दीक्षित पटेल, ऋषि पटेल और घुंघा भरवाड़ के जरिए सीधे विधायक अक्षय पटेल तक लाखों का हफ्ता पहुंच रहा है।

घुघो भरवाड़ करजन
नगर पालिका सदस्य

अक्षय पटेल
विधायक करजन

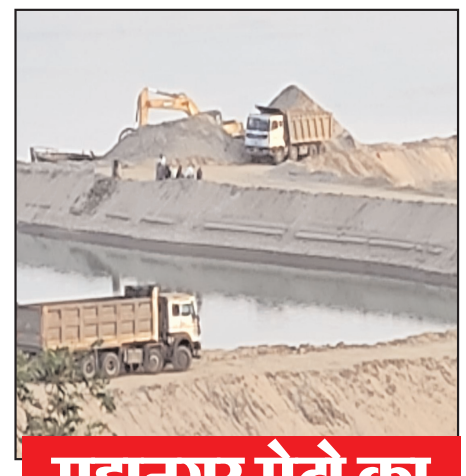

महानगर मेट्रो का सीधा सवाल

मुख्यमंत्री जी, इन माफियाओं के आगे आपका बुल्डोजर पंचर क्यों है?

देश का आम नागरिक अपने खून-पसीने की कमाई से टैक्स भरता है जिससे इन सरकारी बाबुओं को मोटी सैलरी और एसी केबिन मिलते हैं, इसके बावजूद ये अधिकारी अपनी ईमानदारी बेचकर माफियाओं के तलवे चाट रहे हैं। 'महानगर मेट्रो' सीधे तौर पर सूबे के मुख्यमंत्री और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी से तीखा सवाल करता है–क्या इन रेत माफियाओं के अवैध साम्राज्य पर कानून का बुल्डोजर चलेगा? क्या इन फर्जी किसानों की बेनामी संपत्तियां जब्त कर इन्हें जेल की सलाखों के पीछे धकेला जाएगा? अगर इस मामले पर तत्काल उच्च स्तरीय जांच समिति नहीं बैठाई गई, तो यह साफ हो जाएगा कि इस महा-लूट में ऊपर से लेकर नीचे तक सब भागीदार हैं। जनता सब देख रही है और अब इन भ्रष्टाचारियों के लिए 'दिल्ली' बहुत ज्यादा दूर नहीं है!

आनंद में 'स्टूडेंट्स अवॉर्ड सेरेमनी-2026' आयोजित, 531 प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आनंद। क्षत्रिय सेना आनंद जिला एवं कर्मा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में अमूल डेयरी स्थित सरदार पटेल असेंबली हॉल में स्टूडेंट्स अवॉर्ड सेरेमनी-2026' का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में शिक्षा राज्य मंत्री रीवाबा जडेजा और राजस्व राज्य मंत्री संजयसिंह महिडा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में 10वीं, 12वीं, स्नातक, पीएचडी तथा GPSC और PSC जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले कुल 531 मेधावी विद्यार्थियों को ट्रॉफी और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। शिक्षा राज्य मंत्री रीवाबा जडेजा ने अपने संबोधन की शुरुआत श्लोक से करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि संस्कार, चरित्र निर्माण और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करना भी है। उन्होंने नई शिक्षा नीति-2020, आई-हब जैसी सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने तथा रटने की बजाय कौशल आधारित शिक्षा अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केवल अंक भविष्य तय नहीं करते, बल्कि प्रतिभा और कौशल सफलता की असली पहचान हैं। राजस्व राज्य मंत्री संजयसिंह महिडा ने आयोजन की सराहना करते हुए सम्मानित विद्यार्थियों को समाज और देश का गौरव बताया।

इदर शहर में पहली बार हज़रत इमाम हुसैन की शहादत की याद में एक पक्का कलात्मक स्मारक बनाया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। इदर में पहली बार एक पक्का कलात्मक स्मारक बनाया गया। शहादत की याद रमनलाल वोरा समेत कई नेता मौजूद थे। हज़रत इमाम हुसैन की शहादत की याद में इदर शहर में पहली बार एक पक्का कलात्मक स्मारक बनाया गया है। इस मौके पर MLA रमनलाल वोरा समेत कई नेता मौजूद थे। यह स्मारक इदर के कस्बा इलाके में लगाया गया है। मुहर्रम के पहले दस दिनों में इदर शहर की हर मस्जिद और मदरसे में कर्बला में इमाम हुसैन की शहादत के बारे में एक कहानी सुनाई जाती थी। पिछले साल, इदर कस्बा कमेटी ने अपनी मर्जी से इदर शहर में जुलूस रोकने का फ़ैसला किया था। इस वजह से सुरपुर और इदर शहरों में एक साथ मनाया जाने वाला मुहर्रम का त्योहार अब इदर और सुरपुर में अलग-अलग मनाया जाएगा। मुहर्रम से एक दिन पहले 'कत्लेआम की रात' के नाम से जाना जाता है। शहादत की इस रात को मगरिब की नमाज़ के बाद ताजिया के पर्दे हटाकर खोले गए। इस समय इदर शहर के गांव के नेताओं, MLA रमनलाल वोरा, नगरपालिका अध्यक्ष और सदस्यों के साथ-साथ सभी समुदायों के नेताओं ने ताजिया के दर्शन किए। सभी नेताओं का इदर कस्बा जमात ने स्वागत किया। रात के दो बजे मंदिर के आंगन में 'चराई' का आयोजन किया गया। इस तरह अकीदतमंदों ने मुहर्रम से एक दिन पहले त्योहार मनाया। इस मौके पर MLA रमनलाल वोरा के अलावा, इडर नगर निगम अध्यक्ष अनसुयाबेन पटेल, उपाध्यक्ष विनोदभाई परमार, कार्यकारी अध्यक्ष जिनलभाई सागर, इडर आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज के अध्यक्ष अश्विनभाई पटेल, नगरपालिका की पूर्व अध्यक्ष कांताबेन परमार, रेलवे स्टेशन के प्रमुख व्यवसायी जगदीशभाई मिस्त्री, महाकालेश्वर मंदिर के महंत महाकालगिरी, इडर सिटीजन बैंक के अध्यक्ष पिकेश शाह, इडर शहर अध्यक्ष कुणालभाई कंसारा, लघुमति मोर्चा के अध्यक्ष जाकिर एस मेमन, महामंत्री पिकेशभाई शाह, मंत्री कुणालभाई सागर, राजेशभाई परमार, सिटीजन बैंक प्रफुलभाई सुथार, रणविजयसिंह चंपावत, विपुलभाई लोनवाला, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष केशुभाई रबारी के साथ ही इडर शहर के सभी नगरसेवक और नेता मौजूद थे।

आवास योजना के मकानों पर अवैध कब्जाधारियों पर AMC की बड़ी कार्रवाई,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए बनाई गई आवास योजना के मकानों पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ अहमदाबाद नगर निगम ने सख्त अभियान शुरू किया है। निगम ने स्पष्ट किया है कि सरकारी आवासों पर किसी भी प्रकार का अवैध अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। जानकारी के अनुसार, आवास योजना के खाली पड़े मकानों पर अवैध रूप से कब्जा जमाने वाले लोगों के खिलाफ निगम की टीम ने कार्रवाई करते हुए उनके कब्जे हटाए और वहां रखा सामान जब्त कर लिया। साथ ही संबंधित मकानों को खाली कराने की प्रक्रिया भी तेज कर दी गई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन कमलेश पटेल ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि आवास योजना के मकानों पर अवैध कब्जा करने वाले सभी लोगों के खिलाफ तत्काल पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई जाए। उनके सख्त रुख के बाद अवैध कब्जाधारियों और भूमाफिया तत्वों में हड़कंप मच गया है। नगर निगम का कहना है कि पात्र लाभार्थियों तक सरकारी आवास पहुंचाना उसकी प्राथमिकता है।

दांपत्य जीवन में ऑर्गेज़्म का महत्व बेहतर समझ और संवाद से मजबूत बनते हैं रिश्ते

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। सुखी वैवाहिक जीवन के लिए पति-पत्नी के बीच प्रेम, विश्वास, खुला संवाद और पारस्परिक शारीरिक संतुष्टि महत्वपूर्ण मानी जाती है। यौन स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, महिलाओं में ऑर्गैज़्म (चरमसुख) तक पहुंचने की प्रक्रिया पुरुषों की तुलना में अधिक जटिल हो सकती है और इसमें समय, भावनात्मक जुड़ाव तथा उचित समझ की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। विशेषज्ञ बताते हैं कि चरमसुख के दौरान महिला के शरीर में कई स्वाभाविक शारीरिक बदलाव होते हैं। इनमें श्रोणि (पेल्विक) क्षेत्र की मांसपेशियों में लयबद्ध संकुचन, सांसों की गति तेज होना, हृदय गति बढ़ना तथा चेहरे के भावों में परिवर्तन शामिल हो सकते हैं। कई महिलाओं में इस दौरान आंखें बंद हो जाना या स्पर्श के प्रति अधिक संवेदनशीलता भी सामान्य शारीरिक प्रतिक्रिया मानी जाती है। ऑर्गैज़्म के बाद कुछ समय तक शरीर अधिक संवेदनशील रह सकता है। इस कारण किसी महिला को आगे भी स्पर्श सुखद लग सकता है.

संक्षिप्त न्यूज

पुलिस हिरासत में संदिग्ध मौत परिजनों ने लगाया थर्ड डिग्री का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महेमदाबाद। पुलिस थाने में एक 50 वर्षीय व्यक्ति की संदिग्ध मौत से हड़कंप मच गया। परिजनों ने पुलिस पर हिरासत में थर्ड डिग्री यातना देकर हत्या करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद सरकारी अस्पताल में भारी हंगामा और पथराव हुआ। मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठ रही है।

डिमोलिशन अभियान में पानी-भोजन पर लाखों खर्च का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। नगर निगम के डिमोलिशन अभियान के दौरान पानी पर 12 लाख और भोजन पर 27 लाख खर्च होने के बिल सामने आने से विवाद खड़ा हो गया। सोशल मीडिया पर दस्तावेज वायरल होने के बाद विपक्ष और नागरिकों ने खर्च की जांच की मांग की है। मामले की जांच की जा रही है।

AAP विधायक चैतर वसावा को 7 साल की सजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वनकर्मी। मारपीट के मामले में AAP विधायक चैतर वसावा को 7 साल की सजा सुनाई गई, जिससे उनकी विधानसभा सदस्यता भी समाप्त हो गई। फैसले के बाद सोशल मीडिया और राजनीतिक हलकों में विभिन्न राजनीतिक प्रतिक्रियाएं और बहस तेज हो गई हैं।

गुरु धाम में सद्गुरु, शिष्य और भक्ति का होगा त्रिवेणी संगम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

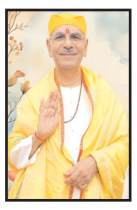

राजनांदगांव। विश्व जागृति मिशन राजनांदगांव मंडल के अध्यक्ष प्रहलाद राय चेतवानी , कोषाध्यक्ष दिनेश भाई पटेल ने बताया कि छत्तीसगढ़ प्रदेश सेवा समर्पण के भाव एवं अपने संस्कारों के लिए जाना जाता है यहां की पवित्र भूमि प्रभु श्री राम का ननिहाल है सद्गुरु सुधांशु जी महाराज आज छत्तीसगढ़ राज्य की राजधानी रायपुर में पधार रहे हैं 27 एवं 28 जून 2026 दो दिवसीय प्रवास में अपने हजारों शिष्यों की शुद्ध लेने आ रहे है विश्व विख्यात संत परम पूज्य सद्गुरुदेव श्री सुधांशु जी महाराज सद्गुरुदेव छत्तीसगढ़ के शिष्यों से अपार स्नेह रखते हैं गुरु शिष्य के धाम जाए तो भाग्य उदय होता है शिष्यों की श्रद्धा भक्ति प्रेम सेवा समर्पण भाव से शिष्यों के प्यारे सद्गुरु सुधांशु जी महाराज छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर दो दिवसीय आगमन के दौरान प्रथम दिवस 27 जून 2026 समय संध्या 5 बजे से रात्रि 7 बजे तक पंडित दिनदयाल आडिटोरियम साइंस कालेज रायपुर भक्तों की ज्ञान अमृत रस धारा में भक्ति कि शक्ति प्रदान करेंगे। द्वितीय दिवस 28 जून 2026 को प्रातः 8:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक ब्रह्मलोक आश्रम कुम्हारी में शिष्यों को सद्गुरु दर्शन एवं गुरु चरणों के पूजन का परम सौभाग्य प्राप्त होगा सद्गुरु इतने दयालु है कि भक्तों की शुद्ध लेने भक्तों के घर स्वयं चले आते हैं छत्तीसगढ़ के हजारों गुरु भक्त कुम्हारी ब्रह्मलोक आश्रम के सद्गुरु शिष्य मिलन के अनमोल पल के साक्षी बनेंगे ।उपरोक्त जानकारी विश्व जागृति मिशन राजनांदगांव मंडल के सचिव सौरभ खंडेलवाल ने दी

डीसा में हनीट्रैप और ब्लैकमेलिंग: एक युवक को आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाले ठग कपल को पाटन से पकड़ा गया

बदनामी के डर से युवक ने फांसी लगा ली थी, मुख्य आरोपी महेश ठाकोर के खिलाफ पहले भी 5 क्राइम दर्ज हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पालनपुर। बनासकांठा जिले के डीसा शहर में कुछ समय पहले एक होनहार युवक को ब्लैकमेल करने, उसके गंदे फोटो वायरल करके उसे आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाले धोखेबाज और शातिर कपल को पुलिस ने आखिरकार पकड़ लिया है। बदनामी से मानसिक सदमे में आकर फांसी लगाकर आत्महत्या करने वाले युवक के मामले में फरार चल रहे कपल को पालनपुर LCB पुलिस ने एक टिप के आधार पर पाटन से पकड़ने में सफलता पाई है। इस गिरफ्तारी के बाद सूबे में हनीट्रैप और डिजिटल ब्लैकमेलिंग करने वालों में भारी हंगामा मचा हुआ है। धोखा, अश्लील वीडियो कॉल और फिर ब्लैकमेल का काला धंधा मिली जानकारी के मुताबिक, डीसा के कुंभारवास के पीछे ओगड़वास में रहने वाले महेश उर्फ वेजू खेमाजी ठाकोर और उसकी पत्नी रिंकूबेन ठाकोर ने सोशल मीडिया और मोबाइल के ज़रिए एक भोले-भाले युवक को अपने भरोसे में लिया। इसके बाद कपल ने पहले से प्लान की हुई साज़िश रची। रिंकूबेन ने युवक को नहाते समय वीडियो कॉल करने के लिए मजबूर किया और इस दौरान युवक की कुछ बहुत ही गंदी और अश्लील तस्वीरें खींच लीं। इन तस्वीरों के आधार पर कपल ने युवक को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं, होश में आने पर कपल ने युवक की उन गंदी तस्वीरों को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। समाज में शर्म और बेइज्जती का सामना कर रहा युवक इस मानसिक सदमे को बर्दाश्त नहीं कर सका। आखिर में कोई रास्ता न देखकर उसने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। LCB पुलिस का सीक्रेट ट्रैपः पाटन में गिरफ्तारी का हाई-वोल्टेज ड्रामा युवक के सुसाइड के बाद, कपल के खिलाफ डीसा साउथ पुलिस स्टेशन में सुसाइड के लिए उकसाने (मौत के लिए मजबूर करना) का केस दर्ज किया गया। केस दर्ज होते ही आरोपी महेश ठाकोर और उसकी पत्नी रिंकूबेन पकड़े जाने के डर से अंडरग्राउंड हो गए और पुलिस से बच रहे थे। हालांकि, पालनपुर LCB टीम को ह्यूमन इंटेलिजेंस और टेक्निकल सर्विलांस (मोबाइल लोकेशन) की मदद से पक्की जानकारी मिली कि कपल पाटन में छिपा हुआ है।

दिल्ली कोर्ट में बड़ा खेलः BJP 240 पर अटकी, दलबदल के दम पर 'दो-तिहाई' बहुमत की ओर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली/अहमदाबाद। राजनीति में कोई परमानेंट दुश्मन या दोस्त नहीं होता, और सत्ता पाने या बनाए रखने के लिए चाणक्य नीति किस हद तक जा सकती है, इसका जीता-जागता सबूत इस समय देश की संसद में देखने को मिल रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी सिर्फ़ 240 सीटों पर सिमट गई थी और पूर्ण बहुमत (272) के जादुई नंबर से 32 सीटें दूर थी, वही BJP आज सहयोगी दलों के समर्थन और विपक्षी सांसदों के दलबदल से संसद में 'दो-तिहाई' के भारी बहुमत की ओर बढ़ रही है! NDA के सहयोगियों के भरोसे शुरू हुई यह तीसरी बार की सरकार अब धीरे-धीरे 'मोदी पावर' के असली रंग में आ रही है। जिस तरह से एक के बाद एक विपक्षी खेमे के MP भगवा रंग में रंग रहे हैं या इनडायरेक्टली BJP को सपोर्ट कर रहे हैं, उसने दिल्ली के पॉलिटिकल गलियारों को हिलाकर रख दिया है। लेकिन, सबसे बड़ा सवाल यह है कि अब क्या होगा? BJP इस बड़े बहुमत का इस्तेमाल कौन से बड़े फैसले लेने के लिए करेगी? जब चुनाव के नतीजे आए, तो लगा कि नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू किंगमेकर का रोल निभाएंगे और को अपनी शर्तों पर नचाएंगे। लेकिन शाह-मोदी की जोड़ी ने विपक्षी पार्टियों में सेंध लगाकर इतने MP अपने पाले में कर लिए हैं कि अब नीतीश या नायडू चाहें तो भी सरकार नहीं बना सकते। दलबदल के इस खेल से BJP हमेशा के लिए सहयोगियों के ब्लैकमेल से आज़ाद हो गई है। 2. 'वन नेशन, वन इलेक्शन' और UCC को मंज़ूरी तिहाई बहुमत का मतलब है संसद के दोनों सदनों में संविधान में बदलाव करने की ताकत। BJP के एजेंडे में लंबे समय से लटके दो सबसे बड़े बिल अब कानून बनने की ओर बढ़ेंगे अब BJP को पूरे देश में सभी धर्मों के लिए एक जैसा कानून लाने से कोई नहीं रोक सकता। एक देश, एक चुनाव प्रधानमंत्री मोदी का देश भर में एक साथ लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव कराने का सपना अब सच हो सकता है, क्योंकि BJP ने इसके लिए ज़रूरी संवैधानिक बहुमत अप्रत्यक्ष रूप से हासिल कर लिया है। सबसे बड़ा झटका लोकसभा सीटों के डिलिमिटेशन को लेकर लग सकता है। अगर देश में आबादी के आधार पर नया डिलिमिटेशन लागू होता है, तो लोकसभा सीटों की संख्या 800 से ज़्यादा हो सकती है।

इससे उत्तर भारत (जहां BJP मज़बूत है) में सीटों की बाढ़ आ जाएगी और दक्षिण भारत के राज्य राजनीतिक रूप से कमज़ोर हो जाएंगे। BJP ने दलबदल के ज़रिए इस ऐतिहासिक बदलाव के लिए ज़रूरी भारी बहुमत तय किया है। दूसरी तरफ, विपक्ष इस पूरी कवायद को डेमोक्रेसी की हत्या और लोगों के जनादेश के साथ क्रूर मज़ाक बता रहा है। जिन MPs को जनता ने BJP के ख़िलाफ़ लड़ने के लिए चुना था.

इस रविवार या सोमवार को दिल्ली दरबार में बड़े धमाके के संकेतः मोदी कैबिनेट में बड़े फेरबदल के कयास

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली/अहमदाबाद। गुजरात BJP संगठन से सी. आर. पाटिल को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाने के बाद अब दिल्ली में सेंट्रल हाईकमान में भी उसी पैटर्न पर काफी हलचल है। अगर गुजरात की तरह दिल्ली में भी चौंकाने वाले फैसले लिए जाएं तो हैरानी नहीं होगी! कहा जा रहा है कि अगले रविवार या सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कैबिनेट में अब तक का सबसे बड़ा बदलाव (कैबिनेट फेरबदल) होने की पूरी संभावना है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को प्रेसिडेंट द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की, जिसमें सूत्र बता रहे हैं कि इस फेरबदल के लिए संभावित तारीखों और नामों पर डिटेल में चर्चा हुई। दिल्ली के पॉलिटिकल गलियारों में टॉप लेवल पर जिन 14 मुख्य नामों और बदलावों पर चर्चा हो रही है, उनकी डिटेल्स इस तरह हैं शक्तिकांत दास की 'सरप्राइज़ एंट्री' और क्या सीतारमण का अकाउंट बदलेगा? सबसे बड़ा सरप्राइज़ ट्विस्ट यह है कि RBI के पूर्व गवर्नर और प्रधानमंत्री के पूर्व प्रिंसिपल सेक्रेटरी शक्तिकांत दास को सीधे कैबिनेट लेवल का मिनिस्टर बनाने पर विचार किया जा रहा है। दूसरी ओर, मौजूदा फाइनेंस मिनिस्टर निर्मला सीतारमण को फाइनेंस मिनिस्ट्री से हटाकर एजुकेशन मिनिस्ट्री की बड़ी ज़िम्मेदारी दी जा सकती है। ऐसे संकेत हैं कि कैबिनेट के परफॉर्मेंस रिव्यू के आधार पर कुछ बड़े लोगों को हटाया जा सकता है। जिसमें केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और हरदीप सिंह पुरी को कैबिनेट से हटाया जा सकता है। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश में आने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए फाइनेंस राज्य मंत्री पंकज चौधरी को भी हटाया जा सकता है। पंजाब से असरदार BJP-RSS नेता तरुण चुघ को कैबिनेट में लाने और रवनीत सिंह बिट्टू को हटाने की बात चल रही है। जबकि मनोहर लाल खट्टर से पावर मिनिस्ट्री छीनी जा सकती है। 3. सहयोगियों और नई एंट्री को 'रिवॉर्ड' शिवसेना MP और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बेटे श्रीकांत शिंदे को NDA सरकार को मजबूत बनाए रखने के लिए कैबिनेट मिनिस्टर के तौर पर लॉटरी लग सकती है। प्रतापराव जाधव को हेल्थ मिनिस्ट्री से हटाकर आयुष मिनिस्ट्री दी जाएगी, जबकि हेल्थ डिपार्टमेंट संजय दीना पाटिल को मिल सकता है। बिहार और नीतीश कुमारः बिहार के पॉलिटिकल इक्वेशन को बेहतर बनाने के लिए नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू के नेताओं को नए सिस्टम में अहम जगह मिलेगी।

वासो में पुलिस ने गैर-कानूनी पटाखा फैक्ट्री पर छापा मारा

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

नडियाद। खेड़ा-नडियाद स्क्वॉड (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) पुलिस ने खेड़ा जिले के वासो तालुका हेडक्वार्टर में बिना किसी परमिशन के चल रही एक गैर-कानूनी पटाखा फैक्ट्री पर सफलतापूर्वक छापा मारा है। साथ ही इस काले धंधे को गैर-कानूनी तरीके से चलाने वाले मुख्य आरोपी जावेदुसैन शेख को रंगे हाथों पकड़ा गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, SOG पुलिस टीम को खास जानकारी मिली थी कि वासो इलाके में बिना किसी सेफ्टी नियमों का पालन किए और बिना ऑफिशियल लाइसेंस के बड़े पैमाने पर पटाखे बनाने की एक गैर-कानूनी फैक्ट्री चल रही है। इस जानकारी के आधार पर, पुलिस ने अचानक छापा मारा और फैक्ट्री में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने मौके से लाखों रुपये कीमत के पटाखे बनाने का कच्चा माल, विस्फोटक केमिकल पाउडर, तैयार पटाखे और पैकिंग का सामान बरामद किया, जिसे पुलिस ने कानूनी तौर पर ज़ब्त कर लिया है। बिना इजाज़त के रिहायशी या आस-पास के इलाकों में पटाखे बनाना स्थानीय नागरिकों की जान के लिए बहुत बड़ा खतरा है। पहले भी ऐसी गैर-कानूनी फैक्ट्रियों में धमाके होने की घटनाएं सामने आई हैं, लेकिन खेड़ा SOG पुलिस ने समय रहते इस फैक्ट्री पर छापा मारकर एक बड़ी संभावित मुसीबत को टाल दिया है। फिलहाल, पुलिस ने आरोपी जावेद हुसैन शेख के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है

सोजली, मेहमदाबाद में सनसनी क्षत्रिय युवक की मौत एक्सीडेंट थी या बेरहमी से मर्डर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेहमदाबाद। खेड़ा ज़िले के मेहमदाबाद तालुका के सोजली गांव में एक क्षत्रिय युवक की संदिग्ध मौत से पूरे इलाके में हलचल मच गई है। क्या सोजली गांव के क्षत्रिय युवक भरत की मौत एक आम सड़क हादसा है या इसके पीछे कोई बड़ी साज़िश के साथ किया गया मर्डर? यह सवाल हाल ही में सोजली समेत पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गया है। एक तरफ़, पुलिस की ऑफिशियल रिपोर्ट में इस घटना को एक्सीडेंट बताकर फ़ाइल बंद करने की कोशिश हो रही है, वहीं दूसरी तरफ़, मृतक भरत के परिवार ने गंभीर आरोप लगाया है कि भरत की मौत एक्सीडेंट नहीं थी, बल्कि उसकी बेरहमी से हत्या की गई थी मिली जानकारी के मुताबिक, सोजली गांव के होनहार क्षत्रिय युवक भरत की बॉडी मिलने के बाद पुलिस सिस्टम ने प्राइमरी जांच के आधार पर इसे 'एक्सीडेंटल डेथ' बताया है। हालांकि, परिवार यह बिल्कुल मानने को तैयार नहीं है। परिवार वालों का सीधा आरोप है कि भरत की किसी से दुश्मनी थी या उसे पहले से प्लान की गई साज़िश के तहत मारा गया और सबूत मिटाने के लिए इसे एक्सीडेंट दिखाने का गंदा खेल खेला गया है। परिवार के रोने-धोने और गुस्से के पीछे कुछ ऐसे सवाल हैं जो पुलिस जांच पर उंगली उठाते हैं। अगर यह एक आम एक्सीडेंट था, तो मौके के हालात और भरत के शरीर पर घाव कुछ और ही कहानी क्यों कह रहे हैं? क्या पुलिस जल्दबाजी में जांच पूरी करके असली गुनहगारों को बचाने की कोशिश कर रही है? ऐसे कई ज्वलंत सवाल इस समय लोगों में चर्चा में हैं। इस संदिग्ध मौत के बाद सोजली गांव समेत पूरे महमदाबाद तालुका के क्षत्रिय समाज में भारी गुस्सा फूट पड़ा है। सोजली पंथक में फिलहाल भारी आग जैसी शांति है। पीड़ित परिवार इंसाफ की गुहार लगा रहा है और पुलिस के बड़े अधिकारियों से मामले में दखल देने की मांग की जा रही है।

अगर भारतीय पासपोर्ट नागरिकता का आखिरी सबूत नहीं है, तो कौन सा डॉक्यूमेंट वैलिड माना जाएगा?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। हाल ही में, भारतीय मीडिया में विदेश मंत्रालय के एक सीनियर अधिकारी के बयान के हवाले से छपी रिपोर्ट्स ने पूरे देश में एक नई चर्चा छेड़ दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, विदेश मंत्रालय ने कोर्ट में एक केस की सुनवाई के दौरान साफ ??किया है कि, 'भारतीय पासपोर्ट नागरिकता का आखिरी या पक्का सबूत नहीं है, यह सिर्फ विदेश यात्रा के लिए एक ट्रैवल डॉक्यूमेंट है। यह रिपोर्ट सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोग हैरानी जता रहे हैं। मशहूर गीतकार और फिल्ममेकर जावेद अख्तर ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर इस पर रिएक्शन दिया है और सरकार के सामने सवाल उठाए हैं कि अगर पासपोर्ट नागरिकता का सबूत नहीं है, तो कौन सा डॉक्यूमेंट किसी भारतीय की पहचान करेगा? कानूनी नियम क्या कहता है? पासपोर्ट सिर्फ एक ट्रैवल डॉक्यूमेंट क्यों है? इस कानूनी उलझन को समझने के लिए, भारत के पासपोर्ट एक्ट, 1967 और नागरिकता एक्ट, 1955 को समझना ज़रूरी है।

पासपोर्ट एक्ट, 1967: इस एक्ट के अनुसार, पासपोर्ट मुख्य रूप से एक डॉक्यूमेंट है जो भारत सरकार अपने नागरिकों को विदेश यात्रा करने और विदेश में उनकी सुरक्षा और पहचान सुनिश्चित करने के लिए जारी करती है।

कोर्ट के फैसले: पहले भी, सुप्रीम कोर्ट और अलग-अलग हाई कोर्ट ने यह साफ़ किया है कि पासपोर्ट बनवाना अपने आप नागरिकता का पक्का सबूत नहीं बन जाता। अगर कोई व्यक्ति गैर-कानूनी तरीके से या गलत जानकारी देकर पासपोर्ट बनवा भी लेता है, तो भी वह भारत का नागरिक नहीं बन जाता। नागरिकता तय करने का अधिकार सिर्फ़ गृह मंत्रालय के पास है, विदेश मंत्रालय के पास नहीं। तो भारत में नागरिकता का असली सबूत क्या है? अगर पासपोर्ट, आधार कार्ड या वोटर ID कार्ड ही पहचान और रहने का सबूत हैं, तो देश के कानून के हिसाब से नागरिकता साबित करने के लिए ये डॉक्यूमेंट सबसे ज़रूरी माने जाते हैं बर्थ सर्टिफिकेट अगर कोई व्यक्ति भारत में पैदा हुआ है और उसका जन्म कानूनी नियमों (जैसे 1987 या 2004 के संशोधन) के हिसाब से वैलिड था, तो डिजिटल या ऑफिशियल बर्थ सर्टिफिकेट सबसे मज़बूत सबूत है। नागरिकता सर्टिफिकेट अगर कोई विदेशी नागरिक भारत आया है और उसने कानूनी तौर पर नागरिकता हासिल की है, तो मिनिस्ट्री ऑफ़ होम अफेयर्स द्वारा जारी किया गया 'सर्टिफिकेट ऑफ़ नेचुरलाइज़ेशन' या रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट आखिरी सबूत है। माता-पिता के डॉक्यूमेंट इंडियन सिटिज़नशिप एक्ट के तहत, नागरिकता वंश के आधार पर दी जाती है। इसलिए, पुराने रेवेन्यू डॉक्यूमेंट, ज़मीन के रिकॉर्ड या नेशनल रजिस्टर ऑफ़ सिटिज़न्स (अगर लागू हो) जो दिखाते हैं कि किसी व्यक्ति के माता-पिता या दादा-दादी भारत के नेचुरलाइज़्ड नागरिक थे, उन्हें वैलिड माना जाता है।

महेसाणा में ACB का बड़ा एक्शन, DILR कार्यालय का लाइसेंसी सर्वेयर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महेसाणा। भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान के तहत गांधीनगर एंटी करप्शन ब्यूरो ने महेसाणा में बड़ी कार्रवाई करते हुए DILR (जिला भूमि अभिलेख) कार्यालय के लाइसेंसी सर्वेयर रोपी ने जमीन की हिस्सेदारी सुधार और मापणी संबंधी सरकारी कार्य करने के एवज में कुल 1.90 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। शिकायतकर्ता ने ऑनलाइन आवेदन के बाद रिश्वत की मांग से परेशान होकर गांधीनगर ACB में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के सत्यापन के बाद ACB की टीम ने महेसाणा सेशन कोर्ट के गेट नंबर-4 के पास स्थित जैसे ही आरोपी ने शिकायतकर्ता से पहली किश्त के रूप में 70 हजार रुपये स्वीकार किए, टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे रंगे हाथ दबोच लियाकर्मचारियों में हड़कंप मच गया है।

साबरमती नदी में कूदकर जान देने जा रहे युवक को विधायक इमरान खेड़ावाला ने बचाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद की साबरमती नदी पर स्थित पुल से आत्महत्या करने जा रहे एक युवक की जान जामालपुर-खाड़िया के विधायक इमरान खेड़ावाला की सतर्कता और सूझबूझ से बच गई। समय रहते हस्तक्षेप कर विधायक ने युवक को आत्मघाती कदम उठाने से रोक लिया, जिसके बाद उसे सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। जानकारी के अनुसार, विधायक इमरान खेड़ावाला अपनी गाड़ी से साबरमती नदी के पुल से गुजर रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर पुल की रेलिंग के पास संदिग्ध स्थिति में खड़े एक युवक पर पड़ी, जो नदी में छलांग लगाने की तैयारी कर रहा था। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए विधायक ने तत्काल वाहन रुकवाया और अपने सहयोगियों के साथ युवक के पास पहुंचे। उन्होंने युवक को रेलिंग से दूर कर शांतिपूर्वक बातचीत की और उसकी मानसिक स्थिति को समझते हुए उसे हिम्मत बंधाई। काफी देर तक समझाने के बाद युवक आत्महत्या का इरादा छोड़ने के लिए तैयार हो गया। विधायक ने उसे भरोसा दिलाया कि उसकी समस्याओं के समाधान में हरसंभव मदद की जाएगी। विधायक की इस मानवीय पहल और त्वरित निर्णय से एक युवक की जान बच गई। घटना के फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोग उनकी संवेदनशीलता और मानवता की सराहना कर रहे हैं।

वडोदरा के दशरथ गांव में सनसनीः पिता की जगह काम पर गए होनहार नौजवान की पत्थर मारकर बेरहमी से हत्या!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। वडोदरा जिले के दशरथ गांव के पास एक दिल दहला देने वाली और रहस्यमयी हत्या की घटना ने पूरे इलाके में खलबली मचा दी है। एक प्राइवेट शोरूम में कार धोने का काम करने वाले 43 साल के क्षत्रिय नौजवान उमेद वसावा की अज्ञात लोगों ने पत्थर मारकर बेरहमी से हत्या कर दी। जैसे ही इस दिल दहला देने वाली घटना का पता चला, दशरथ गांव और आस-पास के इलाकों से गांव वालों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए, लोकल पुलिस तुरंत काफिले के साथ मौके पर पहुंची और हत्यारों की तलाश शुरू कर दी। मिली जानकारी के मुताबिक, मृतक उमेद वसावा के पिता भवनभाई वसावा छुट्टी पर थे क्योंकि हाल ही में उनका मोतियाबिंद का ऑपरेशन हुआ था। चूंकि उनके पिता घर पर आराम कर रहे थे, इसलिए उमेद वसावा अपने पिता की जगह अपनी ड्यूटी पूरी करने के लिए एक प्राइवेट शोरूम में गए थे। सुबह जब उमेद के काफी देर बाद भी घर नहीं लौटने पर परिवार वाले उन्हें बुलाने पहुंचे, तो शोरूम के पास एक खुली जगह पर ज़मीन पर कंबल से ढकी एक लाश देखी गई। जैसे ही परिवार वालों ने भारी मन से कंबल हटाया, वहां का नज़ारा देखकर वे दंग रह गए। उमेद वसावा की खून से लथपथ लाश वहां पड़ी थी और पास में ही खून से सना एक बड़ा पत्थर भी मिला। थोड़ी देर की पूछताछ में यह साफ हो गया कि उमेद की हत्या पत्थर से सिर पर वार करके की गई थी।

बडा मिशन लेकर सेशेल्स जा रहे हैं मोदी, हिंद महासागर में भारत का मास्टरस्ट्रोक देखेगी दुनिया

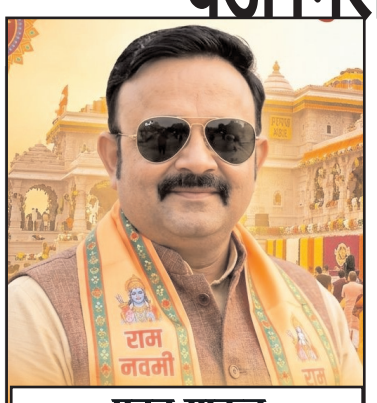

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

हम आपको बता दें कि सेशेल्स 115 द्वीपों वाला छोटा द्वीपीय राष्ट्र है, लेकिन इसकी भौगोलिक स्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह मोजाम्बिक चैनल के निकट उन समुद्री मार्गों पर स्थित है, जहां से विश्व व्यापार का बड़ा हिस्सा गुजरता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 27 से 29 जून तक होने वाली सेशेल्स यात्रा हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की सामरिक सक्रियता और वैश्विक भूमिका को नई दिशा देने वाली महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहल मानी जा रही है। सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस की स्वर्ण जयंती में मुख्य अतिथि के रूप में मोदी की भागीदारी यह संकेत देती है कि भारत अब हिंद महासागर में अपने मित्र देशों के साथ सुरक्षा, विकास और समुद्री सहयोग को और मजबूत करने की रणनीति पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

हम आपको बता दें कि सेशेल्स 115 द्वीपों वाला छोटा द्वीपीय राष्ट्र है, लेकिन इसकी भौगोलिक स्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह मोजाम्बिक चैनल के निकट उन समुद्री मार्गों पर स्थित है, जहां से विश्व व्यापार का बड़ा हिस्सा गुजरता है। इसी कारण अमेरिका, चीन और यूरोपीय शक्तियां भी इस क्षेत्र में प्रभाव बढ़ाने का प्रयास कर रही हैं। ऐसे समय में भारत का सेशेल्स के साथ संबंध मजबूत करना हिंद महासागर में शक्ति संतुलन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इस यात्रा का सबसे बड़ा आकर्षण भारत द्वारा सेशेल्स तटरक्षक बल को एक तीव्र गश्ती पोत सौंपना है। इससे पहले भारत दो डोर्नियर विमान, कई गश्ती नौकाएं तथा तटीय निगरानी राडार प्रणाली भी सेशेल्स को प्रदान कर चुका है। भारतीय रक्षा कर्मियों की तैनाती और संयुक्त सैन्य अभ्यासों ने दोनों देशों के रक्षा सहयोग को नई ऊंचाई दी है। समुद्री डकैती, मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध मछली पकड़ने तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय अपराधों से निपटने में सेशेल्स भारत पर भरोसा करता है। यही कारण है कि यह यात्रा हिंद महासागर में सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक निर्णायक कदम मानी जा रही है।

हम आपको बता दें कि भारत की महासागर दृष्टि के अंतर्गत सेशेल्स को विशेष स्थान प्राप्त है। भारत अब केवल

द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि वह पूरे हिंद महासागर क्षेत्र में एक भरोसेमंद सुरक्षा साझेदार की भूमिका निभा रहा है। सेशेल्स का कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन में पूर्ण सदस्य बनने का संकेत भी इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा है। इस समूह में भारत, मालदीव, मॉरीशस और श्रीलंका पहले से शामिल हैं। यदि सेशेल्स भी पूर्ण सदस्य बनता है, तो हिंद महासागर में भारत के नेतृत्व वाली क्षेत्रीय सुरक्षा संरचना और मजबूत होगी।

हम आपको बता दें कि मोदी और सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हरमिनी के बीच होने वाली वार्ता में रक्षा सहयोग के साथ ऊर्जा, स्वास्थ्य, डिजिटल शासन, समुद्री निगरानी और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे विषयों पर भी चर्चा होगी। फरवरी 2026 में भारत ने सेशेल्स के लिए 175 मिलियन डॉलर के विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा की थी, जिसमें ऋण सहायता और अनुदान दोनों शामिल हैं। इसके अंतर्गत स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, सौर ऊर्जा, समुद्री सुरक्षा और आधारभूत ढांचे से जुड़ी अनेक परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं। यह दर्शाता है कि भारत केवल सामरिक हितों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह विकास साझेदारी के माध्यम से भी अपने मित्र देशों के साथ दीर्घकालिक संबंध बना रहा है।

हम आपको बता दें कि भारत और सेशेल्स के संबंध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यंत गहरे हैं। वर्ष 1770 में भारतीयों का पहला समूह वहां पहुंचा था। आज लगभग 15 हजार भारतीय मूल के लोग वहां रहते हैं, जो कुल जनसंख्या का बड़ा हिस्सा हैं। गुजराती और तमिल समुदाय व्यापार, निर्माण और अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मोदी का भारतीय समुदाय से संवाद दोनों देशों के सामाजिक संबंधों को और मजबूत करेगा।

यह यात्रा वैश्विक राजनीति के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। पिछले कुछ वर्षों में चीन ने हिंद महासागर क्षेत्र में अपने प्रभाव का तेजी से विस्तार किया है। चीन की समुद्री परियोजनाएं, बंदरगाह निवेश और सामरिक उपस्थिति भारत के लिए चिंता का विषय रही हैं। ऐसे में सेशेल्स जैसे देशों के साथ भारत का गहरा सहयोग यह स्पष्ट संदेश देता है कि हिंद महासागर में भारत अपनी पारंपरिक भूमिका को और सशक्त बना रहा है। भारत की नीति अब केवल ह्लपड़ोसी प्रथमह्व तक सीमित नहीं रही, बल्कि वह ह्लग्लोबल साउथह्व के नेतृत्वकर्ता के रूप में भी उभरना चाहता है। सेशेल्स यात्रा इसी व्यापक रणनीतिक सोच का हिस्सा है।

इस यात्रा का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि प्रधानमंत्री मोदी सेशेल्स की राष्ट्रीय सभा के विशेष अधिवेशन को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री होंगे। यह दोनों देशों के राजनीतिक विश्वास और घनिष्ठता का प्रतीक माना जा रहा है। भारतीय नौसेना के युद्धपोतों और रक्षा दल की भागीदारी भी यह दिखाती है कि दोनों देशों के संबंध केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि रणनीतिक साझेदारी में बदल चुके हैं।

बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी की सेशेल्स यात्रा हिंद महासागर में भारत की बढ़ती सामरिक शक्ति, समुद्री सुरक्षा नीति और वैश्विक प्रभाव का महत्वपूर्ण संकेत है। यह यात्रा भारत को क्षेत्रीय सुरक्षा संरचना के केंद्र में स्थापित करने के साथ-साथ चीन की बढ़ती सक्रियता के बीच संतुलन बनाने में भी सहायक होगी। विकास सहायता, रक्षा सहयोग, सांस्कृतिक संबंध और समुद्री साझेदारी के माध्यम से भारत यह संदेश दे रहा है कि वह हिंद महासागर क्षेत्र में स्थिरता, सुरक्षा और साझा समृद्धि का सबसे भरोसेमंद साझेदार बनना चाहता है।

संपादकीय

भरोसे के रिश्ते का कत्ल

आम भारतीय की स्मृति से एक साल पहले मेघालय में इंदौर की सोनम रघुवंशी द्वारा अपने हनीमून के दौरान पति राजा रघुवंशी की हत्या की घटना अभी मिटी नहीं है। सोनम ने पहाड़ी से अपने पति को धक्का देकर मौत की नींद सुला दिया था। साजिश में उसका प्रेमी राज सिंह भी शामिल था। अब ऐसा ही मामला पुणे में सामने आया है जब सिया गोयल नामक युवती ने अपने मंगेतर केतन अग्रवाल को लौहगढ़ स्थित ऊंची पहाड़ी से धक्का देकर मौत की नींद सुला दिया। दोनों धनाढ्य परिवारों से थे। इस साल की शुरूआत में सगाई हुई थी और इसी साल के अंत में उनकी शादी होने जा रही थी। हत्या की दोनों ही घटनाओं में प्रेम का दूसरा कोण मौजूद रहा। पहली घटना में खलनायक प्रेमी राज सिंह तो दूसरी घटना में चेतन चौधरी। दोनों ही घटनाओं में पति व मंगेतर को कांटा मानकर जीवन से हटाना और प्रेमी के दिखाए सब्जबाग संग जीने की उत्कट चाह थी। लेकिन ये कोई सामान्य दुर्घटनाएं नहीं हैं, एक सुनियोजित साजिश हैं,भरोसे के रिश्तों के कत्ल की। भारतीय समाज में ये घटनाएं अस्वाभाविक हैं और परिवार संस्था में भरोसा रखने वाले हर व्यक्ति को उद्वेलित करती हैं। यह समाज विज्ञानियों के लिये मंथन का विषय है कि कोई स्त्री कैसे अपने पति या होने वाली पति की हत्या करने की सोच बना लेती है? सोच बनाती ही नहीं है बल्कि उसे साजिश रचकर अंजाम भी देती है। यहां सवाल उठता है कि यदि सोनम व सिया परिवार द्वारा तय किए गए रिश्ते में नहीं बंधना चाहती तो ना कहने का साहस तो कर ही सकती थीं? निश्चय ही हत्या करने से ना कहना ज्यादा आसान है। धनाढ्य परिवार के केतन की तो अभी सगाई ही हुई थी, जिसे टाला भी जा सकता था। सिया के न चाहने पर परिवार के लोग केतन को खोने के बजाय रिश्ते को मन मारकर तोड़ देते। निश्चय ही केतन व राजा रघुवंशी की सुनियोजित हत्याएं हमें परेशान करती हैं। भले ही ये घटनाएं इक्का-दुक्का हों, लेकिन समाज के विश्वास को गहरे तक खंडित करती हैं। कोई सोच भी नहीं सकता कि किसी मधुर रिश्ते का ऐसा खौफनाक अंत हो सकता है। जिस सिया के साथ सुनहरे जीवन के सपने केतन ने देखे होंगे, उस पर तब क्या बीती होगी, जब उसने सिया को उसे पहाड़ी से धक्का देते हुए देखा होगा? उसके मां-बाप पर क्या बीत रही होगी, जिन्होंने उसकी शादी के लिये शाही तैयारियां शुरू कर दी थीं। हमारे समाज में वैवाहिक रिश्तों में पैदा होने वाली हिंसा, टकराव, अलगाव और कोर्ट-कचहरी का ट्रेंड गंभीर स्थिति की ओर इशारा करता है। सवाल यह है कि नौ महीने कोख में रखने वाली मां और खून-पसीने से लालन-पालन करने वाले पिता के सोचे-विचारे फैसलों को नई पीढ़ी द्वारा क्यों खारिज किया जा रहा है?

चिंतन-मनन

प्रोध का जवाब प्रोध नहीं

एक बार एक ब्राह्मण ने महात्मा बुद्ध को अपने घर आकर, भोजन करने का निमंत्रण दिया। जब बुद्ध वहां पहुंचे तो उन्होंने पाया कि ब्राह्मण ने उन्हें किसी अन्य मकसद से वहां बुलाया था। ब्राह्मण उनकी निंदा करने लगा और उन्हें अपशब्द कहने लगा। बुद्ध ब्राह्मण के वचनों के वार चुपचाप सहते रहे। अंत में बुद्ध ने कहा,हे ब्राह्मण जी, क्या आपके घर में मेहमान आते रहते हैं? हां, आते हैं। ब्राह्मण ने उत्तर दिया। बुद्ध ने पूछा,जब मेहमान आते हैं तो आप उनके लिए क्या भोजन बनाते हैं? ब्राह्मण ने उत्तर दिया,हम एक बड़े भोज की तैयारी करते हैं। बुद्ध ने पूछा, अगर वे नहीं आते तो आप क्या करते हैं? ब्राह्मण बोला, हम भोज स्वयं खा लेते हैं। बुद्ध बोले,अच्छा, तुमने मुझे भोजन पर बुलाया पर तुमने मेरा स्वागत कठोर वचनों और आलोचना से किया। लगता है कि जो भोज तुम मुझे परोसने वाले थे, वह इसी का है। मैं तुम्हारे द्वारा परोसे भोजन को नहीं खाना चाहता। कृपया इसे वापस ले लो और स्वयं खाओ। बुद्ध ने महसूस किया कि जो भोज उन्हें दिया गया था, वह खाद्य पदार्थों का नहीं, बल्कि गालियों का था। उन्होंने वापस मुड़कर ब्राह्मण का तिरस्कार करने और उसे अपशब्द कहने के बजाय उसके प्रोध को स्वीकार नहीं किया। बल्कि वे उस स्थान से चले गए। इस प्रकार, प्रोध उसी के साथ रहा जो उसे प्रकट कर रहा था। महात्मा बुद्ध के शिष्य यह देख रहे थे। बुद्ध ने उन्हें सलाह दी, कभी उस रूप में बदला न लो जिस रूप में सलूक आपके साथ हुआ हो। घृणा कभी घृणा से खत्म नहीं होती। कई बार हमारा सामना ऐसे लोगों से होता है जो हमें बुरा-भला कहते हैं। उनके स्तर पर उतरने की जगह हमें उनके उपहारों को स्वीकार नहीं करना चाहिए। तब उनका प्रोध उनके साथ ही रहेगा। जब हम घटना स्थल से हट जाएंगे तो वे अपने आपको, अपने प्रोध के साथ अकेला पाएंगे। वे चकित होंगे कि उनके प्रोध के बावजूद हम प्रेममय बने रहे। वे हमें आदर देने के लिए हमारे पास आ सकते हैं। जैसे दिन गुजरे और हमारा सामना ऐसे लोगों से हो जो हमारे प्रति प्रोध और आलोचना से भरे हों तो हम उनके वचनों को शांति से सुनें। हमें यह देखना चाहिए कि उनके वचनों में क्या कोई सच्चाई है। अगर ऐसा है तो हम उनके वचनों से कुछ सीखें और अपने आपको सुधारें। अगर उनके वचनों में कुछ भी सत्य नहीं है, तब हम उनके प्रोध के उपहार को स्वीकार न करें। हम उनके स्तर पर न उतर आएं। हम उनके प्रतिकूल वातावरण में शांति डालें। हमें प्रोध के उपहार को उनके पास छोड़ देना चाहिए और अपने शांत, खुशहाल रास्ते पर चल देना चाहिए।

वर्दी का भय या कानून का विश्वास ?

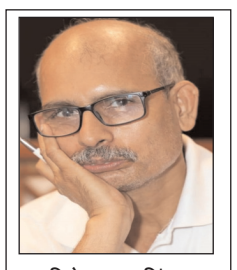

विनोद कुमार सिंह

गोड्डा की एक घटना,पत्रकार सुरक्षा और झारखंड की कानून-व्यवस्था पर उठते गंभीर सवाल...

लोकतंत्र की सफलता केवल चुनावों,सरकारों और संवैधानिक संस्थाओं से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से भी आंकी जाती है कि आम नागरिक स्वयं को कितना सुरक्षित,सम्मानित और स्वतंत्र महसूस करता है।जब कोई नागरिक,सामाजिक कार्यकर्ता या पत्रकार अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए भयमुक्त होकर प्रश्न पूछ सकता है,तभी लोकतंत्र वास्तव में जीवंत माना जाता है।लेकिन जब कानून की रक्षा करने वाली संस्थाओं पर ही भय पैदा करने के आरोप लगने लगें,तब लोकतंत्र के सामने गंभीर प्रश्न खड़े हो जाते हैं।

गोड्डा जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लालपुर गाँव में 25 जून 2026 को सामने आई एक कथित घटना ने ऐसे ही अनेक सवालों को जन्म दिया है।आरोप है कि सादे वेश में कुछ पुलिसकर्मी बिना नंबर प्लेट वाले वाहन से गाँव पहुँचे और स्थानीय लोगों से पूछताछ के दौरान पुलिसिया रौब दिखाया। आरोप यह भी है कि एक मान्यता प्राप्तपत्रकार द्वारा अपना परिचय पत्र दिखाने के बाद भी कथित रूप से अभद्र व्यवहार किया गया।यद्यपि इन आरोपों की निष्पक्ष जाँच और पुलिस प्रशासन का पक्ष सामने आना अभी शेष है,फिर भी यह घटनाक्रम लोकतंत्र, पत्रकारिता और पुलिस जवाबदेही पर व्यापक चर्चा की माँग करता है।सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या पत्रकार भीड़ का हिस्सा है? इसका उत्तर स्पष्ट रूप से ह्यनहींह्ण है।पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है।वह न सत्ता का प्रतिनिधि होता है और न ही विपक्ष का। उसका दायित्व जनता और शासन के बीच सूचना का सेतु बनना है।संविधान के अनुच्छेद19(1)(क)के अंतर्गत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का जो अधिकार नागरिकों को प्राप्त है, पत्रकार उसी अधिकार का सामाजिक विस्तार है।उल्लेखनीय है कि इस प्रकरण से जुड़े पत्रकार पिछले लगभग तीन दशकों से देश की राजधानी दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों में सक्रिय पत्रकारिता कर रहे हैं।वे अनेक राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय पत्रकार संगठनों, प्रेस एसोसिएशनों तथा पत्रकार मंचों से जुड़े रहे हैं और जनसरोकार,प्रशासनिक जवाबदेही, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा ग्रामीण भारत से जुड़े विषयों पर लगातार लेखन करते रहे हैं।ऐसे में यदि किसी वरिष्ठ और मान्यता प्राप्त पत्रकार के साथ भी कथित रूप से अभद्र व्यवहार या धमकी जैसी स्थिति उत्पन्न होती है,तो यह प्रश्न केवल एक व्यक्ति की गरिमा का नहीं रह जाता,बल्कि पत्रकारों की कार्य-स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक मूल्यों की सुरक्षा से भी जुड़ जाता है।भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने अनेक अवसरों पर कहा है कि प्रेस की स्वतंत्रता लोकतंत्र की आत्मा है। यदि पत्रकार भयमुक्त नहीं रहेगा, तो जनता तक सत्य और सूचना का प्रवाह भी बाधित होगा। इसलिए किसी पत्रकार के साथ कथित दुर्व्यवहार केवल एक व्यक्ति का मामला नहीं,बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक स्वतंत्रता से जुड़ा विषय बन जाता है।दूसरी ओर यह भी उतना ही सत्य है कि पुलिस व्यवस्था किसी भी राज्य की रीढ़ होती है।झारखंड जैसे राज्य में पुलिस की भूमिका और भी चुनौतीपूर्ण है।राज्य लंबे समय तक नक्सलवाद,संगठित अपराध, अवैध खनन,साइबर अपराध तथा सामाजिक तनावों जैसी समस्याओं से जूझता रहा है।हाल के वर्षों में झारखंड पुलिस ने अपराध नियंत्रण और उग्रवाद विरोधी अभियानों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। अपराधियों की गिरफ्तारी,अवैध हथियारों की बरामदगी और साइबर अपराध के विरुद्ध कार्रवाई पुलिस की महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ रही हैं।

गोड्डा जिला भी इससे अछूता नहीं है। जिले में समय-समय पर अवैध हथियारों,आपराधिक गिरोहों,भूमि विवादों तथा संगठित अपराधों के विरुद्ध अभियान चलाए जाते रहे हैं। ऐसे में पुलिस को कई बार त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई करनी पड़ती है,लेकिन लोकतंत्र में किसी भी कार्रवाई की वैधता केवल उसके उद्देश्य से नहीं,बल्कि उसकी प्रक्रिया से भी तय होती है। यही वह बिंदु है जहाँ नागरिक अधिकारों और पुलिस शक्तियों के बीच संतुलन आवश्यक हो जाता है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक नागरिक को गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार देता है। इसका अर्थ यह है कि किसी भी व्यक्ति के साथ अपमानजनक व्यवहार नहीं किया जा सकता।यदि पुलिस पूछताछ करती है तो नागरिक को यह जानने का अधिकार है कि उससे पूछताछ करने वाला व्यक्ति कौन है और किस अधिकार के तहत कार्रवाई कर रहा है।सवाल यह भी है कि यदि पुलिस सादे वेश में कार्रवाई कर रही हो तो उसकी पहचान सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी किसकी है?आज के दौर में जब अपराधी भी स्वयं को पुलिस बताकर लोगों को ठगने लगे हैं,तब आम नागरिक के मन में संदेह होना स्वाभाविक है।इसलिए पारदर्शिता केवल नागरिक का अधिकार नहीं,बल्कि पुलिस प्रशासन की भी आवश्यकता है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी)के आँकड़े बताते हैं कि झारखंड के सामने अपराध नियंत्रण की चुनौती अभी भी बनी हुई है। हत्या,साइबर अपराध, महिलाओं के विरुद्ध अपराध और आर्थिक अपराध जैसी समस्याएँ राज्य के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। ऐसी परिस्थितियों में पुलिस को अधिक अधिकार और संसाधन मिलना चाहिए, लेकिन उतनी ही मजबूती से जवाबदेही की व्यवस्था भी सुनिश्चित होनी चाहिए।

लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यह है कि कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है।यह सिद्धांत नागरिक पर भी लागू होता है और वर्दी पर भी। पुलिस की शक्ति संविधान से आती है, भय से नहीं।यदि किसी नागरिक या पत्रकार को यह महसूस हो कि उसके साथ अन्याय हुआ है,तो उसे शिकायत करने, जाँच की माँग करने और न्याय पाने का अधिकार है।आज आवश्यकता पुलिस बनाम पत्रकार की बहस की नहीं है। आवश्यकता पुलिस और पत्रकार के बीच विश्वास बहाली की है। दोनों ही लोकतंत्र की सेवा कर रहे हैं। पुलिस अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई करती है और पत्रकार उस कार्रवाई को जनता तक पहुँचाता है। दोनों का लक्ष्य अंततः जनहित ही है।यदि लालपुर की घटना में लगाए गए आरोप गलत सिद्ध होते हैं, तो इससे पुलिस की प्रतिष्ठा और मजबूत होगी।यदि कहीं किसी स्तर पर चूक या दुर्व्यवहार पाया जाता है, तो निष्पक्ष कार्रवाई से जनता का विश्वास बढ़ेगा। दोनों ही परिस्थितियों में सत्य,पारदर्शिता और विधि का शासन ही लोकतंत्र का सबसे बड़ा आधार है।झारखंड पुलिस के हजारों अधिकारी और जवान कठिन परिस्थितियों में दिन-रात सेवा दे रहे हैं।उनके योगदान का सम्मान होना चाहिए।लेकिन उतना ही आवश्यक यह भी है कि आम नागरिक, पत्रकार और समाज के कमजोर वर्ग स्वयं को सुरक्षित और सम्मानित महसूस करें।लोकतंत्र में वर्दी का सम्मान और नागरिक की गरिमा–दोनों साथ-साथ चलते हैं।

कानून का राज केवल अपराधियों को पकड़ने से स्थापित नहीं होता। कानून का राज तब स्थापित होता है जब आम आदमी बिना भय के अपने अधिकारों का उपयोग कर सके, पत्रकार बिना दबाव के प्रश्न पूछ सके और पुलिस बिना पक्षपात के कानून लागू कर सके।गोड्डा जिले की यह कथित घटना चाहे जिस निष्कर्ष तक पहुँचे,उसने एक महत्वपूर्ण प्रश्न अवश्य खड़ा किया है- क्या हम भय आधारित व्यवस्था चाहते हैं या विश्वास आधारित शासन?लोकतंत्र का उत्तर स्पष्ट है।वर्दी का सम्मान होना चाहिए, लेकिन संविधान उससे भी ऊपर है। पत्रकार का सम्मान होना चाहिए, क्योंकि वह जनता की आवाज है। और सबसे बढ़कर,आम नागरिक का सम्मान होना चाहिए,क्योंकि वही लोकतंत्र का वास्तविक स्वामी है।जब वर्दी में संवेदनशीलता होगी, कलम में निर्भीकता होगी और नागरिक के मन में विश्वास होगा, तभी झारखंड की कानून-व्यवस्था वास्तव में मजबूत मानी जाएगी। यही लोकतंत्र की आत्मा है,यही संविधान की भावना है और यही भारत की सबसे बड़ी शक्ति भी।

आखिर नागरिकता साबित करने के लिए कौन-सा दस्तावेज वैध?

सौरभ वार्ष्णेय

भारत में नागरिकता को लेकर एक बार फिर राष्ट्रीय बहस तेज हो गई है। विदेश मंत्रालय द्वारा यह स्पष्ट किए जाने के बाद कि पासपोर्ट अपने-आप में नागरिकता का अंतिम और निर्णायक प्रमाण नहीं है, विपक्ष ने सरकार पर सवाल उठाए हैं, जबकि सरकार का कहना है कि नागरिकता का निर्धारण केवल किसी एक दस्तावेज से नहीं, बल्कि कानून और उपलब्ध साक्ष्यों के समग्र परीक्षण के आधार पर होता है। यह विवाद केवल कानूनी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकारों और नागरिकों के भरोसे से भी जुड़ा है। आम नागरिक का सबसे बड़ा सवाल यही है–यदि आधार, वोटर आईडी, पैन कार्ड और यहां तक कि पासपोर्ट भी अंतिम प्रमाण नहीं हैं, तो आखिर भारतीय नागरिकता सिद्ध कैसे होगी? लोकतंत्र में सबसे बड़ी शक्ति नागरिक का विश्वास होता है। यदि नागरिक को अपने ही अधिकारों के प्रमाण को लेकर असमंजस रहे, तो यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं कही जा सकती। इसलिए समय की मांग है कि नागरिकता प्रमाणन की प्रक्रिया स्पष्ट, सर्वसुलभ और विवाद-मुक्त बनाई जाए, ताकि किसी भी भारतीय को अपनी नागरिकता साबित करने के प्रश्न पर अनिश्चितता का सामना न करना पड़े।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि पहचान और नागरिकता एक जैसी नहीं हैं। आधार कार्ड आपकी पहचान और निवास का प्रमाण है। वोटर आईडी मतदान के अधिकार का प्रमाण है। पैन कार्ड आयकर संबंधी पहचान है। ड्राइविंग लाइसेंस वाहन चलाने की अनुमति देता है। पासपोर्ट विदेश यात्रा और अंतरराष्ट्रीय पहचान का दस्तावेज है। लेकिन इनमें से कोई भी दस्तावेज अकेले नागरिकता का अंतिम कानूनी प्रमाण नहीं माना जाता।

आखिर नागरिकता कैसे तय होती है? भारत में नागरिकता का आधार नागरिकता अधिनियम, 1955 है। इस कानून के अनुसार नागरिकता प्राप्त करने के प्रमुख आधार हैं–जन्म के आधार पर, वंश के आधार पर, पंजीकरण द्वारा, प्राकृतिककरण द्वारा, किसी क्षेत्र के भारत में विलय के आधार पर। यदि किसी व्यक्ति की नागरिकता पर प्रश्न उठता है तो संबंधित प्राधिकारी उपलब्ध दस्तावेजों, जन्म संबंधी अभिलेखों, माता-पिता की नागरिकता, सरकारी रिकॉर्ड तथा अन्य कानूनी साक्ष्यों का समग्र मूल्यांकन करता है। कोई एक दस्तावेज हर परिस्थिति में निर्णायक नहीं होता।

हाल के वर्षों में जन्म प्रमाण पत्र को सबसे महत्वपूर्ण आधार दस्तावेजों में माना जाने लगा है, क्योंकि इससे जन्म तिथि और जन्म स्थान दोनों का रिकॉर्ड उपलब्ध होता है। लेकिन जिन लोगों का जन्म दशकों पहले हुआ और जिनके पास जन्म प्रमाण पत्र नहीं है, उनके लिए स्कूल प्रमाणपत्र, भूमि अभिलेख, पारिवारिक रिकॉर्ड, सरकारी सेवा अभिलेख तथा अन्य आधिकारिक दस्तावेज भी परिस्थितियों के अनुसार महत्वपूर्ण साक्ष्य बन सकते हैं।

विदेश मंत्रालय के स्पष्टीकरण के बाद विपक्ष ने प्रश्न उठाया कि यदि पासपोर्ट नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं है, तो आम नागरिक किस दस्तावेज पर भरोसा करे। दूसरी ओर सत्तापक्ष का तर्क है कि दुनिया के अनेक देशों में भी पासपोर्ट नागरिकता निर्धारण का एकमात्र कानूनी आधार नहीं होता और विवाद की स्थिति में मूल नागरिकता रिकॉर्ड ही निर्णायक होते हैं। यह बहस संसद से लेकर राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों तक फैल चुकी है।

इस पूरे विवाद की सबसे बड़ी वजह यह है कि भारत में आज तक ऐसा कोई एकल राष्ट्रीय नागरिकता प्रमाण-पत्र नहीं है जिसे हर स्थिति में अंतिम माना जाए। परिणामस्वरूप लोग आधार, वोटर आईडी, राशन कार्ड और पासपोर्ट जैसे दस्तावेजों को ही नागरिकता का प्रमाण समझ लेते हैं, जबकि कानून की दृष्टि से इनकी भूमिका अलग-अलग है।

लोकतंत्र में केवल कानून होना पर्याप्त नहीं होता, बल्कि उसका स्पष्ट और सरल संप्रेषण भी आवश्यक है। यदि नागरिकों में यह भ्रम बना रहे कि कौन-सा दस्तावेज वैध है और कौन-सा नहीं, तो इससे अनावश्यक भय और अफवाहें फैल सकती हैं। सरकार को चाहिए कि नागरिकता प्रमाणन संबंधी एक स्पष्ट दिशानिर्देश जारी करे, जिसमें बताया जाए कि विभिन्न परिस्थितियों में कौन-कौन से दस्तावेज स्वीकार्य होंगे। इससे प्रशासनिक विवाद भी कम होंगे और नागरिकों का विश्वास भी बढ़ेगा।

हर नागरिक को अपने जन्म, शिक्षा, परिवार और संपत्ति से जुड़े मूल सरकारी दस्तावेज सुरक्षित रखने चाहिए। दस्तावेजों का डिजिटलीकरण और समय-समय पर उनका अद्यतन कराना भी आवश्यक है। भविष्य में किसी भी कानूनी प्रक्रिया के दौरान यही रिकॉर्ड सबसे अधिक उपयोगी साबित हो सकते हैं।

नागरिकता केवल एक कानूनी स्थिति नहीं, बल्कि संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों और कर्तव्यों का आधार है। इसलिए इस विषय पर राजनीति से अधिक स्पष्टता और पारदर्शिता की आवश्यकता है। नागरिकों को भ्रमित करने के बजाय सरकार को एक सरल, एकीकृत और पारदर्शी नागरिकता प्रमाणन व्यवस्था विकसित करनी चाहिए।

अब केंद्र सरकार को सोचना चाहिए कि आखिर नागरिकता साबित करने के लिए कौन-सा दस्तावेज वैध है जिसे नागरिक प्रस्तुत कर अपनी नागरिकता सिद्ध कर सके। इस सबका एक ही निराकरण है कि केंद्र सरकार को सर्वप्रथम एक पत्रकार वार्ता आयोजित कर इस नागरिकता पर स्पष्टता करनी चाहिए। ताकि देश में इसको लेकर किसी के मन में भ्रम न हो।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

शादी नहीं हुई, लेकिन हनीमून की तस्वीरें वायरल! भोपाल की कहानी समझिए

स्वर्ण खबर डेस्क

भोपाल । ये कहानी भोपाल की है. यहां रहने वाली एक लड़की के लिए मैरिज साइट पर रिश्ता देखा जाता है. लड़का राजस्थान के उदयपुर का था. दोनों परिवारों ने आमने-सामने आकर बातचीत की, लेकिन लड़की वालों को लड़का पसंद नहीं आया. फिर लड़के ने जो किया वो हैरान कर देगा. उसने ढ्ढ का ऐसा खेल रचा, जिसमें फर्जी हनीमून, गोदभराई और 500 से ज्यादा टैक्सियों की बुकिंग शामिल है. भोपाल में एक घर के बाहर अचानक एक टैक्सी आकर रुकती है. फिर दूसरी... फिर तीसरी... फिर चौथी... घरवाले सोचते हैं शायद किसी ने गलती से पता डाल दिया होगा. लेकिन जब यह सिलसिला बार-बार होने लगा, तो समझ आया कि ये मामला गलती का नहीं है. दरअसल, यहां की लड़की को उदयपुर का लड़का एक साल से परेशान कर रहा था, क्योंकि लड़की को मैट्रिमोनियल साइट पर मिला वो लड़का ठीक नहीं लगा था. ये कहानी एक मैरिज साइट से शुरू होती है. भोपाल की एक लड़की की बहन ने शादी के लिए प्रोफाइल बनाई थी. इसी के जरिए राजस्थान के उदयपुर के एक युवक से रिश्ते को लेकर बातचीत शुरू हुई. पहले फोन पर बात हुई. फिर परिजनों की मौजूदगी में मुलाकात भी हुई. इस मुलाकात के दौरान ही कहानी ने यू-टर्न ले लिया. लड़की और उसके परिवार वालों का कहना है कि मुलाकात के दौरान युवक का व्यवहार ठीक नहीं लगा. इसी वजह से परिवार ने रिश्ता आगे बढ़ाने से इनकार कर दिया. बस, यहीं से परेशानी शुरू हुई. पीड़ित लड़की भोपाल के अशोका गार्डन इलाके की रहने वाली है. उसका आरोप है कि शादी से इनकार करने पर उदयपुर का युवक करीब एक साल से उसे और उसके परिवार को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा है.

पति ने परदेस में खून-पसीना बहाया, पत्नी ने आशिक संग मिलकर उसे ही दे दी मौत

स्वर्ण खबर डेस्क

सिंगरौली। चार दिन पहले राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे संदिग्ध हालात में मिले एक शख्स के अंधे कत्ल की गुत्थी को पुलिस ने बेपर्दा कर दिया है। भारी गांव के रहने वाले 38 वर्षीय रघुनाथ उर्फ सरजू खेवर की हत्या के आरोप में पुलिस ने उसकी सगी पत्नी, उसके प्रेमी और एक अन्य सहयोगी को गिरफ्तार किया है। चितरंगी थाना पुलिस ने घटनास्थल से मिले वैज्ञानिक साक्ष्यों और कड़ाई से की गई पूछताछ के बाद इस खौफनाक मर्डर मिस्ट्री का खुलासा किया।

परदेस में पति, गांव में आशिक

पुलिस के मुताबिक, इस हत्याकांड की मास्टरमाइंड मृतक की 30 वर्षीय पत्नी रामकली ही थी। रामकली का गांव के ही 23 साल के नीरज कुमार शाह के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। यह नाजायज ताल्लुक तब शुरू हुआ, जब रघुनाथ अपने परिवार की खातिर पैसे कमाने गुजरात गया हुआ था। दोनों प्रेमी एक-दूसरे के इस कदर आदी हो चुके थे कि वे रघुनाथ को हमेशा के लिए अपने रास्ते से हटाना चाहते थे। जैसे ही उन्हें पता चला कि रघुनाथ 19 जून को गुजरात से वापस लौट आया है, उन्होंने कत्ल की साजिश को अमलीजामा पहना दिया। जांच में साफ हुआ है कि आरोपी महिला का अपने प्रेमी के साथ संबंध तब बना जब उसका पति गुजरात में मजदूरी कर रहा था। आरोपी पीड़ित को अपने रिश्ते में सबसे बड़ी बाधा मानते थे, जिसके बाद उन्होंने मिलकर हत्या की योजना बनाई और उसे अंजाम दिया। राहुल संयम, एसडीओपी, चितरंगी 21 जून को हाइवे किनारे मिला था भारी गांव निवासी रघुनाथ खेवर का शव। कत्ल के आरोप में पत्नी रामकली, प्रेमी नीरज शाह और साथी सूरज गोंड गिरफ्तार। पति के गुजरात में रहने के दौरान पत्नी और प्रेमी के बीच बने थे अवैध संबंध। 19 जून को गुजरात से लौटकर ससुराल की शादी में जा रहा था मृतक रघुनाथ। आरोपियों ने शराब पार्टी के बहाने सुनसान जगह बुलाकर सिर पर पत्थर से किया वार। ससुराल पहुंचने से पहले ही बिछाया मौत का जाल रघुनाथ 19 जून को जब गांव लौटा, तो वह अपने ससुराल में एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहा था.

चंपत राय और अनिल मिश्रा ने दिया इस्तीफा... चंदा चोरी विवाद के बीच राम मंदिर ट्रस्ट छोड़ा

स्वर्ण खबर डेस्क

अयोध्या। राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित गड़बड़ी के मामले में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है. श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य चंपत राय और अनिल मिश्रा ने अपने पद से इस्तीफा सौंप दिया है. यह इस्तीफा नैतिकता के आधार पर दिया गया है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त रुख और एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट के बाद यह फैसला लिया गया. राम मंदिर दान प्रकरण में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त रुख का असर साफ देखने को मिला है. राम जन्मभूमि ट्रस्ट के दो सदस्य चंपत राय और अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया है. एसआईटी की शुरुआती रिपोर्ट में कठोर संस्तुति के बाद यह बड़ा फैसला लिया गया. एसआईटी की सिफारिश पर मामले में पहली एफआईआर पहले ही दर्ज की जा चुकी है. इस्तीफों को जांच में हुई कार्रवाई से जोड़कर देखा जा रहा है. सूत्रों के अनुसार, यह घटनाक्रम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त रुख और

एसआईटी की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के बाद सामने आया है. इससे पहले इसी मामले में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की शिकायत पर पहली एफआईआर दर्ज की गई. एफआईआर में आठ लोगों को नामजद किया गया है, जबकि कई अन्य अज्ञात लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है. एसआईटी फिलहाल कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच कर रही है. जांच एजेंसी आरोपियों के बैंक खातों, संपत्तियों, मोबाइल रिकॉर्ड और कथित लेन-देन की पड़ताल में जुटी है. सूत्रों का कहना है कि एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट में कुछ कड़ी सिफारिशें की गई थीं, जिसके बाद जांच की रफ्तार और तेज हुई. इसी क्रम में चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफों को भी जांच से जोड़कर देखा जा रहा है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही इस मामले में पारदर्शी और निष्पक्ष जांच के संकेत दे चुके हैं. सरकार का कहना है कि यदि जांच में किसी भी स्तर पर अनियमितता या जिम्मेदारी तय होती है, तो संबंधित लोगों के खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी. फिलहाल इस पूरे मामले में कई सवालों के जवाब अभी आने बाकी हैं. क्या एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट में और बड़े खुलासे होंगे? क्या जांच का दायरा और बढ़ेगा? और क्या ट्रस्ट की कार्यप्रणाली में कोई बदलाव देखने को मिलेगा? इन सभी सवालों के जवाब आने वाले दिनों में जांच के साथ सामने आएंगे. राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़ी कथित गड़बड़ी की जांच के बीच गुरुवार को बड़ा कदम उठाया गया. श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी कृष्ण मोहन की शिकायत पर राम जन्मभूमि थाने में आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज हुआ. एफआईआर में राम शंकर यादव उर्फ टीनू, अनुकल्प मिश्र, लवकुश मिश्रा, करुणेश पांडेय, अविनाश शुक्ला, मनीष यादव, रमाशंकर मिश्रा और सुभाष चंद्र श्रीवास्तव को नामजद किया गया है. इनके खिलाफ गबन, धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश से जुड़ी धाराओं के तहत मामला दर्ज है. सूत्रों के अनुसार, एसआईटी की शुरुआती रिपोर्ट अपर मुख्य सचिव (गृह) को सौंपे जाने के बाद यह कार्रवाई हुई. पुलिस ने अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य की तलाश की जा रही है. इस पूरे मामले की शिकायत कृष्ण मोहन ने दर्ज कराई, जो सितंबर 2025 में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का सदस्य बनाया गया था. फरवरी 2025 में ट्रस्टी कामेश्वर चौपाल के निधन के बाद उनकी जगह कृष्ण मोहन का चयन किया गया.

कानपुर की दर्दनाक कहानी! अपनों के लिए कमाने निकला था, तड़पता रहा बेबस पिता, मौत

स्वर्ण खबर डेस्क

मोहम्मदाबाद। थाना क्षेत्र के मडगांव रोड पर हुई। पुलिस के अनुसार, जहानागंज थाना क्षेत्र के हीसामपुर गांव निवासी महेंद्र सिंह (55) रात करीब 10 बजे सुमंगल कोल्ड स्टोरेज में अपनी नाइट शिफ्ट के लिए घर से निकले थे। काम पर जाने के दौरान, उनकी मोटरसाइकिल सड़क किनारे एक गड्ढें में गिर गई। गुरुवार की सुबह, गुड़गांव गांव के निवासी अवधेश सिंह भदौरिया ने एक गैस प्लांट की ओर जाते समय गड्ढें में पड़े शव को देखा और 112 नंबर पर डायल करके पुलिस को सूचित किया। कानपुर : कानपुर के फर्रुखाबाद से एक दर्दनाक कहानी सामने आई है। यहां एक 55 वर्षीय कर्मचारी रात में काम पर निकला था। बाइक सड़क किनारे एक गड्ढें में गिर गई। हादसे में घायल होने के बाद वह रात भर गड्ढें में ही फंसा रहा। गुरुवार सुबह एक राहगीर ने उसका शव देखा, जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना फर्रुखाबाद के मोहम्मदाबाद इलाके की है। मृतक की पहचान 55 वर्षीय महेंद्र सिंह के रुप में हुई है। कर्मचारी

महेंद्र सिंह कोल्ड स्टोरेज में काम करता था। मृतक अपने घर का इकलौता कमाने वाला था। महेंद्र के परिवार में उनके दो बेटे और एक बेटी हैं।

रात करीब 10 बजे की है घटना

यह घटना मोहम्मदाबाद थाना क्षेत्र के मडगांव रोड पर हुई। पुलिस के अनुसार, जहानागंज थाना क्षेत्र के हीसामपुर गांव निवासी महेंद्र सिंह (55) रात करीब 10 बजे सुमंगल कोल्ड स्टोरेज में अपनी नाइट शिफ्ट के लिए घर से निकले थे। काम पर जाने के दौरान, उनकी मोटरसाइकिल सड़क किनारे एक गड्ढें में गिर गई। गुरुवार की सुबह, गुड़गांव गांव के निवासी अवधेश सिंह भदौरिया ने एक गैस प्लांट की ओर जाते समय गड्ढें में पड़े शव को देखा और 112 नंबर पर डायल करके पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पीड़ित की पहचान करने के लिए मोटरसाइकिल के रजिस्ट्रेशन नंबर का पता लगाया और उसके परिवार को सूचित किया। बाद में शव की पहचान महेंद्र के भाई पुष्पेंद्र ने की। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। महेंद्र के परिवार में उनके दो बेटे और एक बेटी हैं। वह परिवार के मुख्य कमाने वाले थे। महेंद्र की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिवार पर जीविका चलाने का संकट खड़ा हो गया है। इस बीच पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और दुर्घटना की परिस्थितियों की जांच कर रही है।

कौशांबी में टोल प्लाजा से टकराया LPG टैंकर, 4 टोलकर्मी बुरी तरह से झुलसे

स्वर्ण खबर डेस्क

कौशांबी। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां कोखराज-हंडिया बाईपास टोल प्लाजा पर एक गैस टैंकर में लीकेज की वजह से भीषण आग लग गई। गैस टैंकर में आग लगने से आसमान में धुएं का गुबार उठने लगा और इलाके में अफरा-तफरी मच गई। एलपीजी टैंकर आग लगने के बाद बेकाबू होकर टोल प्लाजा से जा टकराया। इस वजह से टोल गेट के चैंबर जल गए। इस घटना में 4 टोलकर्मी सहित दर्जनों लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। जिसमें दो लोगों की हालत नाजुक बताई जा रही है, जिन्हें प्रयागराज रेफर कर दिया गया है। यह गैस टैंकर कानपुर की तरफ से वाराणसी जा रहा था।

लीकेज की वजह से टैंकर में लगी आग

जानकारी के अनुसार, यह हादसा सुबह करीब साढ़े छह बजे कोखराज क्षेत्र के सिरोही टोल प्लाजा पर हुआ। गैस टैंकर में लीकेज के बाद आग लगने से टैंकर अनियंत्रित हो गया और टोल बूथ पर जा टकराया। गैस टैंकर के टोल बूथ से टकराने के कारण चार टोलकर्मी समेत दर्जनों लोग आग की चपेट में आ गए। इस घटना में दो लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। आग में झुलसे टोलकर्मियों को इलाज के लिए प्रयागराज रेफर कर दिया गया है। घटना की सूचना मिलने पर फायरफाइटर, पुलिसकर्मी और इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीमें तुरंत मौके पर पहुँचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। सभी घायलों को आनन-फानन में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घायल टोलकर्मियों की पहचान हीरामन, आलोक, कृष्ण पाल, अतुल और राजू के रूप में हुई है। कौशांबी पुलिस मामले की जांच कर रही है।

'मैंने कहा था- कार्रवाई होगी और कार्रवाई शुरू हो गई', राम मंदिर मामले में बोले सीएम योगी, कांग्रेस पर जमकर बरसे

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल की ओर से राम मंदिर केस में एसआईटी जांच पर उठाए गए सवालों का जवाब दिया। उन्होंने देवरिया में एक जनसभा में कांग्रेस को भी निशाना बनाया

स्वर्ण खबर डेस्क

देवरिया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को निशाना बनाया है। अयोध्या के दौर पर आए अरविंद केजरीवल ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी की जांच करने वाली एसआईटी पर सवाल उठाए हैं। सीएम योगी ने कहा है कि, जब इन्हें कुछ नहीं मिला तो रामभक्तों पर आक्षेप कर रहे हैं,अयोध्या धाम को बदनाम कर रहे हैं। सीएम योगी ने देवरिया में एक जनसभा में यह बात कही।

दिल्ली को बर्बादी के अलावा कुछ नहीं दिया

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि, 'एक दिल्ली से सज्जन वहां आए हैं, अयोध्या। दिल्ली की जनता ने उन्हें 15 वर्ष अवसर दिया,लेकिन दिल्ली को उन्होंने बर्बादी,भ्रष्टाचार के सिवा कुछ नहीं दिया, मैं उनसे पूछना चाहूंगा, डबल इंजन की सरकार ने 9 वर्ष में अयोध्या को जो सवांरा है, देखें इस मॉडल को। फिर अपने कारनामों पर पश्चाताप करो। यह न्याय अयोध्या के साथ जो डबल इंजन की सरकार ने किया, अगर यही न्याय आम आदमी पार्टी दिल्ली के साथ करती तो दिल्ली भी चमकती, जैसे आज

अयोध्या चमक रही है।'

जन आस्था के साथ खिलवाड़ न हो

सीएम योगी ने कहा कि, मैंने 19 जून को अयोध्या के दौरे पर कहा था, जन आस्था के साथ खिलवाड़ न हो। अयोध्या हम सबकी आस्था की प्रतीक है। अयोध्या पर आक्षेप मत करो, श्रीराम की मर्यादा का पालन करना सीखो। मैंने कहा था कि एसआईटी की रिपोर्ट आने पर कार्रवाई होगी। एसआइटी रिपोर्ट आई, कार्रवाई प्रारंभ हो गई है। उन्होंने कहा कि, जन आस्था के साथ जो खिलवाड़ करेगा, उसके साथ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत काम करेंगे। आज मोहर्रम है, कहीं किसी का अता पता नहीं है, कोई शस्त्र नहीं निकल रहा, उत्सव के माहौल में कोई उपद्रव नहीं कर सकता, अगर करेगा तो सात पीढ़ियों तक भुगतेगा।

आक्षेप लगाने वालों की मंशा अच्छी नहीं

योगी ने कहा कि, जो लोग आज आक्षेप कर रहे हैं, इनकी मंशा अच्छी नहीं है। ये वे लोग हैं जो लोग भगवान राम को नकार चुके थे, कहते थे कि राम हुए ही नहीं। ये लोग अयोध्या को नकारते रहे। दूसरा पक्ष वह है जो जय श्रीराम पर लाठी गोली चलाते थे, तुम बताओगे हमें आस्था। रामनवमी पर दंगा करवाते थे, कावड़ यात्रा पर प्रतिबंध लगाते थे। कांग्रेस ने देश को लूटा ही नहीं था, बल्कि नोचा था। सरकार ने पहले दिन कहा था कि दूध का दूध पानी का पानी होगा। मैं फिर कहता हूं कि रामभक्तों की अग्निपरीक्षा मत लो, उनकी आस्था के साथ खिलवाड़ मत करो, प्रमाण है तो एसआईटी को सबूत पेश करो।

देसी भी कर रहे थे तैयार, छापे में फटी रह गई पुलिस की आंखें

स्वर्ण खबर डेस्क

इंदौर। पॉश और सुरक्षित माने जाने वाले तुलसी नगर क्षेत्र में आबकारी विभाग ने अवैध शराब निर्माण के एक बड़े मामले का खुलासा किया है। विभाग की टीम ने तीन मंजिला मकान पर छापा मारकर वहां संचालित हो रही अवैध शराब फैक्ट्री का पर्दाफाश किया। कार्रवाई के दौरान 144 बल्क लीटर देसी शराब, हजारों नकली लेबल और होलोग्राम समेत शराब निर्माण और पैकेजिंग में इस्तेमाल होने वाली बड़ी मात्रा में सामग्री जब्त की गई है। इसके तार अंतरराज्यीय शराब तस्करी नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका भी जताई जा रही है।

संदिग्ध गतिविधियों की मिली थी सूचना

जानकारी के अनुसार आबकारी विभाग को तुलसी नगर क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली थी। सूचना के बाद विभाग की टीम ने करीब तीन दिनों तक सिविल ड्रेस में इलाके की निगरानी की उसके बाद ने योजनाबद्ध तरीके से भवन पर दबिश दी।

मकान के अंदर शराब की फैक्ट्री मिली

छापेमारी के दौरान टीम को मकान के भीतर पूरी तरह से तैयार अवैध शराब निर्माण यूनिट मिली। यहां शराब तैयार करने से लेकर उसकी पैकेजिंग तक का काम किया जा रहा था। कार्रवाई में 16 पेटियों में भरी 144 बल्क लीटर देसी शराब जब्त की गई। इसके अलावा भारी मात्रा में स्प्रिट, कैरेमल, पैकिंग सामग्री, विभिन्न ब्रांडों के हजारों डुप्लीकेट लेबल, नकली होलोग्राम, शराब की बोतलों के ढक्कन, कार्टून, दो बड़ी ब्लेंडर मशीनें और अन्य उपकरण भी बरामद किए गए। विभाग ने पूरे परिसर को सील कर दिया है। जांच के दौरान अधिकारियों को मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों में बिकने वाली शराब के लेबलों के साथ-साथ राजस्थान में प्रचलित कई ब्रांडों के लेबल, होलोग्राम और पैकेजिंग सामग्री भी मिली है। इससे यह आशंका हुई है कि यह गिरोह केवल इंदौर तक सीमित नहीं था बल्कि दूसरे राज्यों तक भी इसका नेटवर्क फैला हुआ हो सकता है। आबकारी विभाग अब इस पूरे नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ने में जुटा है और यह पता लगाने का प्रयास कर रहा है कि नकली शराब किन-किन इलाकों में सप्लाई की जा रही थी।

तेरहवीं के बाद जिंदा लौटे गिरधर की कहानी में ट्विस्ट, डेरा सच्चा सौदा के आश्रम में रहा! मां की याद आई तो लौटा घर

स्वर्ण खबर डेस्क

गाजियाबाद। जेल से छूटने के बाद लापता हुए व्यक्ति के मसूरी नहर में मिले शव को बेटे के रूप में पहचान कर मां ने अंतिम संस्कार कर दिया। सीआईएसएफ के जवान सहित 7 लोगों के खिलाफ हत्या का आरोप लगाते हुए केस भी दर्ज करा दिया। इधर, पुलिस आरोपियों की धरपकड़ में लगी हुई थी। तीन लोगों को हिरासत में भी लिया गया। परिजनों का आरोप है कि हिरासत में लेने के बाद तीनों का पता नहीं चल रहा कि पुलिस ने कहां रखा है। इधर, परिजनों ने 24 जून को उसकी तेरहवीं भी कर दी और अगले ही दिन व्यक्ति घर वापस आ गया। कथित मृतक के वापस आने से उनकी हत्या के 7 आरोपियों ने राहत की सांस ली है और गिरधर और उनके परिवार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वहीं, पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि नाहल झाल से मिला शव आखिर किसका था। इसके साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि किन परिस्थितियों में शव की पहचान गिरधर के रूप में हुई और जांच में कहां चूक हुई। वहीं, जिन लोगों के खिलाफ अपहरण और हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई थी उसे समाप्त कर आरोपियों को आरोप मुक्त करने के लिए भी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने गिरधर का भी बयान दर्ज किया है। उसने बताया कि वह जेल से

छूटने के बाद पंजाब में डेरा सच्चा सौदा के आश्रम में चला गया था। उसने आगे बताया कि मां की याद आई, तो 24 को पंजाब से बस पकड़ी और 25 को आनंद विहार पहुंचा। कथित मृतक के घर वापस आने के बाद अब पुलिस की जांच पर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस ने शव का डीएनए नहीं कराया और परिजनों के कहने पर मान लिया कि शव गिरधर का है। इस मामले को लेकर डीएसपी बोले कि केस समाप्त कर फर्जी एफआईआर दर्ज कराने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही अब यह भी सवाल उठ रहा है कि आखिर नाहल झाल में मिला शव किसका था। गिरधर से पूछताछ के लिए पुलिस टीम को भेजा था। हत्या के मुकदमे को भी खत्म करने की कार्रवाई की जा रही है। फर्जी मुकदमा दर्ज करवाने के मामले में भी कार्रवाई की जाएगी। झाल में से जो शव मिला था वह किसका था, इसके लिए टीमों को लगाया गया है। वैशाली सेक्टर-5 की कल्पना सोसायटी में गिरधर बिष्ट अपनी मां देवकी देवी के साथ रहते हैं। परिजन उन्हें मानसिक रूप से कमजोर बता रहे हैं। 16 मई को सोसायटी के गेट पर स्थित ऑटो मोबाइल की दुकान चलाने वाले 3 भाइयों सुनील, शैलेश और धर्मेंद्र से उनका विवाद हो गया था। गिरधर ने शैलेश के सिर पर हथौड़े से हमला कर दिया था। इस पर पुलिस ने 17 मई को गिरधर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। 21 मई को गिरधर को निजी मुचलके पर जेल से रिहा कर दिया गया था.

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (शुक्रवार)
26 जून 2026

अयोध्या में बोले केजरीवाल, चंदा चोरी में FIR दिखावा, बड़े लोगों को बचाने की कोशिश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शुक्रवार को अयोध्या पहुंचे, जहां उन्होंने भव्य राम मंदिर में रामलला के दर्शन-पूजन किए. दर्शन के बाद मीडिया से बात करते हुए केजरीवाल ने मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला. उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले में दर्ज की गई FIR महज एक दिखावा और छलावा है अरविंद केजरीवाल ने घोटाले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा, 'इतने बड़े घोटाले को इतने लंबे समय तक केवल जूनियर स्तर के कर्मचारी अकेले अंजाम नहीं दे सकते थे. यह पूरी तरह से साफ है कि इस भ्रष्टाचार की कड़ियां और तार बहुत ऊपर तक जुड़े हुए हैं. इस मामले में असली प्रभावशाली लोगों को बचाने की कोशिश की जा रही है, जबकि पूरा दोष निचले स्तर के कर्मचारियों के सिर मढ़ा जा रहा है. भगवान राम के दरबार में न्याय की गुहार लगाने की बात कहते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने आगे कहा, 'हमने भगवान राम के दर्शन किए और मंदिर में हुए इस इतने बड़े घोटाले को लेकर प्रभु से प्रार्थना की है, जिन्होंने भी यह पाप किया है और आस्था के साथ खिलवाड़ किया है, उन्हें भगवान राम कठोर से कठोर सजा दें. केजरीवाल के साथ आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी मौजूद थे, बता दें कि एक दिन पहले ही संजय सिंह लखनऊ पहुंचे थे, उन्होंने आरोप लगाया है कि ट्रस्ट ने जमीनों की खरीद में भी भेदभाव किया है. उनका कहना है कि राम मंदिर के पास की जमीने सस्ते दामों में खरीदा गया और जो ज़मीनें दूर थीं उन्हें महंगे दामों पर खरीदा गया. उनका आरोप है कि ट्रस्ट के करीबियों को फायदा पहुंचाया गया है. केजरीवाल राम मंदिर में हुए चढ़ावा चोरी के मामले में लगातार सरकार पर हमला बोल रहे हैं, उन्होंने एक दिन पहले ही एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा- 'चंपत राय ने PM को हिसाब देने से मना कर दिया. इतनी हिम्मत कैसे हो गई चंपत राय की. ऐसे क्या राज जानते हैं चंपत राय कि PM भी उनके सामने मजबूर हैं?

दिल्ली में आधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे सीएम श्री स्कूल, CM रेखा गुप्ता ने 265 करोड़ के फंड को दी मंजूरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के 75 सीएम श्री स्कूलों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने के साथ सरकार ने उसका चेहरा बदलने का भी फैसला किया है। सीएम रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में एक्सपेंडिचर एंड फाइनेंस कमिटी (ईएफसी) की बैठक में इसके लिए करीब 264.90 लाख रुपये की मंजूरी दे दी है। इंफ्रास्ट्रक्चर स्तर पर सुधार के साथ सीसीटीवी कैमरे आधुनिक सभागार, विज्ञान एवं आईटी पार्क और विशेष कैटिगरी के बच्चों के लिए खास सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएगी। सीएम रेखा गुप्ता के साथ शिक्षा मंत्री आशीष सूद, पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह भी इस बैठक में मौजूद रहे। यह पूरा काम अगले साल के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

सीएम रेखा गुप्ता ने क्या कहा?

सीएम ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल स्कूल भवनों की मरम्मत कराना नहीं, बल्कि ऐसा शिक्षण वातावरण तैयार करना है, जहां विद्यार्थियों को सुरक्षित, स्वच्छ, आधुनिक परिसर मिले। इस योजना के अंतर्गत स्कूलों के प्रवेश द्वारों का आधुनिक स्वरूप में निर्माण और सौंदर्याकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत सीएम श्री स्कूलों की जर्जर इमारतों की समस्या दूर करना, वॉटरप्रूफिंग, बाहरी पेंटिंग, नया प्लास्टर, बाउंड्री वॉल एवं फेंसिंग का निर्माण व मरम्मत, टॉयलेट, पानी की व्यवस्था, सीवर एवं ड्रेनेज व्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ-साथ खेल सुविधाओं का विकास, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, मल्टीपरपज हॉल विकसित किए जाएंगे।

दोस्ती, नशीली फ्रूटी और फिर लूट... ISBT पर यात्रियों को निशाना बनाने वाला गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के कश्मीरी गेट अंतरराज्यीय बस अड्डे पर यात्रियों को नशीली फ्रूटी पिलाकर लूटने वाले एक शातिर बदमाश को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया है. पुलिस के मुताबिक, आरोपी पिछले कई साल से इसी तरीके से वारदातों को अंजाम दे रहा था. सीसीटीवी फुटेज और फेस रिकॉग्निशन सिस्टम की मदद से उसकी पहचान कर गिरफ्तारी की गई. आरोपी के पास से नशीली गोलियां, फ्रूटी के पैक और चोरी का सामान भी बरामद हुआ है. आरोपी की पहचान फिलिप उर्फ विक्की के रूप में हुई है. आरोपी बस अड्डों पर दूसरे राज्यों से आए यात्रियों से दोस्ती करता था और फ्रूटी में नशीली गोलियां मिलाकर पिलाता था, जिससे पीड़ित बेहोश हो जाता था. दिल्ली पुलिस ने CCTV फुटेज और FRS यानी फेस रिकॉग्निशन सिस्टम की मदद से आरोपी की पहचान की. आरोपी के पास से 4 फ्रूटी टेट्रा पैक, 30 लोराजेपाम की गोलियां, चोरी का पर्स, घड़ी और वारदात के समय पहने कपड़े बरामद किए गए. जांच में सामने आया कि आरोपी पिछले 21 साल से इसी तरीके से वारदात करता आ रहा था. उसके खिलाफ दिल्ली के अलग-अलग थानों में पहले से भी ऐसे 4 मामले दर्ज हैं. पुलिस आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगा रही है कि वह अब तक किन-किन लोगों को अपना शिकार बना चुका है.

मोदी मंत्रिमंडल फेरबदलः महाराष्ट्र से किसकी एंट्री? ऑपरेशन टाइगर के बाद श्रीकांत शिंदे समेत चर्चा में पांच नाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र में सफल 'ऑपरेशन टाइगर' का असर केंद्रीय मंत्रिमंडल के फेरबदल में देखने को मिल सकता है। उद्धव ठाकरे के छह सांसदों के एकनाथ शिंदे के साथ आने पार्टी शिवसेना की ताकत बढ़ गई है। चर्चा है कि एक कैबिनेट बर्थ शिवसेना को मिल सकती है। मंत्री पद के लिए शिंदे के बेटे डॉ. श्रीकांत शिंदे के साथ धाराशिव से सांसद ओम राजे निंबालकर का नाम भी चल रहा है। अगर ऐसा होता है तो सुनेत्रा पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से भी कोई मंत्री बन सकती है। जब पीएम नरेंद्र मोदी ने शपथ ली थी तब प्रफुल्ल पटेल का नाम सामने आया था लेकिन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ऑफर किए जाने पर बात अटक गई थी। अब देखना है कि एनसीपी को मंत्रिमंडल में जगह मिली है या फिर नहीं। चर्चा है कि पीएम मोदी 28 या 29 जून को मंत्रिमंडल में फेरबदल और विस्तार कर सकते हैं।

महाराष्ट्र से अभी कौन-कौन हैं मंत्री

नितिन गडकरी (बीजेपी): नागपुर से सांसद और कैबिनेट मंत्री

पीयूष गोयल (बीजेपी): मुंबई उत्तर से सांसद और कैबिनेट मंत्री

कैबिनेट मंत्री

प्रतापराव जाधव (शिवसेना): बुलढाणा से सांसद और राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

रक्षा खडसे (बीजेपी): रावेर से सांसद और राज्य मंत्री

मुरलीधर मोहोल (बीजेपी): पुणे से सांसद और राज्य मंत्री

रामदास अठावले (आरपीआई-ए): राज्यसभा सांसद और राज्य मंत्री

बीजेपी के चार और सहयोगी के दो मंत्री

अभी महाराष्ट्र से कुल छह नेता केंद्र में मंत्री हैं। इनमें चार मंत्री बीजेपी और दो एनडीए के सहयोगियों के पास हैं। इनमें एक मंत्री पद एकनाथ शिंदे की शिवसेना और एक मंत्री पर आरपीआई-ए के पास है। केंद्रीय मंत्रिमंडल का फेरबदल 28 या 29 जून को होने की चर्चा है। महाराष्ट्र से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता प्रफुल्ल पटेल के मंत्री बनने की संभवना है। वह अभी राज्यसभा के सदस्य है और पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष है। अगर वे मंत्री नहीं बनते हैं तो दूसरी नाम सुनील तटकरे का है। मुंबई नॉर्थ से सांसद संजय दीना पाटिल का भी नाम चर्चा में है लेकिन हाल ही में पत्रकारों को धमकी के मामले ने उनकी छवि बिगाड़ी है। नागपुर संघ मुख्यालय के सूत्रों का दावा है फेरबदल में मंत्रियों की औसत आयु घटेगी। मोदी का नया मंत्रिमंडल अधिक युवा होगा। ऐसे में कम उम्र के सांसदों की लॉटरी लगने के चांस अधिक हैं। महाराष्ट्र की राजनैतिक ताकत महाराष्ट्र में लोकसभा की कुल 48 सीटें हैं, जिनमें से बीजेपी के पास 9 सीटें हैं। महाराष्ट्र के कोटे से राज्यसभा की कुल 19 सीटें हैं। जिनमें से बीजेपी के पास 8 सीटें हैं।

उत्तर प्रदेश और बिहार के बाद महाराष्ट्र में सर्वाधिक लोकसभा सीटें हैं।

बदला सकता है प्रतापराव जाधव पोर्टफोलियो केंद्रीय मंत्रिमंडल में होने वाले संभावित फेरबदल को लेकर महाराष्ट्र से शिवसेना (शिंदे गुट) के कोटे से राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव की कुर्सी या उनके मौजूदा पोर्टफोलियो में बदलाव की सबसे अधिक चर्चा है। प्रतापराव जाधव पास वर्तमान में आयुष मंत्रालय के साथ-साथ स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री का प्रभार है। राजनैतिक चर्चाओं के मुताबिक, फेरबदल के दौरान उनसे स्वास्थ्य मंत्रालय का प्रभार वापस लिया जा सकता है। हालांकि उनके पास आयुष मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार बरकरार रहने की उम्मीद है। हालांकि राजनीतिक हल्कों में चर्चा है कि एनडीए में छह सांसद लाने के लिए शिवसेना को इनाम मिल सकता है। सांसद श्रीकांत शिंदे को कैबिनेट में जगह मिल सकती है। शिवसेना सांसद प्रताप राव जाधव से स्वास्थ्य राज्य मंत्री का पद छीना जा सकता है और यह पद किसी और को मिल सकता है।

एकनाथ शिंदे मेरे अच्छे दोस्त थे, उन्होंने...ऑपरेशन टाइटर के बाद उद्धव के करीबी संजय राउत का बड़ा दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र में 'ऑपरेशन टाइगर' के बाद राज्य की राजनीति गरमाई हुई है। मुंबई में बागी संजय दीना पाटिल के इलाके का दौरा करने के बाद अब उद्धव ठाकरे अन्य सांसदों के क्षेत्रों में जाएंगे। इस बीच उद्धव ठाकरे के करीबी और राज्य सभा सांसद संजय राउत ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि शिंदे कभी मेरे अच्छे दोस्त थे और उन्होंने मुझसे भी पार्टी छोड़ने के लिए संपर्क करने की कोशिश की थी, लेकिन मैं पार्टी के प्रति वफादार रहा। मैंने उन्हें पार्टी तोड़ने से रोकने की कोशिश की, लेकिन श्वष्ठ और CBI के डर से शिंदे पार्टी छोड़कर चले गए। मैं पार्टी के प्रति वफादार हूं। बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा और उद्धव ठाकरे की विचारधारा के प्रति।

संजय राउत बोले, मैं वफादार हूं

संजय राउत से पूछा गया कि पार्टी के नेता बार-बार उन पर ही आरोप क्यों लगाते हैं, तो शिवसेना के सांसद संजय राउत ने कहा कि ऐसा इसलिए है क्योंकि मैं पार्टी के प्रति वफादार हूं। राउत ने दावा किया है कि एकनाथ शिंदे ने उन्हें भी तोड़ने के लिए

संपर्क करने की कोशिश की थी, लेकिन मैं नहीं गया। राउत ने एक बार फिर से बागियों पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि ये सांसद खुद ही ऑक्शन (बोली लगवाने को) को खड़े हो गए। जनता हमारे साथ है। राउत ने दावा किया है वोटर और शिवसैनिक उनके साथ नहीं गए हैं।

राम मंदिर चंदे में हेराफेरी पर बरसे राउत

संजय राउत ने अयोध्या राम मंदिर चंदे में कथित हेराफेरी के मामले में 8 लोगों के खिलाफ FIR दर्ज होने पर हमला बोला है। शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा कि मुख्य दोषी (चंपत राय) अभी भी ट्रस्ट में काम कर रहे हैं। जो लोग खुद को 'हिंदुत्ववादी' मानते हैं, वे मंदिर से करोड़ों रुपये चुराते हैं और यह पैसा राजनीति में आता है, जहाँ आप इसका इस्तेमाल सांसदों को खरीदने और राजनीतिक पार्टियों को तोड़ने के लिए करते हैं। आपने राम मंदिर से चुराए गए 2000 करोड़ रुपये का इस्तेमाल टीएमसी और शिवसेना (यूबीटी) के सांसदों को तोड़ने के लिए किया।

दिल्ली में झमाझम बारिश के साथ होगा जुलाई का आगाज, IMD ने जारी किया अलर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। जुलाई की शुरुआत बारिश से होगी। तापमान में भी जुलाई से कमी आएगी। हालांकि अब जून के बचे हुए दिनों में बारिश होगी, लेकिन इसके बावजूद नमी भरी गर्मी रहेगी। गुरुवार को दिन में एक-दो बार काले घने बादल भी छाए। हल्की आंधी चली। साथ ही कुछ जगहों पर बूंदाबांदी हुई। दोपहर 2:30 बजे से शाम चार बजे के बीच कई जगहों पर आंधी आई।

तेज रफ्तार से चलीं हवाएं

दिल्ली में आंधी के दौरान पालम में हवाओं की गति 40 किमी प्रति घंटे, पूसा में 41 किमी प्रति घंटे, पीतमपुरा और छतरपुर में 28 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चली। वहीं सुबह साढ़े आठ से शाम साढ़े पांच बजे तक आया नगर में 9.2 एमएम, पीतमपुरा में 1 एमएम बारिश हुई। दिल्ली (सफदरजंग) में अधिकतम तापमान 38.8 डिग्री रहा। यह सामान्य से 1.6 डिग्री अधिक रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री रहा। यह सामान्य से 2.7 डिग्री कम रहा । पालम में अधिकतम तापमान 39.5 डिग्री, लोदी रोड में 38.6, रिज में 40.1 और आया नगर में 37.3 डिग्री रहा।

अब 30 जून तक रोज आंधी-बारिश

पूर्वानुमान के अनुसार 26 जून को आंधी और बारिश रहेगी। अधिकतम तापमान 40 और न्यूनतम 26 डिग्री रहा। वहीं 27 से 30 जून तक बारिश और आंधी रोज आएगी। अधिकतम तापमान 38 से 40 डिग्री और न्यूनतम 26 से 27 डिग्री तक रह सकता है। जुलाई की शुरुआत थोड़ी कूल रहेगी। प्री-मॉनसून गतिविधियां बढ़ सकती हैं। एक जुलाई को भी बारिश होगी। अधिकतम तापमान 36 और तापमान 25 डिग्री रह सकता है।

गे-डेटिंग ऐप पर हुई दोस्ती, लिफ्ट के बहाने बिछा जाल

नागपुर में ऐसे चलता था किडनैपिंग और लूट का खेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। डेटिंग ऐप पर चैट हुई. कुछ दिनों में दोस्ती हुई. मिलने का प्लान बना. लेकिन सामने वाला दोस्त नहीं, एक पूरा गैंग निकला. महाराष्ट्र के नागपुर में पुलिस ने ऐसे गिरोह का खुलासा किया है, जो कथित तौर पर गे-डेटिंग ऐप के जरिए युवकों को निशाना बनाता था. आरोप है कि पहले विश्वास में लिया, फिर लिफ्ट मांगकर या मिलने के बहाने बुलाकर अपहरण किया जाता. और आखिर में एटीएम कार्ड से पैसे तक निकलवा लिए जाते. अब पांच आरोपी पुलिस की गिरफ्त में हैं. ऑनलाइन डेटिंग ऐप्स पर दोस्ती अब नई बात नहीं है. लेकिन नागपुर जो कहानी सामने आई, उसमें लूट की घटना के लिए एक गैंग डेटिंग एप का इस्तेमाल कर रहा था. नागपुर पुलिस का कहना है कि पांच लोगों का एक गैंग गे-डेटिंग ऐप पर फर्जी आईडी के जरिए युवकों से संपर्क करता था. पहले कई दिनों तक बातचीत होती, भरोसा बनाया जाता और फिर मिलने का समय तय होता. इसके बाद साजिश का खेल शुरू होता था. पुलिस के मुताबिक, 22 जून की रात एक डिलीवरी बॉय काम खत्म कर अपनी

एक्टिवा से घर लौट रहा था. मांकापुर चौक के पास एक युवक ने उससे लिफ्ट मांगी. मदद के इरादे से उसने उसे स्कूटी पर बैठा लिया. कुछ ही दूरी पर पहुंचते ही बाकी साथी भी वहां आ गए. आरोप है कि सभी ने मिलकर युवक का अपहरण कर लिया. उसका मोबाइल, बाइक की चाबी और एटीएम कार्ड छीन लिया गया. इसके बाद उसे अलग-अलग जगहों पर ले जाकर लगातार धमकाया गया. पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने पीड़ित के परिचितों को फोन कर अलग-अलग बहाने बनाए और उसके खाते में पैसे डलवा दिए. दोस्तों और जान-पहचान के लोगों ने करीब 90 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए. फिर उसी एटीएम कार्ड से पूरी रकम निकाल ली गई.इस घटना की शिकायत मिली तो पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की. मांकापुर पुलिस ने तीन टीमें बनाई. घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए. तकनीकी सर्विलांस और मुखबिरों की मदद से पुलिस पांचों आरोपियों तक पहुंच गई. गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद शेख जाकिर, कुणाल मांद्रे, सुल्तान अली सैयद, फरहान फैजान खान और शिजान शेख फकरुद्दीन के रूप में हुई है. पुलिस अब आरोपियों के मोबाइल फोन, चैट हिस्ट्री और डिजिटल रिकॉर्ड खंगाल रही है, ताकि पता लगाया जा सके कि क्या इसी तरीके से दूसरे लोगों को भी निशाना बनाया गया था. फिलहाल पांचों आरोपी गिरफ्तार हैं. पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने में जुटी है कि इस कथित नेटवर्क का दायरा कितना बड़ा था.

दिल्ली में इस गर्मी ब्रांडेड बीयर की भयंकर डिमांड, पिछले साल के मुकाबले बिकी दोगुनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के आबकारी विभाग द्वारा बियर, शराब की ब्रैंड पुशिंग की नीति का फायदा दिखने लगा है। दिल्ली में शराब की बिक्री में बढ़ोतरी हुई है, जिसके चलते मौजूदा वित्तीय वर्ष 2026-27 के पहले दो महीने में रेवेन्यू में 17' का इजाफा हुआ है। बियर के नेशनवाइड पॉपुलर बियर बैंड की बिक्री भी दोगुनी हो चुकी है।

दो महीने में 885 करोड़

आबकारी विभाग से मिले आंकड़ों के मुताबिक पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 में पहले दो महीने (अप्रैल- मई) में शराब की बिक्री से कुल 885 करोड़ का रेवेन्यू मिला था, जो मौजूदा वित्तीय वर्ष में इसी दौरान बढ़कर 1038 करोड़ रुपये हो गया है। सरकार ने पिछले वित्तीय वर्ष में शराब की बिक्री से कुल वास्तविक रेवेन्यू 7148 करोड़ रुपये रखा था, जो इस साल बढ़ाकर 7200 करोड़ रुपये कर दिया है। सरकार का कहना है कि ब्रेड पुशिंग के चलते शराब व बियर की बिक्री में इजाफा हुआ है।

इधर, सस्ती बीयर की डिमांड घटी

अधिकारी के मुताबिक गर्मियों के दौरान बियर की बिक्री बढ़ जाती है। इसलिए हमने नेशन वाइज पॉपुलर बियर बैंड की पुशिंग 24' से बढ़ाकर 54' कर दी है। इससे बिक्री पर असर पड़ा है। पिछले साल मई 2025 में पॉपुलर ब्रैंड की बियर की बिक्री 2,47,143 थी, जो इस साल बढ़कर 5,96,351 हो गई है। इससे कम पॉपुलर ब्रेड की बिक्री जो 2025 में कुल बिक्री का 76' था, वह घटकर 46 फीसदी पर आ गई है। अधिकारियों के मुताबिक दिल्ली में आबकारी विभाग ने सभी चार निगमों को ब्रांड पुशिंग को लेकर लगातार दबाव बनाया। इसके अलावा ब्रांडेड शराब की बिक्री को लेकर निगरानी भी बढ़ाई। उसकी नतीजा है कि दिल्ली के जो लोग अच्छी बियर व शराब के लिए दिल्ली की सीमा से सटे दूसरे राज्यों में जाते थे, उन्होंने दिल्ली में ही खरीदारी की। इससे बियर की बिक्री बढ़ी

केतन अग्रवाल हत्याकांडः फास्ट ट्रैक कोर्ट में होगी सुनवाई, पीड़ित पिता से CM फडणवीस की मुलाकात

केतन अग्रवाल हत्याकांड पर मृतक के पिता ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की. सरकार ने निर्देश दिया है कि मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में होगी.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र । लोनावला ग्रामीण इलाके में केतन अग्रवाल की हत्या के मामले में उनके पिता विशाल अग्रवाल ने पुणे में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर बेटे के लिए न्याय की मांग की है. मुख्यमंत्री ने दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने का भरोसा दिया और मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराने के साथ-साथ सीनियर एडवोकेट उज्ज्वल निकम को विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करने की मांग भी तत्काल स्वीकार कर ली.महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ऑफिस से किए गए सोशल मीडिया पोस्ट में कहा गया, 'लोनावला के ग्रामीण इलाके में केतन अग्रवाल की दुखद हत्या के मामले में केतन अग्रवाल के पिता विशाल अग्रवाल ने आज पुणे में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की और अपने बेटे के लिए न्याय की मांग की. हम यह पक्का करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि इस मामले में दोषियों को सबसे कड़ी सज़ा मिले. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उन्हें भरोसा दिलाया कि परिवार को न्याय दिलाने में कोई कसर नहीं

छोड़ी जाएगी. ' पोस्ट में आगे कहा गया है कि इस मामले में फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने और उज्ज्वल निकम को स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर नियुक्त करने की उनकी मांग को भी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने तुरंत मान लिया और कानून एवं न्याय विभाग के सचिव को इस बारे में निर्देश जारी किए. सीनियर एडवोकेट उज्ज्वल निकम ने भी इस मामले में स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर के तौर पर काम करने के लिए अपनी सहमति दे दी है. महाराष्ट्र के पुणे के 26 साल के कारोबारी केतन अग्रवाल की 18 जून 2026 को लोहागढ़ किले पर ट्रेकिंग के दौरान गहरी खाई में गिरने से मौत हो गई थी. शुरुआत में इसे हादसा माना गया, लेकिन पुलिस जांच में मामला कथित हत्या की साजिश में बदल गया. केतन की सगाई सिया गोयल से हुई थी और दोनों की शादी नवंबर 2026 में होनी थी. पुलिस के मुताबिक, सिया गोयल का चेतन चौधरी से प्रेम संबंध था और दोनों ने परिवार की बदनामी से बचने के लिए भागने के बजाय केतन को रास्ते से हटाने की कथित साजिश रची. जांच में सामने आया कि 18 जून को सिया केतन को लोहागढ़ किले लेकर गई, जबकि चेतन पहले से वहां मौजूद था. पुलिस का दावा है कि सिया ने इशारा किया, जिसके बाद चेतन ने केतन को खाई में धक्का दे दिया. घटना के बाद इसे हादसा बताने की कोशिश की गई. पुलिस के मुताबिक, यह पहली कोशिश नहीं थी. इससे पहले भी दोनों ने कई बार केतन की हत्या की योजना बनाई थी. एक बार सिया ने कथित तौर पर केतन को खाई की ओर धक्का दिया, लेकिन वह झाड़ियों का सहारा लेकर बच गया.

जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। माननीय अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजनांदगांव श्री विजय कुमार होता के निर्देशानुसार एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनंदगांव निलेश जगदला के नेतृत्व में तालुक विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष /न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी छुईखदान श्री ईशान व्यास के मार्गदर्शन में पी.एल.व्ही श्री सनील कुमार द्वारा छिंदारी बांध रोड छुईखदान के पास उपस्थित ग्रामीणों को बताया गया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचता है, बल्कि उसके भविष्य, परिवार और सामाजिक जीवन पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने लोगों से किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि अभिभावकों की जिम्मेदारी है कि वह अपने बच्चों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक करें और उन्हें गलत संगति से बचाए। उन्होंने कहा कि युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करके ही नशा मुक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है। नशे के खिलाफ लड़ाई में समाज की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है और जागरूकता ही इस समस्या से निपटने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उपस्थित ग्रामीणो को निशुल्क विधिक सहायता के बारे में जानकारी दिया गया ।पी.एल.व्ही श्री सनील कुमार द्वारा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित बहुत सारे योजनाओं जैसे की नालसा (तस्करी और वाणिज्य यौन शोषण पीड़ितों के लिए विधिक सेवा) योजना 2015, एसिड हमले के पीड़ितों के लिए विधिक सेवा)योजना 2016 , इत्यादि के संबंध में जानकारी दिया तथा अगामी नेशनल लोक अदालत दिनांक 12 सितंबर 2026 को आयोजन किया जाएगा जिसमें राजीनामा योगय के मामले को अपने प्रकरण का जल्द से जल्द निराकरण कर सकते हैं

जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। माननीय अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजनांदगांव श्री विजय कुमार होता के निर्देशानुसार एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनंदगांव निलेश जगदला के नेतृत्व में तालुक विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष /न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी छुईखदान श्री ईशान व्यास के मार्गदर्शन में पी.एल.व्ही श्री सनील कुमार द्वारा छिंदारी बांध रोड छुईखदान के पास उपस्थित ग्रामीणों को बताया गया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचता है, बल्कि उसके भविष्य, परिवार और सामाजिक जीवन पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने लोगों से किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि अभिभावकों की जिम्मेदारी है कि वह अपने बच्चों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक करें और उन्हें गलत संगति से बचाए। उन्होंने कहा कि युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करके ही नशा मुक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है। नशे के खिलाफ लड़ाई में समाज की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है और जागरूकता ही इस समस्या से निपटने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उपस्थित ग्रामीणो को निशुल्क विधिक सहायता के बारे में जानकारी दिया गया ।पी.एल.व्ही श्री सनील कुमार द्वारा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित बहुत सारे योजनाओं जैसे की नालसा (तस्करी और वाणिज्य यौन शोषण पीड़ितों के लिए विधिक सेवा) योजना 2015, एसिड हमले के पीड़ितों के लिए विधिक सेवा)योजना 2016 , इत्यादि के संबंध में जानकारी दिया तथा अगामी नेशनल लोक अदालत दिनांक 12 सितंबर 2026 को आयोजन किया जाएगा जिसमें राजीनामा योगय के मामले को आपसी राजीनामा तथा भाईचारा से अपने प्रकरण का जल्द से जल्द निराकरण कर सकते हैं जिसमें ना किसी की जीत और ना किसी के हर होती हैं। किसी भी व्यक्ति को निशुल्क कानूनी सालहा लेनी है तो नालसा की हेल्पलाइन नंबर 15100 मे फोन करके जानकारी ले सकते हैं । थाना छुईखदान के प्रधान आरक्षक 69 अख्तर बेग मिर्जा के द्वारा उपस्थित ग्रामीणों को साइबर सुरक्षा के बारे में जानकारी दिया गया जिसमें साइबर अपराध से बचाव हेतु सावधानियां क्या करें क्या ना करें। किसी भी प्रकार के लॉटरी,इनाम, कैशबैक, आदि ऑफर्स से सावधान रहें वर्तमान में हो रहे साइबर फ्रॉड से हमें हमेशा सतर्क रहना चाहिए

IKDRC का महाघोटाला: बैंक खातों में सड़ रहा है करोड़ों का पीएम फंड, फिर भी जांच के नाम पर गरीब मरीजों से वसूला जा रहा है कैश!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद के प्रतिष्ठित 'किडनी डिजीज एंड रिसर्च सेंटर'और 'डॉ. एच.एल. त्रिवेदी इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रांसप्लांटेशन साइंसेज' में इंसानियत को शर्मसार करने वाली एक बहुत बड़ी वित्तीय अनियमितता का पर्दाफाश हुआ है। देश के सर्वोच्च सरकारी ऑडिट विभाग यानी नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट और किडनी डायलिसिस एंड ट्रांसप्लांट फाउंडेशन द्वारा जुटाए गए अकाट्य सबूतों ने अस्पताल प्रबंधन के संवेदनहीन चेहरे को पूरी तरह बेनकाब कर दिया है।

चौंकाने वाला सच यह है कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से गरीब मरीजों के ट्रांसप्लांट के लिए स्वीकृत लाखों रुपये अस्पताल के खाते में जमा हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद इन लाचार मरीजों से जरूरी जांचों और ब्लड रिपोर्ट्स के नाम पर अवैध रूप से नकद (कैश) वसूला जा रहा है।

केस 1: 21 साल की बेटी से जमा फंड के बाद भी ऐंठे पैसे

एक 21 वर्ष की युवती को उसकी किडनी ट्रांसप्लांट के लिए प्रधानमंत्री राहत कोष से ?3,00,000/- (तीन लाख रुपये) की भारी-भरकम सहायता राशि मंजूर हुई थी। यह पूरी रकम अस्पताल के खाते में पहले ही क्रेडिट हो चुकी थी। इसके बावजूद अस्पताल प्रशासन ने CBC, ब्लड कल्चर, HIV, HCV और HBsAg जैसी अनिवार्य जांचों के लिए उस गरीब परिवार से 4,540/- नगद वसूल लिए। अभी ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया जारी है और ऑपरेशन की तारीख आने तक इस परिवार से 60 से 80 हजार रुपये और कैश ऐंठने की पूरी तैयारी है।

केस 2: 'जितने धक्के खाने हैं खाओ, फंड नहीं खुलेगा' – अकाउंट्स विभाग की दादागीरी एक अन्य मरीज का मामला तो अस्पताल की तानाशाही की पराकाष्ठा है। इस मरीज के नाम पर भी ?3 लाख का पीएम फंड अस्पताल के पास जमा था। ट्रांसप्लांट से पहले होने वाले बेहद महत्वपूर्ण टेस्ट Flow Cytometric Crossmatch के लिए उनसे 7,000/- नगद लाने को कहा गया। जब मरीज के रिश्तेदारों ने अकाउंट्स ऑफिस में जाकर हाथ जोड़े और गुहार लगाई कि इस पैसे को हमारे स्वीकृत फंड से ही काट लिया जाए, तो वहां बैठे बाबुओं ने बेहद बदतमीजी से जवाब दिया: 'यह फंड अभी खुलेगा नहीं... डॉक्टर से लिखवा कर लाओ, और डायरेक्टर साहब ने हां कहा तो शायद खुले; बाकी जितने धक्के खाने हैं खाओ, कोई फायदा नहीं होने वाला।

CAG का सरकारी बम: ?30.20 करोड़ पर कुंडली मारकर बैठा है प्रशासन यह कोई एकाध लापरवाही का मामला नहीं, बल्कि अस्पताल की सोची-समझी लूट की क्रूर क्रोनोलॉजी है। सीएजी द्वारा साल 2015 से 2023 तक के खातों की जांच में जो आंकड़े सामने आए हैं, वे

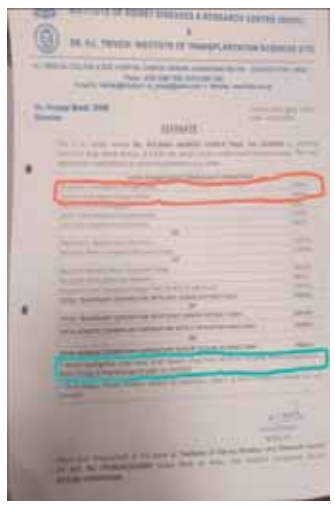

किसी के भी होश उड़ाने के लिए काफी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 20 अक्टूबर 2023 तक इस संस्थान के पास मरीजों के जमा फंड के रूप में ?30.20 करोड़ की भारी-भरकम राशि बिना इस्तेमाल के पड़ी हुई थी। इस राशि में से अकेले16.80 करोड़ रुपये सिर्फ प्रधानमंत्री राहत कोष के थे, जिन्हें अस्पताल प्रबंधन साल 2016 से दबाकर बैठा है। हैरानी की बात यह है कि जिस एस्टीमेट (अनुमानित खर्च) के आधार पर केंद्र सरकार से यह फंड मंजूर होता है, उसमें ओपीडी जांच और खून के सारे टेस्ट का खर्च पहले से शामिल होता है। इसके बावजूद मरीजों से कैश लिया जाता है और सरकार द्वारा भेजा गया पैसा बैंकों में पड़ा रहता है। सीएजी की रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि ट्रांसप्लांट के लिए आई इस राहत राशि का इस्तेमाल नियमों को ताक पर रखकर, ऑपरेशन के बाद के अन्य खर्चों में गलत तरीके से डायवर्ट कर दिया गया। गरीब मरीज ब्याज पर लाते हैं पैसा, यह प्रशासनिक चूक नहीं बल्कि वित्तीय अपराध है: महेश देवानी KDTF के संस्थापक महेश देवानी ने अस्पताल प्रशासन पर सीधा हमला बोलते हुए कहा है कि, यह कोई छोटी-मोटी क्लर्कियल गलती नहीं है, बल्कि करोड़ों रुपये की गंभीर वित्तीय धोखाधड़ी है। बेचारे गरीब मरीज अस्पताल के बिल भरने के लिए बाहर से भारी ब्याज पर कर्ज लेकर कैश का इंतजाम करते हैं, जबकि सरकार का पैसा बैंक खातों में धूल फांक रहा है। पिछले दो सालों से इस गंभीर विषय पर अस्पताल के बड़े अधिकारियों को लगातार सबूतों के साथ पत्र लिखे गए, लेकिन किसी के कान पर जूं तक नहीं रेंगी।

KDTF ने इस पूरे मामले में वर्तमान निदेशक डॉ. प्रांजल मोदी को लिखित शिकायत भेजकर मरीजों से वसूली गई रकम को तुरंत वापस करने और भविष्य में सहायता राशि का सीधे इस्तेमाल सुनिश्चित करने की सख्त मांग की है। मामले की कॉपियां गुजरात स्वास्थ्य विभाग और मुख्यमंत्री कार्यालय को भी भेजी गई हैं ताकि इस संगठित लूट के जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जा सके। महानगर मेट्रो इस खबर पर अपनी नजर बनाए हुए है। देश के सबसे बड़े अस्पताल परिसरों में से एक में चल रहे इस खेल का अंत कब होगा, यह देखना अभी बाकी है।

गाइडलाइन का पालन हो हेमंत वर्मा प्रदेश आईंरा इंटरनेशनल रिपोर्टर एसोसिएशन अध्यक्ष छत्तीसगढ़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ पत्रकारों के अंतरराष्ट्रीय संगठन आईंरा इंटरनेशनल रिपोर्टर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा ने कहा की विगत दिनों राजनांदगांव जिले के सोमनी थाना में जिस तरीके से पीड़िता का नाम और पहचान को उजागर किया गया वह किसी भी दृष्टिकोण से सही नहीं है इस मामले में पुलिस की तरफ से गलती हुई है साथ ही लोकतंत्र के चौथा आधार स्तंभ मीडिया से भी कहीं- न कहीं चुक हुई है इस मामले में बाकायदा सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का हवाला देते हुए पुलिस प्रशासन ने प्रेस विज्ञप्ति जारी किया है इसका हम स्वागत करते हैं दूसरी ओर आईंरा पत्रकार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा ने कहा कि पत्रकारों को लेकर समय-समय पर सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट दिशा निर्देश जारी करती है प्रेस काउंसिल आंफ इंडिया भी पत्रकारों की सुरक्षा और संरक्षण की बात करती है उसके बावजूद भी छत्तीसगढ़ में सुप्रीम कोर्ट की आदेशों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है यहां लगातार फर्जी एफआईआर दर्ज किए जा रहे हैं पत्रकारों के नाम को विलोपित करके मामला दर्ज किया जा रहा है सुप्रीम कोर्ट का स्पष्ट निर्देश है कि किसी भी पत्रकार पर अगर फर्जी एफआईआर होता है तो संबंधित राज्यों के डीजीपी से लेकर आईजी डीआईजी तक जिम्मेदार होंगे लेकिन जहां कहीं भी पत्रकारों का मामला आता है एक कांस्टेबल तक एफआईआर करने से नहीं चुक रहे है यहां खुले तौर पर सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देशों की धज्जियां उड़ाई जा रही रही है इस पर भी कृपया पुलिस प्रशासन एडवाइजरी जारी करने का कष्ट करें ताकि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हनन न हो नहीं इसका चीरहरण हो

सादडी के गौरव गुरु-चरण-सेवी, सरल-स्वभावी एवं धर्म-प्रचारक आचार्य श्री न्याय सूरीश्वरजी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पंजाब। देशोद्धारक न्यायाम्भो-निधि आचार्य महाराज श्री 1008 विजयानंद सूरीश्वरजी (आत्मारामजी म. सा.) के पट्टधर भारत-दिवाकर, अज्ञान तिमिर तरणि, कलिकाल कल्पतरु पंजाब केशरी युगवीर आचार्य महाराज श्री 1008 विजय वल्लभ सूरीश्वरजी महाराज सा. के पट्टधंर शान्तमूर्ति, आचार्य महाराज श्री 1008 विजय संमुद्र सूरीश्वरजी म.सा. के अद्वितीय पट्टधर, अनुयोगाचार्य, पल्लीवाल मूर्ति पूजक जैन श्वेताम्बर उद्बोधक व अनेक प्रतिष्ठा उपधान के संयोजक, आजीवन गुरु-चरण-सेवी, सरल-स्वभावी, धर्म-प्रचारक आचार्य श्री न्याय सूरीश्वरजी म. सा.वल्लभ समुदाय ही नही जिनशासन की शान थे।साधु जीवन के नियमों का कड़ाई से पालन करने की वजह से उन्हें अनुयायी कठोर भी समझते थे।

पूज्य गुरुदेव का जीवन गुरु-भक्ति, गुरु सेवा एवं वीतराग प्रभु के धर्म की प्रभावना हेतु किये गये कार्यों से ओत-प्रोत जीवन के अंतिम समय तक रहा। आपने अपने चित्र अथवा जीवन-चरित्र के प्रकाशन की कभी आकांक्षा नहीं की। लेकिन आपकी प्रतिभा, गुरु महाराज से ली हुई दीक्षा, उसके प्रति रात-दिन की तपस्या, सेवा, स्वभाव की सरलता, मधुरता एवं धर्म के प्रति प्रगाढ़ आस्था, धर्म के प्रचारक महाराज सा. के संबंध में दो शब्द हम लिखें यह हमारा परम कर्त्तव्य व सौभाग्य है।

आचार्य गुरुदेव विजय समुद्र सूरीश्वरजी के द्वारा किये गये धार्मिक क्रिया-कार्यक्रम, प्रतिष्ठा, उपधान एवं साधु-साध्वी के योगोद्धहनादि अनुष्ठानों में रथ के सारथी की तरह आप कर्त्तव्यनिष्ठ रहे। आप अनन्य गुरु-भक्त, गुरु म.सा. के प्रति विनय भाव एवं धार्मिक कार्यों में बिना किसी यश की इच्छा के अपने संकल्पों में सक्रियता से संलग्न रहने वाले थे।

जन्म एवं संस्कार :

आपका जन्म महान व विष्व विख्यात श्री राणकपुर तीर्थ से 10 कि. मी. दूर गोड़वाड की मुख्य नगरी सादड़ी शहर में देवीचंदजी नवलाजी परिवार में माता जतनोबाई की कुक्षी से संवत् 1978 में मूर्ति पूजक औसवाल वंश में बंबोरी-गौत्र के संपन्न परिवार में हुआ। आपके पिता भद्रिक एवं परोपकार,रसिक श्रावक तथा माताजी देय गुरुभक्ति में श्रद्धावान परम श्राधिका थी । माता-पिता ने आपका नाम रतनचन्द रखा। आपको त्याग, तपस्या और धार्मिक-रुचिअपने परिवार से सुसंस्कृत रूप में मिली। आपका सम्पूर्ण परिवार परम्परा से धार्मिक कार्यों में विश्वास रखता हैं। जिस परिवार में परंपरा से धार्मिक रुचि रही हो उस परिवार का कोई भी व्यक्ति उन संस्कारों से वंचित केंसे रह सकता है ? आपको परम्परा से प्राप्त संस्कार जीवन में आगे चलकर विकसित हुवे जिसका लाभ आज भी सारे समाज को मिल रहा है। सारांश यह है कि म. सा. का आज का रूप उनको परिवार से प्राप्त धार्मिक संस्कारों का ही प्रतिफल है।

शिक्षा एवं दिनचर्या :

आपकी शिक्षा आत्मानंद जैन पाठशाला सादड़ी, वरकाणा पार्श्वनाथ जैन विद्यालय एवं मुंबई के मारवाड़ी विद्यालय में संपन्न हुई। आपकी दिनचर्या में जिनेश्वर-देव की पूजा, स्नात्र पूजा, प्रतिक्रमण, तपश्चर्या, गुरु सेया एवं दान आदि मांगलिक कार्य मुख्य रूप से चलते रहे। बचपन से ही आपका स्वभाव सरल, द्या-युक्त एवं धर्म के प्रति आस्थावान था।

विवाह एवं स्वास्थ्य :

युवावस्था में आपके माता-पिता ने आंपकी सगाई निश्चित करदी थी। कुछ दिन पश्चात् अचानक आपका स्वास्थ्य बिगड़ गया । अस्वस्थ्य शरीर और स्वस्थ्य हृदय में एक लहर उठी कि विवाह को त्याग दू और स्वस्थ्य होते ही धर्म-दीक्षा अंगीकारं करू । जो विचार हृदय में उठा था उसको पूर्ण करने में शरीर ने साथ दिया। प्रबल पुण्योदय के प्रभाव से आप शीघ्र ही निरोगी हो गये। उन्हीं दिनों आचार्य देव पंजाब केशरी विजय वल्लभ सूरीश्वरजी म.सा. अपने शिष्यों के साथ गोड़वाड़ के सादड़ी शहर में पधारे ओर चातुर्मास तय हुआ। आचार्यश्री के आगमन से आपके हृदय सागर की लहर को किनारा मिला। जगत की असत्यता, कर्म रूपी रोग को सदा के लिये नष्ट करने की भावना प्रबल हुई। ऐसे अपूर्व अवसर पर जिनेश्वर देव की प्रवज्या अंगीकार करने का आपने संकल्प लिया। संकल्प अपनी राह स्वयं खोज लेता है। इस प्रकार सागर की लहर, लहर को किनारा, किनारे को आचार्यजी का सहारा मिलने पर आपके संकल्प को पूरा करने के लिये आपके माता-पिता ने दीक्षा लेने के लिये आज्ञा प्रदान की।

दीक्षा :

आपने 28 वर्ष की उम्र में भारत दिवाकर, आचार्य श्री 1008 श्री विजय वल्लभ सूरीश्वरजी के सानिध्य में आपके पट्टधर शान्तमूर्ति आचार्य श्री समुद्र सूरीश्वरजी म.सा.के कर कमलों से संवत 2006 मगसर सुंदी 10 को श्री राता महावीर स्वामी तीर्थ से 3 मील दूर बीजापुर-नगर (राजस्थान) में दो मित्रों के साथ दौक्षा ग्रहण की। इस दीक्षा-महोत्सव में अनेक नगरों से आये लगभग 10 हजार जैन श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित थे । भगवान मूलनायक संभवनाथजी के मन्दिर की प्रतिष्ठा एवं दीक्षा महोत्सब दोनों ही संपन्न हुवे ।

गणिपद एवं पन्यासपद :

आपको गणिपद बिकानेर उपधान के माला के अवसर पर बीस हजार जैन व अनेक संघों की उपस्थिति में प्रदान किया।वरली में भगवान सुविधिनाथजी के मन्दिर के प्रतिष्ठा दौरान 6/11 को पन्यास-पद प्रदान किया गया, जिसमे 20 हजार से ज्यादा लोग उपस्थित थे।आपके इन्हीं कार्यों को देखते हुए शेत्रुंजय सम ठाणे तीर्थ में भगवान मुनिसुव्रत भगवान के सानिध्य में आचार्य पदवी प्रदान की गई।

आचार्य श्री के साथ शासन हेतु किये मुख्य-कार्य :

शान्तमूर्ति श्री 1008 आचार्य श्री समुद्र सूरीश्वरजी महाराज सा0 के साथ मुख्य कार्यों में दिये गये सहयोग की सूची:-

(1) गुजरात झगड़िया आदिश्वरंजी मंदिर के ध्वजा?ण्ड आरोहण एवं आत्मानन्द जैन गुरुकुल में गुरु मंदिर की प्रतिष्ठा में सक्रिय सहयोग आपने दिया ।

(2) झनोर ग्राम में भगवान मुनिसुव्रत स्वामी के मन्दिर की प्रतिष्ठा में साथ रहे ।

(3) बोड़ोली शहर में श्री महावीर स्वामी के मंदिर की प्रतिष्ठा महोत्सव में साथ रहे ।

(4) अणहिलपुर पाटण में मुख्य पंचासरा पार्श्वनाथ के मंदिर की एवं आदिश्वर भगवान के मंदिर, शान्तिनाथ भगवान के मन्दिर, पार्श्वनाथ भगवान का एवं दूसरे शांतिनाथ भगवान के मन्दिर इस प्रकार पाटण के कुल 5 मंदिरों की प्रतिष्ठा-महोत्सव मे साथ सक्रिय रहे ।

(5) नाड़ोल (राज.) में मुख्य पद्म प्रभु भगवान के मन्दिर की एवं नेमीनाथ भगवान आदि के पाँच मन्दिरों की प्रतिष्ठा में साथ रहे।

(6) सादड़ी (राज.) आत्मानन्द जैन पाठशाला आदिश्वर जी के मन्दिर की प्रतिष्ठा में साथ रहे ।

(7) भरतपुर शहर (राज.) में मुनिसुव्रत स्वामी के मंदिर की प्रतिष्ठा में साथ रहे ।

(8) वरकाणा गोड़वाड़ (राज.) पाइर्धनाथ भगवान के मंदिर की प्रतिष्ठा में' सहयोग दिया ।

(9) बीजोवा (राज.) श्री चिन्तामणि पार्श्वनाथ भगवान के मंदिर की प्रतिष्ठा में साथ रहे ।

(10) आना-ग्राम (राज.) श्री शान्तिनाथ भगवान के मंदिर की प्रतिष्ठा में साथ रहे।

(11) सौराष्ट्र पालीताणा वल्लभ विहार में पार्श्वनाथ मंदिर व गुरु मंदिर की प्रतिष्ठा में साथ रहे ।

(12) पालीताणा में ही आदिश्वर भगवान की टूक में गुरु-देवजी की मूर्ति की दो बार प्रतिष्ठा में साथ रहे ।

(13) बरकाणा (राज.) में गुरु मन्दिर की प्रतिष्ठा में पूर्ण सहयोग दिया ।

(14) मुंबई वरली (महाराष्ट्र) में सुविधिनाथजी के मंदिरजी की प्रतिष्ठा में साथ रहे ।

(15) ठाणा-शहर (महाराष्ट्र) में गुरुदेवजी की मूर्ति मुनिसुव्रत-स्वामीजी के मंदिर में प्रतिष्ठित कराई ।

(16) पूना शहरे (महाराष्ट्र) में गौड़ी पार्श्वनाथ भगवान के मन्दिर में गुरुदेवजी की मूर्ति की प्रतिष्ठा में पूर्ण सक्रिय रहे।

(17) हरजी (राज.) में महावीर स्वामी मंगवान की प्रतिष्ठा में सहयोग दिया एवं सक्रिय रहे।

आचार्य गुरुदेव विजय समुद्र सूरीश्वरजी की आज्ञा से न्याय सूरीश्वरजी म.सा. द्वारा सम्पन्न कराये गये कार्यों की सूची :

(1) द्यांलपुर (राज.) श्री शीतलनाथजी मंदिर की प्रतिष्ठां सम्पन्न कराई।

(2) कोपरग्राम (महा.) में श्री मुनिसुव्रत स्वामीजी के मंदिर की प्रतिष्ठा कराई ।

(3) शिवगंज शहर (राज) में श्री औसवाल जैन संघ के द्वारा आपके उपदेश से सवालाख रुपये से चांदी का रथ एवं इन्द्रध्वजॉ बनाई गई ।

(4) अलवर (राज.) में पार्श्वनाथ भवन आपके उपदेश से निर्मित हुआ ।

(5) पूना (महा.) में आचार्य म. सां. श्री विजय वल्लभ सूरीश्वरजी के नाम से हायस्कूल प्रारम्भ कराया। जिसमें चन्दे के रूप में श्वेताम्बर जैन मूर्ति-पूजक संघ से सहयोग लेकर लेकर प्रारंम्भिक राशि 5 हजार रुपये प्रति सदस्य के नाम से एकत्रित कराया ।

(6) मुंबई और पूना में आचार्य महाराज सा. विजयवल्लभं सूरीश्वरजी की शताब्दी समारोहूं मनाने के लिये धनराशि एकत्रित करने हेतु आप पूर्ण रूप से जूटे रहे एवं राशि एकत्रित कराई ।

(7) महावीरजी स्टेशन पर पष्टोंदा ग्राम में महावीरस्वामीजी के नूतन मन्दिर के निर्माण के लिये द्रष्य एकत्रित कराने में' सक्रिय रहे व सहयोग दिया । पल्लीवाल जैन श्वेताम्बर के 31 ग्रामों में सक्रिय धर्म प्रचार किया ।

(8) साडी शहर (राज.) बीकानेर, वेडानगर (राज.) आदि में उपधान तप की आराधना करवाई एवं अनेक अट्ठाई-महोत्सव तथा कई साधु-साध्वीजी को योगोद्वहन आदि कराये ।

उग्र-विहार :

(1) आपने गुरुदेव के साथ 18 मील से लेकर 28 मील त्तक प्रतिदिन उग्र-विहार किया। बड़े गुरुदेवजी के स्वास्थ्य खराब होने की सूचना मिलते ही तत्काल बोरसद से आप गुरुदेव के चरणों में घाटकोपर पहुँचे ।

(2) गुजरात पाटन से 125 मील की दूरी पर वरकाणा विद्यालय में गुरु मन्दिर की प्रतिष्ठा पर आचार्य गुरुदेव विजय-समुद्र सूरीश्वरजी के साथ आप पोष की कडकडाती ठण्ड में 28 से 32 मील प्रतिदिन उद्यविहार कर चरकाणा गुरु मन्दिर की प्रतिष्ठा में पधारे ।

धन्य है न्यायसूरीश्वरजी म.ज सा. की गुरुभक्ति कि ऐसे कठिन उग्र विहार करके गुरुदेवजी के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट की एवं कभी पीछे नहीं हढे ।

मध्य-प्रदेश के मन्दसौर जिले की भानपुरा तहसील में भगवान पार्श्वनाथ के बड़े जिनालय का ध्वजादण्ड आरोहण वर्षो से नहीं हो पारहा था। आपके सानिध्य में दिनांक 5 फरवरी 1973 को मन्दिरजी का ध्वजारोहण समारोह धूमधाम से सम्पन्न हुआ । आपकी उपस्थिति से अट्ठाई-महोत्सव हुवा जिसमें व्याख्यान, तप पूजा, नवपद?पूजा, शांतिस्नात्रपूजा आदि धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न हुवे ।

शासन सेवा :

मन्द्रिजी, उपाश्रय, पाठशाला, जीवदया एवं अन्य धार्मिक कार्यक्रमों को आपने पूर्ण करवाया एवं सहायता तथा मार्गदर्शन प्रदान किया । 'आपका जीवन धर्म है अथवा धर्म आपका जीवन है।' निर्णय करना कठिन है।रथयात्रा के बाद आप उपाश्रय में नवकारसी हेतु बिराजमान हुए तो मन ग्लानि से भर गया कि आज हजारों लोग आर्यबिल,उपवास कर रहे है तब में वापरने बैठा हूं और देह त्याग दिया।

चैत्र सूद (महावीर जन्म कल्याणक) तेरस को श्री मुछाला महावीरजी तीर्थ में कालधर्म हुआ।

भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में उच्च स्तरीय जांच हो सीबीआई जांच की अनुमति दे सरकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ विगत दिनों बिहार में हुए भरत तिवारी एनकाउंटर मामला काफी दुखद एवं निंदनीय है हिंदू सेना के छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा ने कहा कि यह घटना स्तंबध कर देने वाली है स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार भरत तिवारी जनहित के मुद्दों को लेकर हमेशा सक्रिय रहने वाले एवं देश भक्ति से परिपूर्ण व्यक्ति था उन्होंने कोरोना काल में वैक्सीन परीक्षण के लिए खुद को समर्पित कर दिया था 2025 में गंगा बाढ़ से प्रभावित लोगों की पुनर्वास की मांग को लेकर भी वह सक्रिय रहे हैं भरत तिवारी विभिन्न समस्याओं को लेकर लगातार सक्रिय रहने वाले देशभक्त युवा थे वह किसी भी दृष्टिकोण से अपराधिक व्यक्ति नहीं था सवाल यह है कि आखिर पुलिस को गोली चलाने की नौबत क्यों आई इस पूरे मामले की सीबीआई जांच हो ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके कहीं इसके पीछे कोई बड़ी षड्यंत्र तो नहीं साथ ही भरत तिवारी के परिजनों को सरकार

आर्थिक सहायता तत्काल प्रदान करें एवं भरत तिवारी के घर के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए.

गांधीनगर में गैस पाइपलाइन में आग, बड़ा हादसा टला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। शहर के कुडासन और पोर के बीच मुख्य गैस पाइपलाइन में शुक्रवार को अचानक आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटें उठते ही आसपास के लोग और दुकानदार सुरक्षित स्थानों की ओर भाग निकले। सूचना मिलते ही गांधीनगर फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और गैस कंपनी के सहयोग से आग पर काबू पा लिया गया। साबरमती गैस कंपनी के ऑपरेशनल हेड शालीन पटेल ने बताया कि गांधीनगर नगर निगम द्वारा सीवर लाइन के लिए किए जा रहे खुदाई कार्य के दौरान गैस पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से गैस रिसाव हुआ और आग लग गई। उन्होंने कहा कि खुदाई की पूर्व सूचना गैस कंपनी को नहीं दी गई थी, जिससे यह हादसा हुआ। फायर विभाग ने तत्काल गैस सप्लाई बंद कराकर आग को फैलने से रोका। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन इससे गैस पाइपलाइन सुरक्षा और निर्माण कार्यों में समन्वय को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

एआई के बढ़ते दबाव का असर, एप्पल ने मैकबुक और आईपैड की कीमतें बढ़ाई

मेमोरी-स्टोरेज लागत में भारी वृद्धि बताई वजह

मुंबई ।

एप्पल ने अपने कई मैकबुक और आईपैड मॉडल्स की कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की। कंपनी ने इसके लिए मेमोरी और स्टोरेज कंपोनेंट्स की लागत में भारी बढ़ोतरी को जिम्मेदार ठहराया है, जिसका मुख्य कारण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) डेटा सेंटर्स की बढ़ती मांग है। नई कीमतों के तहत, मैकबुक एयर 512जीबी 1,099 डॉलर के बजाय 1,299 डालेगा, जबकि आईपैड प्रो वाई-फाई 256जीबी की कीमत 999 से बढ़कर 1,199 हो गई है। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने इस स्थिति को सौ साल में एक बार आने वाली बाढ़ जैसी बताया और कहा कि कंपनी अब ग्राहकों को बढ़ती लागत के असर से पूरी तरह बचा नहीं सकती। मार्केट रिसर्च फर्म काउंटरपॉइंट रिसर्च के अनुसार, पिछले तीन तिमाहियों में मेमोरी और स्टोरेज की कीमतें लगभग चार गुना बढ़ चुकी हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि यह मूल्य वृद्धि सिर्फ मैकबुक और आईपैड तक सीमित नहीं रहेगी। काउंटरपॉइंट रिसर्च के तरुण पाठक का मानना है कि आईफोन की उत्पादन लागत भी करीब 200 डॉलर तक बढ़ सकती है, जिससे आगामी मॉडल्स में 150 से 200 डॉलर तक की बढ़ोतरी संभव है। आईडीसी का कहना है कि भविष्य के आईफोन मॉडल्स को एआई फीचर्स के लिए 12जीबी रेम की आवश्यकता होगी, और एप्पल इन बढ़ी हुई कीमतों को बेहतर हार्डवेयर व एआई क्षमताओं से जोड़कर पेश करेगा।

सरकारी बॉन्ड पर टैक्स राहत, भारत में आया 3 अरब डॉलर का नया विदेशी निवेश

नई नीति और मजबूत अर्थव्यवस्था से 65 अरब डॉलर अतिरिक्त पूंजी आने की उम्मीद

मुंबई ।

भारत में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। सरकार द्वारा सरकारी बॉन्ड (जी-सेक) में निवेश करने वाले एफपीआई को टैक्स में बड़ी राहत दिए जाने के बाद देश में विदेशी निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के ग्रुप चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर सौम्या कांति घोष ने बताया कि जी-सेक पर टैक्स नियमों में बदलाव के बाद भारत में करीब 3 अरब डॉलर का एफपीआई निवेश आया है। पहले विदेशी निवेशकों को जी-सेक बेचने पर 12.5 फीसदी लॉन्ग टर्म कैपिटल गेंस टैक्स और ब्याज से होने वाली आय पर 20 फीसदी विथहोल्डिंग टैक्स देना पड़ता था। इन टैक्सों को हटाए जाने से भारतीय सरकारी बॉन्ड अब उनके लिए अधिक आकर्षक हो गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह केवल शुरुआत है। सरकार की मजबूत आर्थिक नीतियों और अनुकूल माहौल के चलते आने वाले समय में एफसीएनआर (बी) और ईसीबी जैसे माध्यमों से भारत में करीब 65 अरब डॉलर तक अतिरिक्त विदेशी पूंजी आ सकती है। इस निवेश से बैंकिंग सिस्टम को मजबूती मिलेगी, रुपये पर दबाव कम होगा और देश की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत एक स्थिर और भरोसेमंद निवेश गंतव्य बनकर उभरा है।

दक्षिण कोरिया का कोस्पी 8 फीसदी से ज्यादा टूटा, सर्किट ब्रेकर लगा

अमेरिकी टेक शेयरों में कमजोरी से निवेशकों ने की मुनाफावसूली

मुंबई ।

मुहर्रम के अवसर पर शुक्रवार को जहां भारतीय शेयर बाजार बंद रहे, वहीं दक्षिण कोरियाई बाजार में भारी बिकवाली देखी गई। तेज गिरावट के चलते कोस्पी इंडेक्स 8 फीसदी से अधिक लुढ़क गया, जिसके बाद सर्किट ब्रेकर लागू कर लगभग 20 मिनट के लिए ट्रेडिंग रोकनी पड़ी। यह इस सप्ताह दूसरी बार है जब बाजार में सर्किट ब्रेकर लगा है और अब यह तीन महीने में अपनी सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट की ओर बढ़ रहा है। बाजार में यह गिरावट अमेरिकी टेक शेयरों में गुरुवार को आई कमजोरी के बाद निवेशकों द्वारा की गई मुनाफावसूली का नतीजा है। इसका सबसे ज्यादा असर चिप बनाने वाली कंपनियों पर पड़ा। कोस्पी की प्रमुख कंपनियों में सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में 8.02 फीसदी और एक और बड़ी चिपमेकर एसके हाइनिक्स में 8.94 फीसदी की तेज गिरावट दर्ज की गई। इसी तरह बैटरी बनाने वाली एलजी एनर्जी सॉल्यूशन के शेयर 5.11 फीसदी गिरे, जबकि हुंडई मोटर में 4.77 फीसदी, किया कॉर्प में 4.30 फीसदी और पोस्को होल्डिंग्स में 5.73 फीसदी की गिरावट देखने को मिली।

ईवी कारें हो सकती है महंगी, रीसाइक्लिंग नियमों पर सायम ने जताई चिंता

संगठन ने कहा- 3 से 5 फीसदी तक बढ़ सकती हैं कीमतें, बिक्री पर भी पड़ेगा असर

नई दिल्ली ।

वाहन विनिर्माताओं के संगठन सायम (सायम) ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को आगाह किया है कि सरकार द्वारा प्रस्तावित बैटरी रीसाइक्लिंग लक्ष्य इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की कीमतों में 3 से 5 फीसदी तक की बढ़ोतरी कर सकते हैं।

संगठन का मानना है कि इन सख्त नियमों से देश में ईवी की बिक्री पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

सायम ने पिछले साल नवंबर में सीपीसीबी को भेजे पत्र और हाल ही में पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ बैठक में अपनी चिंताएं रखीं।

उनका कहना है कि मौजूदा नियमों को मानने से औसतन 35-40 किलोवॉट घंटे वाली इलेक्ट्रिक कार बैटरी की लागत में 8,000 से 25,000 रुपये तक की वृद्धि हो सकती है, जिसमें बैटरी संग्रह, भंडारण और हैंडलिंग का खर्च अलग से होगा।

सायम का मुख्य तर्क यह है कि बैटरी अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के तहत वाहन विनिर्माताओं को 8 साल के उपयोग के बाद 70 फीसदी बैटरियां (जो अंततः 82 फीसदी तक बढ़ेंगी) एकत्र करनी होंगी।

जबकि लीथियम आयरन फॉस्फेट (एलएफपी) बैटरियों की उम्र काफी लंबी होती है।

संगठन ने सीपीसीबी से नियमों को आसान बनाने की अपील की है, क्योंकि मौजूदा धातु-विशिष्ट रिकवरी लक्ष्य रीसाइक्लिंग के दौरान होने वाले नुकसान और बैटरी घटकों के अंतर को ठीक से ध्यान में नहीं रखते, जिससे उत्पादकों पर अनुचित बोझ पड़ सकता है। यह नियम विस्तारित उत्पादक दायित्व ढांचे का हिस्सा हैं।

हुंडई की दो सालों में पांच नई गाड़ियां लॉन्च करने की योजना

नई दिल्ली ।

वाहन निर्माता कंपनी हुंडई भारतीय बाजार में अपनी दूसरी पोजीशन को बनाए रखने बड़े पैमाने पर तैयारी कर रही है। कंपनी अगले दो सालों में पांच नई गाड़ियां लॉन्च करने की योजना बना रही है, जिनमें नई क्रेटा से लेकर 7-सीटर एसयूवी तक शामिल हैं। इस लिस्ट में सबसे पहले अगली पीढ़ी की क्रेटा एसयूवी है, जिसकी टेस्टिंग भारत और दक्षिण कोरिया में चल रही है। यह नए के3 प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी और इसमें पूरी तरह से नया डिजाइन, बड़ी टचस्क्रीन और एक मजबूत हाइब्रिड वर्जन मिलने की उम्मीद है, जो 2027 की शुरुआत में आ सकती है। इसके बाद हुंडई बेयोन क्रॉसओवर एसयूवी आएगी, जिसे वेन्यू और क्रेटा के बीच पोजिशन किया जाएगा। यह आधुनिक डिजाइन, डुअल 12.3-इंच स्क्रीन और स्ट्रॉन्ग-हाइब्रिड इंजन के साथ 2026 के अंत तक लॉन्च हो सकती है। इलेक्ट्रिक सेगमेंट में, हुंडई एचई1आई (HEvi) इलेक्ट्रिक माइक्रो-एसयूवी लाने वाली है, जो टाटा पंच ईवी को टक्कर देगी। यह डेडिकेटेड ई-जीएमपी प्लेटफॉर्म पर बनेगी और 300 से 350 किमी की रेंज देने का दावा करेगी, जिसके 2026 में आने की संभावना है।

डॉलर के आगे फीकी पड़ी चमक, सोना 3 माह, चांदी 6 माह के निचले स्तर पर

5 हजार रुपए सस्ती हुई चांदी, सोने के दामों में भी आई भारी गिरावट

नई दिल्ली ।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के आंकड़ों के मुताबिक भारतीय बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है।

सोना तीन महीने के निचले स्तर पर आ गया है, जबकि चांदी छह महीने के निचले स्तर पर कारोबार कर रही है। घरेलू बाजार में 99.9 फीसदी शुद्धता वाला सोना 2,800 रुपए गिरकर 1,45,300 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर आ गया है, जो इसका तीन महीने का सबसे निचला स्तर है। वहीं, चांदी भी 5,000 की गिरावट के साथ 2,26,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई, जो इसका छह महीने का निचला स्तर है। विश्लेषकों का कहना है कि निवेशकों द्वारा कीमती धातुओं के बजाय डॉलर को प्राथमिकता देने और लंबे समय तक ऊंची ब्याज दरें बने रहने की संभावना से इन पर दबाव बना है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने भी मजबूत डॉलर को गिरावट का मुख्य कारण बताया।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी हाजिर सोना 0.53 फीसदी गिरकर 3,978.06 डॉलर प्रति औंस पर आ गया है, जो नवंबर 2025 के बाद पहली बार 4,000 रुपए के अहम स्तर से नीचे है। हाजिर चांदी भी 0.56 फीसदी गिरकर 57.10 रुपए प्रति औंस के छह महीने के निचले स्तर पर आ गई। निवेशक अब अमेरिका के नए आर्थिक आंकड़ों का इंतजार कर रहे हैं, जो भविष्य की ब्याज दरों पर असर डाल सकते हैं।

आरबीआई ने क्रेडिट डेरिवेटिव्स नियमों में ढील दी, कॉर्पोरेट बॉन्ड बाजार को मिलेगी मजबूती

बैंकों और बड़ी कंपनियों को जोखिम प्रबंधन में मिलेगी अधिक सुविधा

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने देश के कॉर्पोरेट बॉन्ड बाजार को नई गति देने और वित्तीय संस्थानों को जोखिम प्रबंधन में सहूलियत प्रदान करने के उद्देश्य से क्रेडिट डेरिवेटिव्स के लिए नए नियम जारी किए हैं। सरकार के बजट में इस बाजार को बढ़ावा देने की घोषणा के बाद ऋद्ध का यह कदम कंपनियों के लिए फंड जुटाना आसान बनाने और वित्तीय बाजार में तरलता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। नए नियमों के तहत, भारतीय निवासी गैर-रिटेल उपयोगकर्ता, जैसे बैंक, वित्तीय संस्थान और बड़ी कंपनियां, अब क्रेडिट डिफॉल्ट स्वैप (सीडीएस) और टोटल रिटर्न स्वैप (टीआरएस) जैसे क्रेडिट डेरिवेटिव्स का इस्तेमाल किसी तय उद्देश्य के प्रतिबंध के बिना कर सकेंगे। यह उन्हें अपने क्रेडिट जोखिम का बेहतर प्रबंधन करने में मदद करेगा। हालांकि, अनिवासी निवेशकों को इन साधनों का उपयोग केवल हेजिंग यानी अपने निवेश को संभावित नुकसान से बचाने के लिए ही करने की अनुमति होगी, जबकि छोटे (रिटेल) निवेशकों के लिए मौजूदा सीमाएं जारी रहेंगी ताकि उन्हें अत्यधिक जोखिम से बचाया जा सके। आरबीआई ने क्रेडिट डेरिवेटिव सौदों के भुगतान के लिए भारतीय रुपये या विदेशी मुद्रा दोनों के उपयोग की अनुमति दी है। हालांकि, केंद्रीय बैंक ने ऋण (लोन) पर क्रेडिट डेरिवेटिव्स की अनुमति देने की मांग को अस्वीकार कर दिया है। ऋद्ध का मानना है कि ऐसा करने से बाजार में अनावश्यक जोखिम बढ़ सकता है, इसलिए फिलहाल इस तरह के लेनदेन को मंजूरी नहीं दी गई है, जो वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता बनाए रखने में मदद करेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इन नए नियमों से भारतीय कॉर्पोरेट बॉन्ड बाजार को बड़ा लाभ मिलेगा। कंपनियां अपने क्रेडिट जोखिम को अधिक आसानी से प्रबंधित कर पाएंगी, जिससे बॉन्ड जारी करना सरल होगा और फंड जुटाने की लागत भी कम होगी।

यह बाजार में तरलता बढ़ाएगा और निवेशकों को नए विकल्प प्रदान करेगा।

बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों के लिए भी यह कदम उनकी बैलेंस शीट को मजबूत करने और पूरे वित्तीय तंत्र की स्थिरता बढ़ाएगा। यह भारत के क्रेडिट डेरिवेटिव्स बाजार को वैश्विक मानकों के करीब लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

तकनीकी अपग्रेड के कारण ईपीएफओ पोर्टल 3 दिन रहेगा बंद

26 से 28 जून तक ऑनलाइन क्लेम जमा नहीं होंगे

नई दिल्ली ।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने करोड़ों सदस्यों के लिए एक महत्वपूर्ण अपडेट जारी किया है। 26 जून 2026 की रात 12 बजे से 28 जून 2026 की रात 11:59 बजे तक उसका ऑनलाइन क्लेम प्रोसेसिंग पोर्टल बंद रहेगा। यह अस्थायी बंदी सिस्टम में तकनीकी सुधार और सॉफ्टवेयर अपग्रेड के लिए की जा रही है, जिससे सदस्य क्क्न से संबंधित ऑनलाइन सेवाओं का लाभ नहीं उठा पाएंगे। ईपीएफओ ने बताया है कि यह कदम क बड़े तकनीकी सुधार, डेटाबेस कंसोलिडेशन और सॉफ्टवेयर अपग्रेड का हिस्सा है। इसका उद्देश्य भविष्य में यूजर्स को तेज, सुरक्षित और बेहतर डिजिटल सेवाएं देना है।

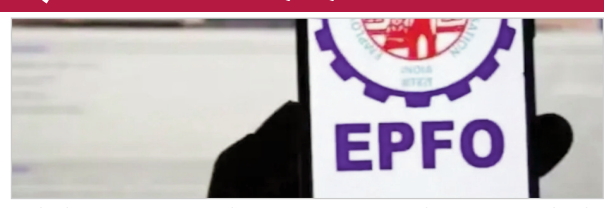

पोर्टल बंद रहने के कारण, पीएफ निकालने या ट्रांसफर करने सहित कोई भी नया क्लेम जमा नहीं किया जा सकेगा, और न ही

पहले से जमा किए गए क्लेम की प्रोसेसिंग होगी। पोर्टल की सभी सेवाएं 29 जून 2026 की रात 12 बजे से सामान्य रूप से शुरू हो जाएंगी। सदस्यों को सलाह दी गई है कि वे अपने जरूरी काम पहले ही निपटा लें या कुछ समय इंतजार करें। ईपीएफओ ने असुविधा के लिए खेद जताया है और सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 14470 भी जारी किया है। यह बदलाव लंबे समय में बेहतर और भरोसेमंद सेवाएं देने के लिए जरूरी है।

एआई से उपजे साइबर खतरों से निपटने सरकार बनाएगी एकीकृत कमांड सेंटर

इलेक्ट्रॉनिकी मंत्रालय के अधीन करेगा काम, केंद्र-राज्यों के बीच समन्वय पर जोर

नई दिल्ली।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और एंथ्रोपिक के क्लॉड मिथोस जैसे मॉडलों से उत्पन्न साइबर सुरक्षा चुनौतियों के समाधान के लिए भारत सरकार एक सशक्त और एकीकृत कमांड सेंटर स्थापित करने की योजना बना रही है। सूत्रों ने बताया कि यह कदम एआई से जुड़े नए खतरों के प्रति देश की नीतिगत प्रतिक्रिया को मजबूत करेगा। यह नई संस्था इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन काम करेगी। इसका मुख्य कार्य एआई खतरों पर नीतिगत प्रतिक्रिया और केंद्र व राज्य सरकारों के विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करना होगा। अधिकारियों के अनुसार, सरकार को एकीकृत कमांड सेंटर की तत्काल आवश्यकता है, क्योंकि फ्रंटियर एआई से उत्पन्न खतरों पर प्रतिक्रिया देने का समय बहुत कम होगा और जोखिम तेजी से बढ़ेंगे। सरकार का मानना है कि इन नए मॉडलों से निपटने के लिए एक एकीकृत नीति प्रतिक्रिया आवश्यक है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस नए संगठन में सरकार, शिक्षाविद और नई एआई कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। आईटी मंत्रालय के नए एआई कानून से इस केंद्र को अधिकार मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही, सरकार उन कुछ कंपनियों से भी संपर्क कर रही है जिनके पास क्लॉड सुरक्षा पहुंच है, ताकि वे अपने नतीजों को उद्योग के साथ साझा करें।

ईपीएफओ से लेकर क्रेडिट कार्ड तक..5 दिन बाद बदल जाएंगे कई नियम

मुंबई ।

2026 की शुरुआत के साथ ही कई वित्तीय बदलाव होने जा रहे हैं। जिनका असर नौकरीपेशा लोगों, टैक्सपेयर्स, पेंशनर्स और क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करने वालों पर पड़ेगा। इनमें आईटीओआर फाइलिंग की डेडलाइन, ईपीएफओ की यूपीआई से पीएफ निकासी, महंगाई भत्ता और क्रेडिट कार्ड के नए नियम शामिल हैं। जुलाई में ईपीएफओ 3.0 प्लेटफॉर्म लॉन्च होने की उम्मीद है। इसका मकसद ईपीएफओ की डिजिटल सेवाओं को पहले से ज्यादा आसान बनाना है। नए सिस्टम के तहत ईपीएफ खाताधारकों को यूपीआई के जरिए तुरंत पीएफ निकालने की सुविधा मिल सकती है। अगर ऐसा होता है, तो पीएफ निकालने की प्रक्रिया पहले के मुकाबले काफी तेज और आसान हो जाएगी।हर साल जनवरी और जुलाई में केंद्र सरकार महंगाई भत्ते की समीक्षा करती है। ऐसे में जुलाई 2026 में

भी केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स को डीए बढ़ोतरी की घोषणा का इंतजार रहेगा। अगर सरकार बढ़ोतरी करती है, तो लाखों कर्मचारियों और पेंशनर्स को इसका लाभ मिलेगा।

नागपुर मेट्रो विस्तार को मंजूरी कान्हान तक पहुंचेगी मेट्रो, 310 करोड़ का होगा खर्च

महाराष्ट्र मंत्रिमंडल की उपसमिति ने 1.4 किमी के एलिवेटेड कॉरिडोर को दी हरी झंडी

मुंबई ।

नागपुर मेट्रो के दूसरे चरण के उत्तरी गलियारे को कान्हान टाउन तक विस्तारित करने के प्रस्ताव को महाराष्ट्र मंत्रिमंडल की अवसंरचना संबंधी उपसमिति ने मंजूरी दे दी है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में स्वीकृत इस 1.4 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड कॉरिडोर की अनुमानित लागत 310.35 करोड़ रुपये है, जो क्षेत्र में कनेक्टिविटी को मजबूती देगा। महाराष्ट्र मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (महा-मेट्रो) द्वारा तैयार इस परियोजना में कान्हान टाउन में एक नया एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन बनाया जाएगा। यह विस्तार न केवल कान्हान के लगभग 35,000 निवासियों और प्रतिदिन नागपुर आवागमन करने वाले हजारों लोगों के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि रामटेक, टेकड़ी, कांद्री माइंस, नगरधन, गोंडेगांव माइंस और मौदा सुपर थर्मल पावर परियोजना जैसे दूरदराज के क्षेत्रों को भी बेहतर संपर्क सुविधा प्रदान करेगा।

इससे अंततः प्रतिदिन लगभग 20,000 अतिरिक्त यात्रियों को लाभ मिलने का अनुमान है। परियोजना के वित्तपोषण में केंद्र और महाराष्ट्र सरकार 39.88-39.88 करोड़ रुपये की इक्विटी हिस्सेदारी के साथ ब्याज मुक्त अधीनस्थ ऋण भी देंगी। शेष 155.18 करोड़ रुपये रियायती दर पर उपलब्ध बहुपक्षीय ऋण से जुटाए जाएंगे।

पीएनजी उपभोक्ता अब 30 दिन में सरेंडर करेंगे एलपीजी कनेक्शन

एक घर-एक गैस कनेक्शन नीति के तहत डुप्लीकेसी पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली।

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच एलपीजी आपूर्ति पर असर की आशंका के बीच केंद्र सरकार ने गैस वितरण में पारदर्शिता लाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। जिन घरों में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन है, उन्हें अब 30 दिनों के भीतर अपना एलपीजी (एलपीजी) कनेक्शन सरेंडर करना अनिवार्य होगा। सरकार का मानना है कि इस नियम से गैस वितरण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनेगी, डुप्लीकेट कनेक्शनों पर रोक लगेगी और जरूरतमंद परिवारों तक एलपीजी की पहुंच बेहतर हो सकेगी। इंडेन, भारत गैस और एचपी गैस सहित सभी प्रमुख घरेलू एलपीजी कनेक्शनों पर यह नियम लागू होगा। निर्धारित अवधि के बाद ऐसे उपभोक्ताओं को एलपीजी रिफिल या संबंधित सुविधाएं मिलने में परेशानी आ सकती है। सरकार की प्राथमिकता वन हाउसहोल्ड, वन गैस कनेक्शन (एक परिवार, एक गैस कनेक्शन) को बढ़ावा देना है। अधिकारियों का कहना है कि कई शहरी क्षेत्रों में पीएनजी उपलब्ध होने के बावजूद लोग एलपीजी कनेक्शन बनाए रखते हैं, जिससे गैस वितरण पर अनावश्यक दबाव पड़ता है और सब्सिडी का दुरुपयोग होता है। नए नियम उन इलाकों में एलपीजी की सप्लाई बेहतर करेगा जहां अभी पीएनजी नेटवर्क नहीं पहुंचा है। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए यदि कोई परिवार ऐसे क्षेत्र में स्थानांतरित होता है जहां पीएनजी उपलब्ध नहीं है, तो वे ट्रांसफर वाउचर के जरिए आसानी से एलपीजी कनेक्शन दोबारा हासिल कर सकते हैं।

सरकार पहले से ही ओटीपी आधारित डिलीवरी और ई-केवाईसी जैसे कदम उठा रही है ताकि फर्जी कनेक्शनों पर रोक लगे और लाभार्थियों को सही लाभ मिल सके।

अमेरिकी महंगाई से बिटकॉइन 60,000 डॉलर के नीचे लुढ़का

– मई की उम्मीद से ज्यादा महंगाई ने फेड रेट बढ़ाने की आशंकाएं बढ़ाई

मुंबई ।

26 जून को बिटकॉइन की कीमत 60,000 डॉलर के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे आ गई, जिससे क्रिप्टो निवेशकों की चिंताएं बढ़ गई हैं। मई के अमेरिकी मुद्रास्फीति आंकड़ों ने फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की आशंकाओं को फिर से बल दिया है। मई में अमेरिकी मुद्रास्फीति उम्मीद से कहीं ज़्यादा बढ़कर तीन साल में पहली बार 4त्न के पार गई। इससे फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को ऊंचा रखने या बढ़ाने की संभावनाएं मजबूत हुई हैं, जिससे निवेशक बिटकॉइन और एथेरियम जैसी जोखिम भरी संपत्तियों से दूर हो रहे हैं। अब ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें लगभग समाप्त हो चुकी हैं। पिछले 24 घंटों में बिटकॉइन 3 फीसदी गिरकर 59,000 डॉलर के आसपास कारोबार कर रहा है, जबकि आंकड़ों के तुरंत बाद यह 58,000 से नीचे चला गया था। बाजार विशेषज्ञों का सुझाव है कि निवेशकों को मौजूदा रुझानों पर बारीकी से नज़र रखनी चाहिए। डॉलर की मजबूती और सोने-चांदी में गिरावट भी इसी अनिश्चितता का परिणाम है। लंबी अवधि के लिए गिरावट में निवेश का अवसर हो सकता है, पर क्रिप्टो बाजार के उच्च जोखिम को देखते हुए अत्यधिक सावधानी ज़रूरी है।ङ्ख

पशुपालन केबिना संभव नहीं टिकाऊ खेती

कृषि कार्य से धन अर्जन प्राचीन समय से किया जा रहा है प्राचीन सभ्यताएं स्वावलम्बी कृषि पर ही निर्भर रहीं।जब भी कृषि में स्वावलंबन समाप्त हुआ सभ्यताएं गिर गई।स्वावलम्बी कृषक बाहर के आदानों का मूल्य नहीं चुकाता है, वह उन्हें स्वयं उत्पादित करता है।स्वावलम्बन का अर्थ है पर्याप्त उत्पादन करना, पैसा कमाना तथा विपत्ति के दिनों के लिये बचाकर रखना है।भारत के किसान अपने परम्परागत ज्ञान को परिमार्जित करते हुए कृषि कार्य द्वारा मिट्टी से सोना बनाने का कार्य करता रहे, परन्तु आज पाश्चात्य् कृषि शिक्षा का प्रभाव, हरित क्रांति की चकाचौंध, कृषि के मशीनीकरण, रसायनिक खाद एवं कीटनाशकों के तात्कालिक लाभों को देखकर भारतीय किसान कृषि के स्वावलम्बन से दूर होकर रसायनिक खेती अपनाने लगा।

किसान अधिक उपज लेने के लिये आवश्यकता से अधिक उर्वरक एवं रसायनिक दवाओं का प्रयोग करने लगा जिससे उत्पादन में बढ़ोत्तरी अवश्य होती है परन्तु साथ ही साथ प्रति हेक्टेयर खर्चा भी बढता जा रहा है। इससे न केवल किसानों की आय में कमी देखी जा रही है बल्कि पर्यावरण पर भी विपरीत असर होता दिखाई दे रहा है। पिछले चार दशकों में कृषि रसायनों (खाद, कीटनाशक, नींदानाशक, और बढ़वार कारकों) और पानी के अविवेकीय अन्धाधुन्ध उपयोग ने मृदा उर्वरता, कृषि उत्पादकता के कारकों, उत्पाद गुणवत्ता एवं पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव डाला है। रसायनिक खेती या गहन कृषि पद्धति की ओर प्रेरित किया है क्योंकि विश्व की जनसंख्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है और खाद्यान्न की आवश्यकता में भी वृद्धि होती जा रही है। रसायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के प्रयोग से कृषि योग्य भूमि में निम्ननिखित परिणाम देखने को मिले हैं।

- भूमि की सतह का सख्त होना।
- लाभप्रद जीवाणुओं की संख्या में कमी।
- भूमि की जलधारण क्षमता में कमी।
- मृदा की क्षारीयता, लवणता तथा जलागम में वृद्धि।
- भूमि में जीवाश्म की मात्रा में कमी।
- फसलों में कीट, व्याधियों व खरपतवारों की समस्या में वृद्धि ।
- भूमि की उत्पादकता में निरन्तर कमी।

उपरोक्त कारणों की वजह से आज कृषक को खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है। आज हमारे विश्व की जनसंख्या लगभग 6 अरब है व सन् 2050 तक इसका 9 अरब होने का अनुमान है। लेकिन हमारी कृषि उत्पादकता बढ़ने की बजाय स्थिर हो गई है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए कृषि वैज्ञानिक आधारित या टिकाऊ खेती करने पर जोर दे रहे हैं।

टिकाऊ खेती से तात्पर्य फसल एवं पशुपालन उत्पादन के एकीकरण तंत्र से है। जो लम्बे समय तक निम्न बातें पूर्ण कर सके।

- मनुष्य के भोजन की पूर्ति कर सके।
- वातावरण की गुणवत्ता एवं प्राकृतिक संसाधनों को बचायें।
- उन सभी संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग हो जिनका पुर्नउत्पादन नहीं हो सकता है।
- भूमि की आर्थिक उपयोगिता को बनाये रखें।
- कृषक व समाज के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाएं।

इस प्रकार से टिकाऊ खेती में वह सभी बातें समाहित हैं जिससे वातावारण सुधरे, आर्थिक लाभ हो एवं समाज में समानता आए। यहां पशुपालन की टिकाऊ खेती में बराबर की हिस्सेदारी है क्योंकि पशुओं की कृषि में आर्थिक उपयोगिता है, व साथ ही ये चराहाग एवं फसलों के अवशेषों आदि को मनुष्य को खाने योग्य बनाने में मदद करते हैं। टिकाऊ खेती का सबसे उत्तम उपाय है जैविक खेती। जैविक खेती से तात्पर्य है कि खेती में रसायनिक खाद, कीटनाशक व जैविक वृद्धिकारकों का उपयोग करके उत्पादन लिया जाय। जैविक खाद बनाने के लिये पशुओं की आवश्यकता पड़ेगी। क्योंकि पशुओं से ही गोबर, मलमूत्र इत्यादि प्राप्त होंगे।

इसके अतिरिक्त मुर्गी खाद भी भूमि की उर्वराशक्ति को बढ़ाने में काफी मदद करती है, क्योंकि मुर्गी खाद में लगभग 20 प्रतिशत प्रोटीन पाई जाती है। जिससे इस खाद में नाइट्रोजन की मात्रा अधिकतम लगभग 3 प्रतिशत व फास्फोरस एवं पोटाश क्रमशः 2-2 प्रतिशत होती है। वहीं सुअर के मल में नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश क्रमशः 0.7, 0.6 एवं 0.7 प्रतिशत पाए जाते हैं।

इसके अतिरिक्त जैविक खेती में विभिन्न खादों जैसे गोबर व फसल अवशेष के मिश्रण से खाद (नाडेप या कम्पोष्ट खाद), गोबर गैस संयंत्र से उपलब्ध खाद एवं वर्मी कम्पोस्ट आदि का उपयोग होता है। वर्मी कम्पोस्ट केंचुए की मदद से बनने वाला खाद है। एक क्विंटल ताजा वर्मी कम्पोस्ट से भूमि को 800 ग्राम पोटेशियम प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त इसमें सूक्ष्म पोषक तत्व जैसे कि जस्ता 0.16: तांबा 0.09 और लोहा 1.38 अनुपात होते हैं।

इसमें कुछ पादप हार्मोन्स और एन्टीबायोटिक्स भी होते हैं जो कि फसल की अच्छी पैदावार एवं पौध संरक्षण को बढ़ावा देते हैं। वर्मी कम्पोस्ट की अम्लीयता क्षारीयता 6.8 से 7.2 के बीच होती है। इसमें मृदा का तापमान संतुलित रहता है व मिट्टी में पानी सोखने की प्रवृति बढती हैं। इसके अतिरिक्त मुख्य उपयोग पशु का ये है कि वह जमीन जो कि अत्यंत अनउपजाऊ एवं बंजर होती है उसको भी उपजाऊ बनाने में मदद करते हैं।

उपरोक्त के अलावा टिकाऊ खेती में प्राकृतिक संसाधनों का भी प्रभावी ढंग से उपयोग करना है। इसके लिये हम पशु ऊर्जा का उपयोग मशीनी ऊर्जा के स्थान पर कर सकते हैं। पशु ऊर्जा का उपयोग क्यों करना चाहिए यह निम्न बातों से स्पष्ट होता है-

- पशुओं का उपयोग किसान की कार्यक्षमता को बढ़ाता है। यह फसलों के विविधीकरण कृषि क्षेत्र को बढाने एवं समय पर कृषि कार्यों को सम्पन्न करने में सहायक है।
- मशीनों पर आधारित उत्पादन तन्त्र कुछ ही फसलों तक सीमित रह जाता है और इस तरह विविधता को तहस-नहस कर देता है।
- पशु चलित यन्त्र सस्ते, सुलभ और गांवों में भी बनाये जा सकते हैं।
- पशु ऊर्जा का उपयोग मंहगे और अनवीनीकरण ईंधन पर होने वाले खर्च को बचाना है। पशु खेतों से ही आने वाले फसलों के अवशेष को खाकर उसे उपयोगी चीजों जैसे- दुग्ध, बायोगैस, खाद इत्यादि में बदल देते हैं, और ये भोजन के लिये मानव के प्रतियोगी भी नहीं है।
- ऊर्जा पशुओं का उपयोग पशुओं को फसलोत्पादन से जोड़ने में किसानों की मदद करता है। इस तरह पशुओं की शक्ति का फसलोत्पादन निरन्तर बनाये रखने के लिये दोहन होता रहता है।
- एक बार ट्रैक्टर या पावर टिलर की जीवन अवधि जो कि प्रायः बहुत छोटी होती है, समाप्त हो जाती है तो उसका कोई प्रयोगात्मक उपयोग नहीं रह जाता है। पशु उस पर किये गये खर्च को कई तरह से लौटाता है। वह जीवनभर व मृत्यु उपरान्त भी पशु पालकों को अनेक उपयोगी चीजें देता है। मशीनों के साथ किसानों के कर्ज में फंसने का डर बना रहता है। यदि बढ़ी ऋण सहायता से मशीनीकरण पूर्ण हो भी जाये तो अधिकतर कृषक आबादी अपनी भूमि छोड़ने के लिये बाध्य हो जायेगी। क्योंकि मशीनों की सहायता से बड़े से बड़ा क्षेत्र कुछ ही हाथों द्वारा तैयार किया जा सकता है। इस प्रकार से स्पष्ट है कि टिकाऊ खेती में पशुओं का बहुत बढ़ा योगदान है जिसकों अनदेखा नहीं किया जा सकता है।

रसायनिक उर्वरकों के लाभकारी सुझाव

उर्वरकों के भरपूर लाभ कैसे लें इसके लिये निम्नलिखित बातें ध्यान रखें -

- मिट्टी परीक्षण के आधार पर नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश तत्व का संतुलित मात्रा में प्रयोग करें.● मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग करें. ● रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश करें.
- फसल चक्र अपनायें. ● उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें.

मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग--जैसा कि विदित है कि हमारे द्वारा लगातार अधिक मुख्य तत्वों वाले रसायनिक उर्वरक उपयोग कर उपज में बढ़ोत्तरी की है लेकिन जमीन से गौण व सूक्ष्म पोषक तत्व जमीन में नहीं दिये जा रहे हैं. जिसके फलस्वरूप हमारी जमीन में मुख्य पोषक तत्वों के साथ-साथ गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों की भी कमी हो गई है। जिसमें सल्फर तत्व चौथे आवश्यक पोषक तत्व के रूप में उभर कर आया है। जिसका मुख्य कारण सघन खेती के साथ जमीन में इन पोषक तत्वों का उपयोग न करना तथा कार्बनिक पदार्थों का खेतों में न डालना है।

रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश- परम्परागत खेती के समय रसायनिक खादों का उपयोग कम था लेकिन किसान खेती में गोबर खाद,हरी खाद एवं भूसा आदि को खेत में मिला दिया जाता था तथा सघन खेती भी नहीं होती थी जिसके कारण जमीन की जलधारण क्षमता अच्छी थी तथा पोषक तत्व भी पर्याप्त होते थे परंतु वर्तमान युग मशीनरी की खेती का युग हो गया है जिसमें पशुपालन कम होता जा रहा है किसान भाई अधिक उपज प्राप्ती के लिये मिट्टी के स्वास्थ्य का ध्यान रखना भूल गये हैं जिसके परिणाम किसानों को दिखने लगे हैं कि रासायनिक खाद दिये जाने पर फसल उसका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। इसलिये प्रत्येक तीन वर्ष में एक बार 15-20 टन गोबर खाद प्रति हेक्टर खेत में डालें.

फसल चक्र अपनायें- फसल चक्र से आशय एक ही फसल को लगातार न बोयें. पहली वर्ष यदि खरीफ में सोयाबीन और रबी में गेहूं तो दूसरी वर्ष खरीफ में मक्का एवं रबी में चना बोयें। फसल चक्र में दलहनी फसलों का समावेश अवश्य करें. दलहनी फसल वायुमंडलीय नत्रजन को अवशोषित कर स्थिर करती है. तथा नत्रजन दलहनी फसल में नहीं देना पड़ता है.उथली जड़ वाली फसल के बाद गहरी जड़ वाली फसल,अधिक पानी वाली फसल के बाद कम पानी चाहने वाली फसल बोये. फसल चक्र अपनाने से उर्वरकों की क्षमता तो बढ़ती ही है साथ ही साथ कीड़े बीमारी भी कम लगती है।

उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें- उपयुक्त सस्य क्रियायं अपनाने से रसायनिक उर्वरकों की दी गई मात्रा अधिक से अधिक फसल द्वारा ली जावेगी जिससे उपज भी अच्छी मिलेगी. इसके लिये कुछ मुख्य कृषि क्रियायें मुख्य हैं जो निम्नलिखित हैं.

● उपलब्ध साधनों के अनुरूप अधिक उपज देने वाली किस्म बोयें. ● बीज जनित रोगों से बचने के लिये बाबिस्टीन, थाइरम से बीज को उपचारित कर बोयें. ● किस्म की पकने की अवधि के अनुसार समय पर बुवाई करें.● उर्वरकों को सही विधि व समय पर दें. ● फसलों की बढ़वार के क्रान्तिक समय में खेत को खरपतवार रहित रखें. ● सिंचाई आवश्यकतानुसार एवं सही विधि से करें. ● रोग व बीमारियों का प्रबंधन करें. ● समय पर कटाई कर,थ्रेसिंग कर उचित भंडारण करें.

दूध के साथ रेशम उत्पादन

मिल्क विथ सिल्क सिद्धांत की जरूरत और महत्व

भारत के कई इलाकों में सिंचाई की सुविधाएँ सीमित मात्रा में होने से 50 प्रतिशत से ज्यादा खेती बारानी है। यह सर्वविदित हैं कि पिछले कुछ वर्षों से अनियमित मानसून, अमौसमी बरसात, कठोर जलवायु तथा अन्य कई कारणों से बारानी खेती बिना भरोसे की तथा नुकसानमंद साबित हो रही हैं। इससे किसानों में निराशा आर्थिक नुकसान के कारण आत्महत्या तक हो रही हैं। इस स्थिति से उबरने का एक उपाय हैं खेती से जुड़े पूरक व्यवसाय शुरू करना और उन्हें ज्यादा प्रभावी तथा ज्यादा फायदेमंद बनाने हेतु दो या तीन पूरक व्यवसायों को एक साथ करना जैसे दुग्ध व्यवसाय और रेशमकीट पालन एक साथ करना जो एक-दूसरे के पूरक हैं।

दुग्ध उत्पादन हेतु पशुपालन तथा रेशम कीट पालन हेतु मलबेरी की काश्त करना एक-दूसरों के कई तरह से पूरक हैं। पशुओं को दूध उत्पादन हेतु पौष्टिक चारा चाहिए जो उन्हें मलबेरी की पत्तियों से मिलता हैं।

इसके अलावा मलबेरी की पत्तियाँ जायकेदार पाई गई। उनकी पाचकता 70 से 90 च पाई गई। उनमें खनिज लवण 25 प्रतिशत तक पाये गये जो दूध उत्पादन बढ़ाने हेतु तथा पशु के स्वास्थ्य एवं प्रजनन क्षमता बरकरार रखने हेतु अत्यंत उपयुक्त हैं।

एक गाय को उसके शरीर पोषण हेतु रोजाना 7 ग्राम कैल्शियम तथा 7 ग्राम फॉस्फोरस आवश्यक होता हैं जबकि मलबेरी की पत्तियों में करीब 1.8 से 2.4 प्रतिशत कैल्शियम तथा 0.14 से 0.24 प्रतिशत फास्फोरस पाया गया हैं। इसका मतलब हैं कि अगर मलबेरी की पत्तियाँ भरपूर मात्रा में दुधारू पशु को खिलाई जाये तो उनके दूध उत्पादन में बढ़ोत्तरी होगी इसके अलावा उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। एक वैज्ञानिक प्रयोग में पाया गया कि खुराक और मलबेरी को पत्तियां अनुक्रम 60:40 तथा 25:75 प्रतिशत इस अनुपात में खिलाने पर गायों का दूध उत्पादन 13.2 और 13.8 लीटर प्राप्त हुआ जबकि सिर्फ खुराक खिलाने पर 14.2 लीटर था। इसका मतलब यह हुआ की मलबेरी की पत्तियाँ खिलाने से दूध उत्पादन में ज्यादा कमी नहीं आई बल्कि खुराक की मात्रा कम लगने से उसके पोषण खर्च में कमी आई यानि मलबेरी की पत्तियां खिलाने से दूध उत्पादन का धंधा किफायती होता हैं।

रेशम कीटों को डाली हुई मलबेरी की जो पत्तियां बाकी रह जाती हैं वो पत्तियाँ, डालियाँ दुधारू पशुओं को खिलाया जाये तो वह बरबाद होने से बच जाता हैं। कुछ स्थानों पर रेशम की इल्लियों के अपशिष्ट पदार्थ पर नमक का घोल डालकर वह दुधारू पशुओं को खिलाया जाता हैं।

इस प्रकार रेशम कीट पालन तथा दुग्ध व्यवसाय का आपस में घनिष्ठ नाता जोड़कर दोनों ही व्यवसाय एक साथ एक ही खेत पर कर सकते हैं। इसमें जो मजदूर होते हैं उनका उत्कृष्ठ इस्तेमाल होता हैं. रेशम कीटों द्वारा कोष निर्माण होने पर उन्हें बेचकर पैसा प्राप्त होता हैं। इसके अलावा दुग्ध व्यवसाय से दूध, खाद तथा बछड़े बेंचकर अधिक धन प्राप्त होगा और इस प्रकार किसान भाईयों को कमाई के दो स्त्रोत प्राप्त होंगे जिससे ज्यादा आर्थिक सम्पन्नता का लाभ होगा।

रेशम कीट पालन हेतु प्रशिक्षण, जानकारी, तांत्रिक मार्गदर्शन, रेशम उद्योग, संचालनालय से प्राप्त होते हैं तथा दुग्ध व्यवसाय के विषय में जानकारी प्रशिक्षण तथा तांत्रिक मार्गदर्शन हर जिले में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र, जिले के पशुपालन विभाग, कृषि विश्वविद्यालयों में स्थित पशुपालन एवं दुग्ध शास्त्र विभाग आदि जगह से प्राप्त कर सकते हैं।

ध्यान रहे, पूरक व्यवसाय के बिना किसान भाईयों की सही मायने में उन्नति नहीं हो सकती अतः पूरक व्यवसाय अवश्य अपनाएं और अपनी आर्थिक उन्नति हासिल करें.

शिवम की कहानी: ऐसी की वापसी और बन गए दो बार के विश्व चैंपियन

ओवरवेट होने के कारण छोड़ा था क्रिकेट

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के विस्फोटक ऑलराउंडर शिवम दुबे आज उन खिलाड़ियों में गिने जाते हैं, जिन पर टीम मुश्किल परिस्थितियों में भरोसा करती है। बड़े-बड़े छक्के लगाने की उनकी क्षमता और जरूरत पड़ने पर उपयोगी गेंदबाजी ने उन्हें सीमित ओवरों की टीम का अहम सदस्य बना दिया है। लेकिन यहां तक पहुंचने का उनका सफर बिल्कुल आसान नहीं रहा।

26 जून 1993 को मुंबई में जन्मे शिवम दुबे का परिवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के भदोही का रहने वाला है। बचपन से ही क्रिकेट के प्रति उनका जुनून था और उन्होंने कम उम्र में ही इस खेल को अपना लक्ष्य बना लिया था। हालांकि, 14 साल की उम्र में उनकी जिंदगी ने ऐसा मोड़ लिया, जिसने उनके क्रिकेट करियर पर लगभग विराम लगा दिया।

आर्थिक तंगी के कारण नियमित प्रशिक्षण और फिटनेस पर ध्यान देना मुश्किल हो गया। धीरे-धीरे उनका वजन काफी बढ़ गया और उन्हें क्रिकेट छोड़ना पड़ा। कई खिलाड़ियों के लिए ऐसी स्थिति करियर का अंत साबित होती है, लेकिन शिवम ने हार मानने के बजाय वापसी की तैयारी शुरू कर दी।

पांच साल बाद मैदान पर लौटे और बदल दी किस्मत

करीब पांच साल तक क्रिकेट से दूर रहने के बाद शिवम दुबे ने जब वापसी की तो उनका लक्ष्य सिर्फ टीम में जगह बनाना नहीं, बल्कि खुद को साबित करना था। उन्होंने कड़ी मेहनत कर फिटनेस हासिल की और मुंबई की अंडर-23 टीम में जगह बनाई।इसके बाद उनका करियर तेजी से आगे बढ़ा। जनवरी 2016 में उन्होंने मुंबई के लिए टी20 क्रिकेट में डेब्यू किया। 2017 में प्रथम श्रेणी और लिस्ट-ए क्रिकेट में भी डेब्यू किया। घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन ने उन्हें भारतीय क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद उभरते ऑलराउंडरों में शामिल कर दिया।

आईपीएल ने बदली जिंदगी

शिवम दुबे को आईपीएल 2019 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मौका दिया, लेकिन उनके करियर में असली बदलाव 2022 में आया, जब वह चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़े। महेंद्र सिंह धोनी की टीम में उन्हें अपनी भूमिका स्पष्ट मिली। मध्यक्रम में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने मैच फिनिश करने की कला विकसित की। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। सीएसके के लिए उन्होंने लगातार शानदार प्रदर्शन किया। 2022 में 289 रन, 2023 में 418 रन, 2024 में 396 रन, 2025 में 357 रन और 2026 में 270 रन बनाकर टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में अपनी जगह बनाई। आईपीएल में वह अब तक 92 मैचों में 2129 रन और 10 अर्धशतक अपने नाम कर चुके हैं।

रोहित शर्मा का भरोसा, सूर्यकुमार की टीम के भी बने हीरो

घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद शिवम दुबे को भारतीय टीम में लगातार मौके मिलने लगे। कप्तान रोहित शर्मा ने उनकी ताकत को पहचाना और उन्हें मध्यक्रम में आक्रामक बल्लेबाज की भूमिका सौंपी। शिवम ने इस भरोसे को सही साबित किया। उन्होंने बीच के ओवरों में तेजी से रन बनाकर कई मैचों का रुख बदला। गेंदबाजी में भी जरूरत पड़ने पर महत्वपूर्ण विकेट निकालकर टीम को संतुलन दिया। वह 2024 में रोहित शर्मा और 2026 में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के अहम सदस्य रहे।

विश्व कप के बड़े मुकाबलों में निभाई अहम भूमिका

बड़े खिलाड़ियों की पहचान बड़े मैचों से होती है और शिवम दुबे ने यह कई बार साबित किया। टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में उन्होंने सिर्फ 16 गेंदों में 27 रन बनाकर भारत की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके बाद 2026 विश्व कप के सेमीफाइनल में उन्होंने 25 गेंदों पर 43 रन की तेजतर्रार पारी खेली। फाइनल में भी उन्होंने महज आठ गेंदों पर 26 रन बनाकर मैच का रुख भारत की ओर मोड़ दिया। इन पारियों ने साबित किया कि दबाव वाले मुकाबलों में भी वह टीम के लिए मैच विनर बन सकते हैं ।शिवम दुबे ने तीन नवंबर 2019 को भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। अब तक वह 64 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की 48 पारियों में 16 बार नाबाद रहते हुए 991 रन बना चुके हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 154.12 रहा है। इसके अलावा उन्होंने 31 विकेट भी अपने नाम किए हैं। वनडे क्रिकेट में उन्होंने चार मैच खेलते हुए 43 रन बनाए हैं और एक विकेट भी लिया है।

महिला टी-20 विश्वकप

ब्रिट्स का शतक, दक्षिण अफ्रीका ने नीदरलैंड्स को 88 रन से हराया

ब्रिस्टल, एजेंसी। महिला टी20 विश्व कप 2026 के 24वें मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नीदरलैंड्स के खिलाफ धमाकेदार जीत दर्ज की। काउंटी ग्राउंड पर खेले गए मैच में प्रोटियाज टीम से मिले 209 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड्स की टीम 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 120 रन ही बना सकी।

दक्षिण अफ्रीका ने 88 रनों की बड़ी जीत के साथ सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी दावेदारी को मजबूत कर लिया है। भारत और दक्षिण अफ्रीका, दोनों के छह-छह अंक हैं। इस जीत से दक्षिण अफ्रीका ने अपने नेट रन रेट में भी काफी सुधार किया है। भारत की टेंशन इसलिए बढ़ी है क्योंकि उसका अगला मुकाबला यानी ग्रुप स्टेज का आखिरी मुकाबला ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम से है, जबकि दक्षिण अफ्रीका को बांग्लादेश से भिड़ना है। भारत को हर हाल में ऑस्ट्रेलिया को हराना होगा। साथ ही यह मनाना होगा कि या तो दक्षिण अफ्रीका बांग्लादेश से हार जाए या फिर नेट रन रेट भारत से बेहतर नहीं कर पाए।

नीदरलैंड्स की पारी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीदरलैंड्स की टीम को फेबे मोलकेनबोअर और सान्या खुराना ने सधी हुई शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 58 रन जोड़े। सान्या ने 30 गेंदों का सामना करते हुए छह चौकों की मदद से 36 रन बनाए। वहीं, फेबे ने 41 रनों का योगदान दिया। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने उतरीं स्टेरे कालिस ने 26 रन बनाए, जबकि बैबेट डी लीडे 11 रन बनाकर पवेलियन लौटीं।

इसके बाद नीदरलैंड्स ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए और टीम मुश्किल से 100 रनों का आंकड़ा पार कर सकी। नीदरलैंड्स की छह बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा तक पार करने में नाकाम रहीं। गेंदबाजी में साउथ अफ्रीका की ओर से अयाबोंगा खाका ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 19 रन देकर तीन विकेट चटकाए। वहीं, क्लोई ट्रायोन ने चार ओवर के स्पेल में 16 रन देकर दो विकेट निकाले।

दक्षिण अफ्रीका की पारी

इससे पहले, दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवर में एक विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 208 रन लगाए। टीम को कप्तान एल वोल्वार्ट और ताजमिन ब्रिट्स ने शानदार शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 13.3 ओवर में 121 रन जोड़े। वोल्वार्ट ने 36 गेंदों में छह चौकों की मदद से 45 रन बनाए।वहीं, ब्रिट्स ने लाजवाब बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली। ब्रिट्स ने 69 गेंदों में 114 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 15 चौके और तीन छक्के लगाए। वहीं, अंत के ओवरों में एनेरी डेर्कसेन ने महज 16 गेंदों में तीन चौके और दो छक्कों की मदद से नाबाद 37 रन बनाए। गेंदबाजी में नीदरलैंड्स की तरफ से एकमात्र विकेट हन्ना लैंडहीर ने चटकाया।

हम तेजी से लक्ष्य हासिल करना चाहते थे

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बताया कि कहां है सुधार की जरूरत

मैनचेस्टर, एजेंसी। महिला टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को भारतीय टीम ने जिंदा रखा है। ग्रुप ए के मुकाबले में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को पांच विकेट से हराया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टीम के प्रदर्शन पर खुशी जताई है, लेकिन उन्होंने माना है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले फील्डिंग अभी भी एक बड़ी चिंता का विषय है।

बांग्लादेश को आसानी से हराया

ओल्ड टैफर्ड के मैदान पर बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 136 रन लगाए। हालांकि, भारतीय टीम ने शेफाली वर्मा की अर्धशतकीय पारी के बूते 137 रनों के लक्ष्य को 16.5 ओवर में पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। शेफाली ने 34 गेंदों में 53 रनों की दमदार पारी खेली। वहीं, गेंदबाजी में राधा यादव ने तीन विकेट चटकाए।

मैच के बाद हरमनप्रीत कौर ने कहा कि टीम का लक्ष्य मैच को जल्दी खत्म करना था ताकि नेट रन रेट में भी सुधार हो सके। उन्होंने कहा कि भारत ने जीत तो हासिल कर ली, लेकिन अगर टीम थोड़ा और जल्दी लक्ष्य हासिल कर लेती तो और बेहतर होता। फिर भी दो-तीन ओवर पहले मैच खत्म करना टीम के लिए सकारात्मक बात रही। जीत के बावजूद भारतीय कप्तान अपनी टीम की फील्डिंग से पूरी तरह संतुष्ट नहीं दिखीं। उन्होंने कहा कि टीम लगातार फील्डिंग पर मेहनत कर रही है, लेकिन इस मैच में भी कई आसान कैच छूट गए। इन गलतियों की वजह से बांग्लादेश की बल्लेबाजों को बड़ी साझेदारी बनाने का मौका मिला और टीम उम्मीद से ज्यादा रन बनाने में सफल रही।

हरमनप्रीत ने कहा कि फील्डिंग ऐसी चीज है, जिसमें टीम को जल्द सुधार करना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले अगले मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगी और ऐसी गलतियां नहीं दोहराएंगी। उन्होंने कहा कि जिन खिलाड़ियों से कैच छूटे, वे टीम के सबसे अच्छे फील्डरों में शामिल हैं। ऐसे में किसी एक खिलाड़ी को दोष देना सही नहीं होगा। कप्तान ने कहा कि कभी-कभी मैदान पर ऐसे हालात बन जाते हैं, जिन्हें पूरी तरह नियंत्रित नहीं किया जा सकता। जरूरी बात यह है कि खिलाड़ी लगातार अभ्यास करें और अपनी गलतियों से सीख लें।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच पर है ध्यान

हरमनप्रीत ने बताया कि टीम का पूरा ध्यान अब अगले मुकाबले पर है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी मैदान पर अधिक समय बिताकर कैच पकड़ने और फील्डिंग में सुधार करने की कोशिश करेंगे ताकि बड़े मुकाबलों में कोई आसान मौका हाथ से न निकल जाए। भारतीय कप्तान ने टीम चयन को लेकर भी अपनी रणनीति साझा की। उन्होंने कहा कि टीम मैनेजमेंट किसी एक तय प्लेइंग इलेवन पर निर्भर नहीं है। हर मुकाबले में विरोधी टीम की ताकत, कमजोरियों और पिच की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अंतिम एकादश का चयन किया जाता है।

सेमीफाइनल के लिए हर हाल में चाहिए होगी जीत

भारतीय टीम को ग्रुप स्टेज के अपने अगले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ना है। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। हरमनप्रीत ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन भारतीय टीम ऐसे मुकाबलों का इंतजार करती है।उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को भारत की पसंदीदा विपक्षी टीम बताया ।हरमनप्रीत ने कहा, हम जानते हैं कि हर मैच जीतना जरूरी है, और कभी-कभी जब चीजें आपके हिसाब से नहीं होतीं, तो आपको अपना बेस्ट देना होता है। ऐसे में मेरे हिसाब से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाला मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण है। अगर हम इस मैच को जीतने में सफल रहते हैं, तो इससे हमें बहुत आत्मविश्वास मिलेगा। उन्होंने कहा कि नवी मुंबई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली पिछली जीत से भारतीय टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। उस जीत ने खिलाड़ियों का भरोसा मजबूत किया और कई मानसिक बाधाएं भी दूर कीं।

जर्मनी को हरा इतिहास रच गया इक्वाडोर पूरे देश में जश्न, अवकाश घोषित किया

न्यू जर्सी, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 से एक बेहद चौंकाने वाली और ऐतिहासिक खबर सामने आ रही है। ग्रुप-ई के अपने आखिरी मुकाबले में अंडरडॉग मानी जा रही इक्वाडोर की टीम ने बड़ा उलटफेर करते हुए चार बार की विश्व चैंपियन जर्मनी को 2-1 से धूल चटा दी है। स्थानीय समयानुसार गुरुवार (25 जून) को न्यूयॉर्क/न्यू जर्सी स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मैच में जीत दर्ज कर इक्वाडोर ने विश्व कप के नॉकआउट स्टेज में जगह पक्की कर ली है। इस ऐतिहासिक सफलता के बाद इक्वाडोर के राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने देश में राष्ट्रीय अवकाश की घोषणा कर दी है।

इस महाविजय के बाद राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक भावुक और गर्व से भरी पोस्ट साझा की। उन्होंने टीम की आलोचना करने वालों को करारा जवाब देते हुए खिलाड़ियों और मुख्य कोच सेबेस्टियन बेकासेसे का आभार जताया।

राष्ट्रपति नोबोआ ने लिखा 'खिलाड़ियों और कोच को बहुत-बहुत धन्यवाद, जिन्होंने तमाम आलोचनाओं, अपमान और कठिन दौर से गुजरने के बावजूद शानदार वापसी की और पूरे देश को यह असीम खुशी दी। कल (शुक्रवार) देश में छुट्टी रहेगी! इक्वाडोर अमर रहे। '

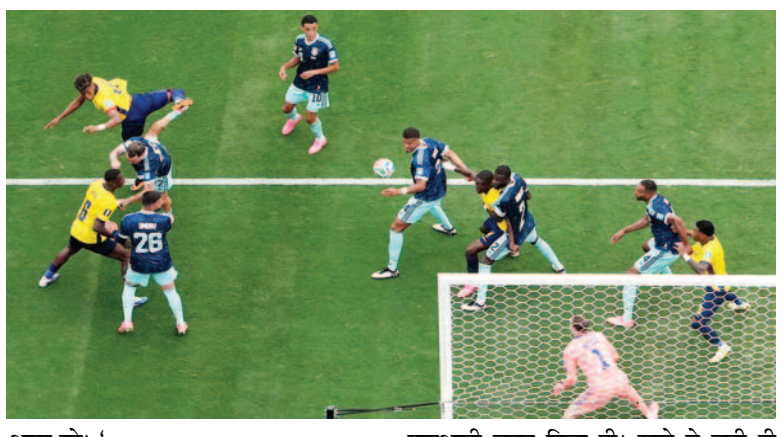

ऐसे पलटा मैच का पासा

इक्वाडोर के लिए यह राह आसान नहीं थी। टीम को अपने पहले मैच में आइवरी कोस्ट से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा था, जबकि कुराकाओ के खिलाफ दूसरा मैच गोलरहित ड्रा रहा था। वहीं दूसरी तरफ जर्मनी की टीम पहले ही नॉकआउट के लिए क्वालीफाई कर चुकी थी और मैच में जीत की प्रबल दावेदार थी।

मैच की शुरुआत में जर्मनी ने बेहद आक्रामक रुख अपनाया। फ्लोरियन विर्ट्ज़ के पास पर लेरॉय साने ने मैच का पहला शॉट सीधे गोल पोस्ट के भीतर दागकर जर्मनी को शुरुआती बढ़त दिला दी। साने ने बड़ी ही आसानी से गेंद को इक्वाडोर के गोलकीपर हर्नान गैलिंडेज को छकाते हुए निचले बाएं कोने में डाल दिया। इस गोल के तुरंत बाद इक्वाडोर के खिलाड़ियों ने फाउल की अपील की। रीप्ले में भी यह देखा गया कि गोल से ठीक पहले जर्मनी के अलेक्सांद्र पाव्लोविच का पैर इक्वाडोर के मिडफील्डर प्रेडो विटे के सिर पर लगा था, लेकिन अंपायर ने इसे नजरअंदाज कर दिया।

निल्सन एंगुलो का जादुई गोल

शुरुआती झटका लगने के बावजूद इक्वाडोर ने हिम्मत नहीं हारी। टीम ने पूरे दमखम और आक्रामकता के साथ वापसी की। मैच के 9वें मिनट में ही निल्सन एंगुलो ने मिडफील्ड से मिले एक ढीले पास को लपका और मैनुअल न्युएर जैसे दिग्गज गोलकीपर को छकाते हुए एक बेहद दमदार लॉन्ग-रेंज शॉट लगाकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद पहले हाफ तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं।

मैच का सबसे निर्णायक क्षण 77वें मिनट में आया। दाएं छोर से मिले एक कॉर्नर पर केविन रोड्रिगेज ने हवा में उछलकर गेंद को गोल पोस्ट की तरफ फ्लिक किया, जहां खड़े गोंजालो प्लाटा ने बिना कोई गलती किए फुर्ती से गेंद को नेट के अंदर धकेल दिया। इस गोल के होते ही स्टेडियम में मौजूद इक्वाडोर के फैंस और डगआउट में बैठे खिलाड़ी खुशी से झूम उठे।

सांस रोक देने वाला रोमांच

2-1 की बढ़त लेने के बाद इक्वाडोर की टीम पूरी तरह से डिफेंसिव मोड में आ गई। मैच के अंतिम क्षणों और 7 मिनट के इंजरी टाइम में जर्मनी ने बराबरी का गोल दागने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी, लेकिन इक्वाडोर के डिफेंस ने चट्टान की तरह डटकर जर्मनी के हर वार को नाकाम कर दिया। आखिरकार, अंतिम सीटी बजने के साथ ही इक्वाडोर ने 2-1 से मैच अपने नाम कर लिया।

सिंधुश्री ने पोल वॉल्ट में बनाया राष्ट्रीय रिकॉर्ड, अनिमेष-उन्नथी ने किया क्वालिफाई

नई दिल्ली। 65वीं नेशनल सीनियर इंटर-स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गुरुवार को कई भारतीय एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2026 एशियन गेम्स के लिए अपनी दावेदारी मजबूत की। प्रतियोगिता के दौरान सिंधुश्री ने महिलाओं की पोल वॉल्ट स्पर्धा में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया, जबकि स्प्रिंटर्स अनिमेष कुजूर और उन्नथी बोल्लांडा ने एशियन गेम्स क्वालिफिकेशन मानक हासिल कर लिया।

महिलाओं की पोल वॉल्ट स्पर्धा में सिंधुश्री ने 4.25 मीटर की ऊंचाई पार कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने रोजी मीना पॉलराज के 4.21 मीटर के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। यह रिकॉर्ड अक्तूबर 2022 में बेंगलुरु में आयोजित इंडियन चैंपियनशिप के दौरान बनाया गया था। इसी स्पर्धा में बरानिका फ्लैंगोवन ने 4.20 मीटर की छलांग लगाकर एशियन गेम्स 2026 के लिए क्वालिफाई कर लिया।पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में अनिमेष कुजूर ने सेमीफाइनल में 20.87 सेकंड का समय निकालकर एशियन गेम्स का क्वालिफिकेशन मानक हासिल किया। इसके बाद फाइनल में उन्होंने 20.74 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

महिलाओं की 200 मीटर स्पर्धा में उन्नथी बोल्लांडा ने 23.658 सेकंड का समय निकालते हुए एशियन गेम्स के लिए क्वालिफाई किया। वहीं हरिता ने 23.55 सेकंड का समय लेकर क्वालिफिकेशन मानक पार किया और जापान में होने वाले महाद्वीपीय खेलों का टिकट हासिल किया।

वापसी के लिए तैयार सेरेना विलियम्स, पहले दौर में जॉइंट से सामना; जोकोविच को मिली सातवीं वरीयता

सात बार की विंबलडन एकल चैंपियन सेरेना विलियम्स सोमवार से शुरू हो रहे इस ग्रैंडस्लैम के पहले दौर में ऑस्ट्रेलिया की 20 वर्षीय माया जॉइंट से भिड़ेंगी। यह लगभग चार वर्षों के अंतराल के बाद इस टूर्नामेंट में उनका पहला एकल मुकाबला होगा। इस 44 वर्षीय दिग्गज को घसियाले कोर्ट पर खेले जाने वाले टूर्नामेंट के लिए लिए वाइल्ड कार्ड मिला है। वह एकल के अलावा अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स (46) के साथ युगल स्पर्धा में भी हिस्सा लेंगी।

सेरेना की टेनिस में वापसी की शुरुआत दो युगल अभ्यास मुकाबलों से हुई थी, लेकिन रविवार को ऑल इंग्लैंड क्लब द्वारा उनके एकल खेलने की घोषणा के साथ उनकी वापसी को नई गति मिल गई। सेरेना ने अपना पिछला एकल मुकाबला 2022 के यूएस ओपन में खेला था, जहां उन्हें तीसरे दौर में अजला टोमल्यानोविच के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। उस समय उन्होंने संन्यास शब्द का इस्तेमाल करने से इनकार करते हुए कहा था कि वह टेनिस से दूर होकर अपने जीवन के नए चरण की ओर बढ़ रही हैं। साल 2023 में उनकी दूसरी बेटी का जन्म हुआ था। विम्बलडन में सेरेना पिछला मुकाबला 2022 में खेली थी। उन्हें तब पहले दौर में ही तत्कालीन विश्व नंबर 115 हार्मनी टैन ने पराजित किया था।पुरुष एकल वर्ग में मौजूदा चैंपियन और विश्व नंबर एक यानिक सिनर शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं, जबकि महिला वर्ग में एरीना सबालेंका को शीर्ष वरीयता मिली है। विंबलडन की वरीयताएं एटीपी और डब्ल्यूटीए रैंकिंग के आधार पर निर्धारित की जाती हैं।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

'द आर्चीज' मेरे लिए फिल्म नहीं, बल्कि जिंदगी बदल देने वाला मौका थी

अभिनेता वेदांग रैना इन दिनों अपनी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच अभिनेता ने अपनी डेब्यू फिल्म 'द आर्चीज' को लेकर खुलकर बात की। बातचीत में वेदांग रैना ने बताया कि 'द आर्चीज' उनके लिए सिर्फ पहली फिल्म नहीं, बल्कि जिंदगी बदल देने वाला मौका थी। अभिनेता ने कहा, 'अगर 'द आर्चीज' मुझे नहीं मिलती, तो शायद मेरी जिंदगी बिल्कुल अलग दिशा में जा रही होती। उस समय मैं नौकरी ढूंढ रहा था और एमबीए के लिए आवेदन करने की तैयारी भी कर रहा था। मैं एक ऐसे मोड़ पर था, जहां मेरा भविष्य कुछ और ही हो सकता था।'

फिल्म रिलीज के बाद सोशल मीडिया पर हुई आलोचना और ट्रोलिंग को लेकर वेदांग ने कहा कि उन्होंने कभी भी इन बातों को खुद पर हावी नहीं होने दिया। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो मैंने उस पूरे अनुभव को कभी उस नजरिए से देखा ही नहीं। मेरे लिए सबसे बड़ी बात यह थी कि मैं पहली बार इतने बड़े स्तर पर स्क्रीन पर नजर आ रहा था और लोग मेरा काम देख रहे थे। मैं उस मौके के लिए बेहद खुश था।'

वेदांग ने साफ कहा कि लोगों की राय अपनी जगह है। लेकिन उनके लिए यह फिल्म सपनों को सच करने वाला मौका साबित हुई। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए उस फिल्म का मतलब सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं था, उसने मेरी पूरी जिंदगी बदल दी। इसलिए मैंने हमेशा उस अनुभव को अच्छे नजरिए से देखा। लोगों की राय अपनी जगह है, लेकिन मेरे लिए सबसे बड़ी बात यह थी कि मुझे ऐसा मौका मिला, जिसने मेरे सपनों को सच कर दिया। आज भी मैं उस मौके के लिए बेहद शुक्रगुजार हूं।'

वेदांग रैना ने यह भी बताया कि 'द आर्चीज' की पूरी स्टारकास्ट आज भी एक-दूसरे के संपर्क में रहती है। हालांकि सभी अपने-अपने काम में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा, 'हम टच में हैं। सब लोग बहुत बिजी हो जाते हैं। जब मैं शूट कर रहा होता हूं तो बाकी लोग अपने काम में लगे होते हैं। सबकी अपनी-अपनी जर्नी है, लेकिन हम एक-दूसरे को मैसेज करते रहते हैं। किसी की फिल्म आती है तो उसे बधाई भी देते हैं।' बता दें कि 'द आर्चीज' 7 दिसंबर 2023 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी।

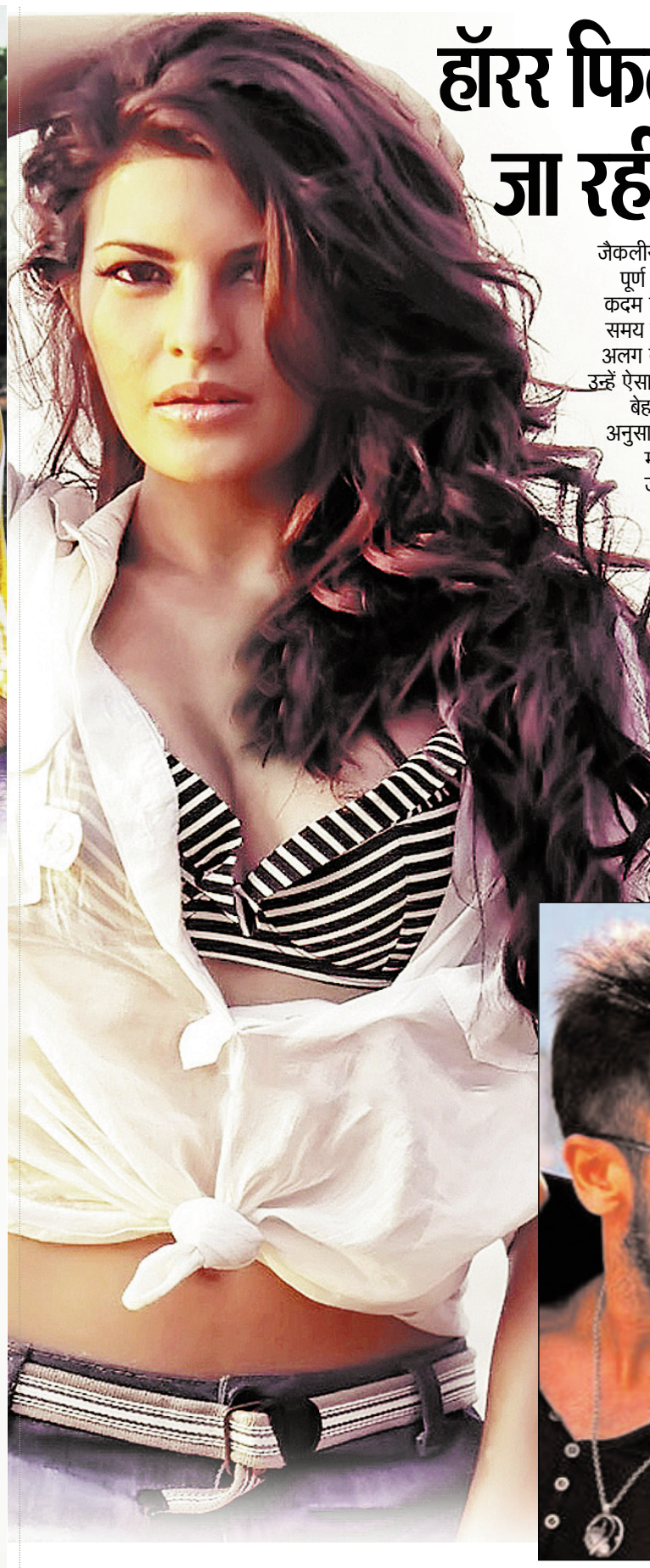

हॉरर फिल्म शैली में कदम रखने जा रही हैं जैकलीन फर्नांडीज

जैकलीन फर्नांडीज जल्द ही अपनी पहली पूर्ण हॉरर फिल्म के साथ इस शैली में कदम रखने जा रही हैं। अभिनेत्री काफी समय से इस जॉनर में एक मजबूत और अलग कहानी की तलाश में थीं और अब उन्हें ऐसा प्रोजेक्ट मिल गया है जिसने उन्हें बेहद उत्साहित कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, यह फिल्म हॉरर, इमोशन और म्यूजिक का बेहतरीन मिश्रण होगी, जो दर्शकों को एक संपूर्ण सिनेमाई अनुभव देगी। फिल्म में जैकलीन मुख्य भूमिका निभाएंगी, जबकि दो मेल एक्टर्स को पहले ही फाइनल किया जा चुका है। फिलहाल फिल्म का टाइटल, अन्य कलाकारों के नाम और निर्देशक की जानकारी गुप्त रखी गई है।इस फिल्म का निर्माण ख्याति मदान के बैनर नॉट आउट एंटरटेनमेंट के तहत बड़े स्तर पर किया जाएगा। फिल्म की आधिकारिक घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है।सूत्रों का यह भी कहना है कि फिल्म का एक टीज़र और एक गाना पहले ही शूट किया जा चुका है, जबकि कलाकार इन दिनों वर्कशॉप्स में हिस्सा ले रहे हैं। फिल्म की शूटिंग इस महीने के अंत तक शुरू होने की संभावना है।दिलचस्प बात यह है कि जैकलीन इससे पहले भूत पुलिस में नजर आ चुकी हैं, लेकिन वह एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म थी। यह नई फिल्म उनके करियर की पहली पूरी तरह हॉरर फिल्म होगी।वर्क फ्रंट की बात करें तो जैकलीन हाल ही में हाउसफुल 5 में नजर आई थीं और अब वह वेलकम टू द जंगल में दिखाई देंगी, जो 26 जून 2026 को रिलीज होने वाली है।

निर्देशक नेल्सन के साथ काम करना चाहते हैं सूर्या

सुपरस्टार सूर्या इन दिनों अपनी फिल्म 'करुप्पू' की सफलता का जश्न मना रहे हैं। सिनेमाघरों के बाद फिल्म प्राइम वीडियो पर आ चुकी है, जहां इसे लोगों से भरपूर प्यार मिल रहा है। इस बीच, खबर है कि सूर्या अपनी आगामी फिल्मों की तैयारी में जुट गए हैं। ऐसी चर्चा है कि वह अपनी 50वीं फिल्म के लिए निर्देशक नेल्सन दिलीपकुमार के साथ काम करना चाहते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'सूर्या निर्देशक नेल्सन के साथ फिल्म 'सूर्या 50' में काम करने के इच्छुक हैं। बताया जा रहा है कि सूर्या की टीम ने इस कॉमेडी फिल्म में संभावित सहयोग के लिए निर्देशक से संपर्क भी किया है। हालांकि नेल्सन अभी रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' में बिजी हैं। फिलहाल दोनों के सहयोग की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है।'

सूर्या की अगली फिल्म 'विश्वनाथ एंड संस' हैं। इसमें उनके साथ एक्ट्रेस मामिता बैजू दिखाई आएंगी। यह फिल्म 14 अगस्त को रिलीज होने के लिए तैयार है। बॉक्स ऑफिस पर इसकी टक्कर सनी देओल की आगामी फिल्म 'बटवारा 1947' और इमरान हाशमी की फिल्म 'आवारापन 2' के साथ होगी।

'ढिंढोरा 2' लेकर आएंगे भुवन बाम, शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' का हिस्सा भी बनेंगे

यूट्यूबर से एक्टर बने भुवन बाम की वेब सीरीज 'ढिंढोरा 2' जल्द ही दर्शकों को देखने को मिलेगी। इसकी शूटिंग वह इन दिनों कर रहे हैं। इस वेब सीरीज में एक नए किरदार की एंट्री भी होने वाली है। समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' ने भुवन ने अपनी वेब सीरीज की शूटिंग का जिक्र किया। साथ ही समय रैना के शो में आने की बात भी कही।

सोशल मीडिया पर की घोषणा

भुवन बाम ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर शो 'ढिंढोरा 2' की घोषणा की। वह सीरीज के किरदार टीटू मामा के गेटअप में नजर आए। उनके साथ एक महिला किरदार भी खड़ी दिखीं। 'ढिंढोरा 2' में वह इस बार नए किरदार की एंट्री करेंगे। समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' के पहले एपिसोड में भी भुवन बाम ने फोन बताया कि वह 'ढिंढोरा 2' की शूटिंग कर रहे हैं। दरअसल, समय रैना ने एक प्रतियोगी की बात फोन पर भुवन बाम से करवाई थी, वह प्रतियोगी भुवन का बहुत बड़ा फैन था।

'ढिंढोरा 2' को भुवन ने ही लिखा है

'ढिंढोरा 2' को भुवन बाम, अब्बास दलाल, हुसैन दलाल, चेतन डांगे, गोपाल दत्त, शुभम दुबे और अनंत दुबे ने लिखा है। इसे रोहित राज और भुवन बाम ने प्रोड्यूस किया है। इस वेब सीरीज के पहले सीजन को फैंस ने खूब पसंद किया था। मल्टी टैलेंटेड हैं भुवन बाम भुवन बाम एक चर्चित कॉमेडियन, एक्टर, राइटर, सिंगर और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर हैं। उन्होंने यूट्यूब पर भारत में ऑनलाइन स्केच कॉमेडी की शुरुआत की थी।

रुक्मिणी वसंत के साथ फिल्म बनाने जा रहे हैं नानी

साउथ के अभिनेता और फिल्ममेकर नानी अपने प्रोडक्शन हाउस 'वॉल पोस्टर सिनेमा' के तहत एक फिल्म बनाने की तैयारी कर रहे हैं। खास बात यह है कि इसमें लीड एक्ट्रेस के तौर पर 'कांतारा चैप्टर 1' की अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत को कास्ट किया गया है। खबरों के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट को मुरलीकांत देवसोथ डायरेक्ट करेंगे। इस फिल्ममेकर को पहले अपनी रूरल ड्रामा फिल्म 'धंडोरा' के लिए तारीफ मिल चुकी है।

स्क्रिप्ट और प्री-प्रोडक्शन का काम जारी

नानी की टीम अभी स्क्रिप्ट और प्री-प्रोडक्शन के दूसरे कामों पर काम कर रही है। सूत्रों का कहना है कि मुरलीकांत कहानी को फाइनल टच दे रहे हैं और साथ ही सपोर्टिंग कास्ट और टेक्निकल क्रू को भी तय कर रहे हैं। मेकर्स फिल्म की शूटिंग शुरू करने से पहले हर पहलू की सावधानी से प्लानिंग कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट के बारे में एक बड़ी अपडेट फीमेल लीड का चुनाव है। खबर है कि हीरोइन के रोल के लिए एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत को चुना गया है। एक्ट्रेस ने फिल्म का हिस्सा बनने के लिए हामी भर दी है। रुक्मिणी अपनी परफॉर्मेंस के लिए चर्चा में रही हैं। खबर है कि इस फिल्म के लिए लीड एक्टर की तलाश अभी जारी है। प्रोडक्शन टीम ऐसे सही एक्टर की तलाश में है जो कहानी में फिट बैठे और किरदार में जान डाल सके। हीरो के तय होने के बाद, मेकर्स के इस प्रोजेक्ट के बारे में ऑफिशियल अनाउंसमेंट करने की उम्मीद है। फिल्म की शूटिंग अगस्त में शुरू होने की संभावना है। तब तक टीम तैयारी जारी रखेगी और जरूरी शुरुआती काम पूरे कर लेगी। चूंकि फिल्म नानी के बैनर तले बन रही है, इसलिए फिल्म प्रेमियों के बीच अभी से उम्मीदें बढ़ रही हैं।

मां बनने के बाद जिंदगी बदल गई है

रुबीना दिलैक ने बताया कि मां बनने के बाद जिंदगी कैसे बदल गई है। उन्होंने कहा कि जीवा और ईधा जुड़वा बेटियों के पालन -पोषण में उन्हें पति अभिनव का पूरा साथ मिला है। उन्होंने बताया- मुझसे तो कई लोगों ने कहा भी कि मां बन जाओगी, तो में लीड रोल नहीं मिलेंगे।

टेलिविजन जगत की मशहूर एक्ट्रेस रुबीना दिलैक को इंडस्ट्री में लंबा अरसा हो गया है, मगर बीते वक्त के साथ वे निखरती चली गई हैं। फिक्शन शोज हों या नॉन फिक्शन अथवा हों रियलिटी शोज, वे हर जगह चमकी हैं। दो जुड़वा बेटियों की मां रुबीना फैशन गोल्स ही नहीं बल्कि फैमिली गोल्स भी सेट करती नजर आती हैं। उनका मानना है कि पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण जरूर है, मगर असंभव नहीं। इंटरनेट और सोशल मीडिया पर कभी बिकीनी तो कभी अपने सेक्सी कॉस्टयूम से रुबीना चर्चा में रहती हैं। खुद को कैसे मेंटेन कर पाती हैं? इस सवाल के जवाब में वे कहती हैं, 'आपको अपने दिमाग और बॉडी को एक खास तरह की फिटनेस के साथ रखना ही पड़ता है, फिर इसके बाद खूबसूरत लगना बायप्रोडक्ट हो जाता है। मैं किसी खास शेप या फिगर के लिए ऐसा नहीं करती। मुझे अपनी एनर्जी हाइ चाहिए और मेरी परफॉर्मेंस पर फर्क नहीं पड़ना चाहिए, इसी वजह से मैं हेल्दी रहना पसंद करती हूं। इसके लिए मैं डिसिप्लिन में रहना पसंद करती हूं।'

शादी में लगा था बहुत हो गया, अब बस

रुबीना और उनके पति अभिनव शुक्ला की शादी कई उतार-चढ़ाव से गुजरी। बिग बॉस 14 में जाने से पहले उनकी शादी तलाक के कगार तक पहुंच गई थी। रुबीना कहती हैं, 'हम अपनी शादी में ये जान चुके हैं कि बॉलिवुड से हमें आइडिया ऑफ लव बेचा गया है। मगर असलियत में वो वैसा नहीं है। प्यार हर रोज का कमिटमेंट है। जब आप सुबह उठते हैं और अपने पार्टनर की आंखों में देखते हैं, तो उनकी तमाम बुराइयों, कमियों और नकारत्मकता के बावजूद आप उनके साथ रहना चाहते हैं, तो वही प्यार है। आपको लगातार रिश्तों पर काम करना पड़ता है। मगर यदि आप ये सोचते हैं कि ये मैं इसके साथ कहां फंस गई, तो फिर उस रिलेशनशिप से तुरंत निकल जाइए। हमारी शादी में अभिनव ने मेरे मामले में कभी हार नहीं मानी। हां मैं कह देती थी, आइ एम डन, बहुत हो गयाा, अब नहीं।' तब अभिनव कहते, 'शांत हो जाओ, थोड़ा सोच लो' अभिनव ने मुझे बहुत संभाला।' सभी जानते हैं कि रुबीना जीवा और ईधा जैसी दो जुड़वा बेटियों की मां हैं, मगर ट्विंस के पालन - पोषण में उन्हें पति अभिनव का पूरा साथ मिला है। वे कहती हैं, 'बच्चों के पालन-पोषण में बहुत पेरेंट्स की पार्टनशिप बहुत जरूरी है और हम उसी तरीके से आगे बढ़ते हैं।'

वो कहते, मां बनने के बाद लीड रोल नहीं मिलेंगे

कई बार मदरहुड महिलाओं के लिए रुकावट भी बन जाता है। मगर क्या एंटरटेनमेंट की दुनिया में भीअभिनेत्रियों को इस समस्या का सामना करना पड़ता है? इस पर रुबीना कहती हैं, 'मैं आपको बताना चाहूंगी कि 60 से 65 प्रतिशत महिलाएं मां बनने के बाद काम रेज्यूम नहीं कर पातीं, क्योंकि उनके पास सपोर्ट सिस्टम नहीं होता। हमने ऐसा कोई इकोसिस्टम भी नहीं बनाया, जहां नई मांएं अपने मदरहुड के साथ करियर भी आगे बढ़ा सकें। हमारी इंडस्ट्री की खासियत ये हैं कि हम काम पर रेज्यूम करना चुन सकते हैं। मगर हमारे काम करने का नेचर ऐसा बन गया है कि लोग आपको लेबल और जज करना शुरू कर देते हैं। जैसे 'मां बन गई है, उम्र दिखने लगी है', 'अलग सी दिखने लगी है', 'अब ये वाले रोल नहीं भाते' तो अब यहां आपको एक बहुत ही पॉजिटिव और एनर्जी वाले माइंडसेट के साथ काम करना है, तो साथ में सुंदर भी लगना है, तो एक अलग तरह का दबाव रहता है। मुझसे तो कई लोगों ने कहा भी कि मां बन जाओगी, तो में लीड रोल नहीं मिलेंगे। डर और इन्सिक्योरिटी दोनों सताते है, मगर आपको उसी के बीच रास्ता तलाशना होता है। मां बनने के बाद मेरे हाथ से बहुत सारा काम और प्रॉजेक्ट्स गए हैं।'

ट्रम्प ने संसद से 8 लाख करोड़ की फंडिंग मांगी:बोले- ईरान जंग पर हुए खर्चों की भरपाई के लिए जरूरी, संसद इसके खिलाफ

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सरकार ने अमेरिकी संसद से 87.6 अरब डॉलर यानी करीब 8.3 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त फंडिंग मंजूर करने की मांग की है। इसका बड़ा हिस्सा ईरान युद्ध से जुड़े खर्चों के लिए रखा गया है। व्हाइट हाउस के मुताबिक, यह रकम पिछले साल मंजूर किए गए करीब 1 ट्रिलियन डॉलर और अगले वित्तीय वर्ष के लिए मांगे गए 1.5 ट्रिलियन डॉलर के रक्षा बजट से अलग है। सरकार का कहना है कि यह पैसा युद्ध से जुड़े ऑपरेशन, सेना की तैयारी, हथियारों के भंडार को फिर से भरने और सीक्रेट रक्षा कार्यक्रमों पर खर्च किया जाएगा।

वहीं, संसद में इस मांग का विरोध बढ़ रहा है। मंगलवार को सीनेट ने एक प्रस्ताव पारित कर ट्रम्प से ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने को कहा। इससे पहले ऐसा ही प्रस्ताव लोअर हाउस भी पास कर चुकी है। चार रिपब्लिकन सांसदों ने भी डेमोक्रेट्स का साथ दिया।

मुस्लिम देशों में सिर्फ पाकिस्तान में सुधरी अमेरिका की छवि

अमेरिकी रिसर्च संस्था प्यू रिसर्च सेंटर की नई रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान युद्ध के दौरान पाकिस्तान एकमात्र मुस्लिम-बहुल देश रहा जहां अमेरिका को लेकर लोगों की राय बेहतर हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका-ईरान वार्ता में मध्यस्थ की भूमिका निभाने से पाकिस्तान में अमेरिका की छवि सुधरी। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि पाकिस्तानियों को ट्रम्प पर भरोसा है। सर्वे में 82% पाकिस्तानियों ने कहा कि उन्हें ट्रम्प पर भरोसा नहीं है, जबकि सिर्फ 12% ने उन पर विश्वास जताया।

रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि 76% पाकिस्तानी मानते हैं कि अमेरिका उनके देश के आंतरिक मामलों में दखल देता है। यानी अमेरिका को लेकर सकारात्मक सोच बढ़ी है, लेकिन उसके इरादों और नेतृत्व को लेकर संदेह अब भी कायम है।

रूबियो बोले- 29-30 जून को अमेरिका-ईरान वार्ता फिर होगी

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच तकनीकी स्तर की बातचीत 29 या 30 जून को स्विट्जरलैंड में फिर शुरू हो सकती है। यह बातचीत दोनों देशों के बीच हाल में हुए संघर्षविराम समझौते को आगे बढ़ाने के लिए हो रही है। रूबियो ने ईरान को चेतावनी भी दी और कहा कि अमेरिका की ओर से दी गई प्रतिबंधों में राहत अस्थायी है। अगर ईरान ने स्विट्जरलैंड वार्ता में किए गए वादे पूरे नहीं किए तो राष्ट्रपति ट्रम्प के पास प्रतिबंध फिर से लागू करने का विकल्प मौजूद है।

संक्षिप्त समाचार

सिर्फ एक पोस्ट और 7 साल की सजा, रूस में विपक्षी नेता पर बड़ी कार्रवाई

मास्को, एजेंसी। रूस में यूक्रेन युद्ध का विरोध करने वाली प्रमुख विपक्षी पार्टी याब्लोको के उप नेता मैक्सिम क्रुग्लोव को बुधवार को रूसी सेना के बारे में 'झूठ फैलाने' के आरोप में दोषी ठहराया गया और सात साल की जेल की सजा सुनाई गई। 39 वर्षीय क्रुग्लोव (मॉस्को की नगर विधानसभा के पूर्व सदस्य) को अक्टूबर 2025 में गिरफ्तार किया गया था। उन पर 2022 में टेलीग्राम पर दो पोस्ट करने का आरोप था, जिस वर्ष रूस ने यूक्रेन पर सैन्य अभियान शुरू किया था। अदालत में खुद को निर्दोष बताते हुए क्रुग्लोव ने कहा कि यह फैसला स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि रूस में सार्वजनिक असहमति अब अवैध हो गई है। संक्षेप में कहा जाए तो यह असहमति पर प्रतिबंध है। उन्होंने अभियोजन पक्ष के इस दावे को खारिज कर दिया कि उनके पोस्ट राजनीतिक नफरत से प्रेरित थे। क्रुग्लोव ने कहा कि उनका पूरा राजनीतिक करियर रूस में लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने अदालत को बताया कि यह साबित हो गया है कि राजनीतिक असहमति को अब नफरत के समान माना जा रहा है। क्रुग्लोव ने अदालत में अंतिम बयान देते हुए कहा कि वे युद्ध के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि रूस एक दिन शांतिपूर्ण देश बनेगा। उन्होंने आगे कहा कि एक ऐसा देश जिसका पड़ोसी सम्मान करें, न कि डरें, और जहां असहमति व्यक्त करना संभव हो। अदालत में पेश किए गए एक पोस्ट में यूक्रेन संघर्ष में हुई मौतों पर संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों का जिक्र था, जबकि दूसरे पोस्ट में मार्च 2022 में कीव के पास बुचा में हुई घटनाओं का उल्लेख किया गया था। यूक्रेन और पश्चिमी देशों का आरोप है कि वहां रूसी सैनिकों ने नागरिकों की हत्या की थी, जिसे मॉस्को 'मनगढ़ंत' बताता है। क्रेमलिन का कहना है कि पश्चिम के साथ 'टकराव' के दौरान रूस को एकजुट रखने के लिए सख्त सेंसरशिप कानून जरूरी हैं। याब्लोको पार्टी के नेता निकोलाई रयबाकोव ने फैसले की कड़ी निंदा करते हुए इसे अन्यायपूर्ण बताया। अदालत के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर लोगों को लगता है कि ऐसी सजाएं स्वीकार्य और सामान्य हैं, तो उन्हें वोट देने या याब्लोको के अलावा किसी अन्य पार्टी का समर्थन करने की जहमत नहीं उठानी चाहिए। रयबाकोव ने आगे कहा कि हमारे पास अभी सिर्फ एक विकल्प है- याब्लोको को वोट देकर जो हो रहा है उसे 'ना' कहना, या किसी अन्य पार्टी को वोट देकर 'जो हो रहा है, उसे जारी रखो' कहना। इसके अलावा और कोई विकल्प नहीं है।

स्नैपचैट पर मुकदमा, बच्ची से दुष्कर्म के मामले में परिवार ने कंपनी को ठहराया जिम्मेदार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिसूरी राज्य में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक बच्ची के माता-पिता ने सोशल मीडिया कंपनी 'स्नैप' और एक अपराधी के खिलाफ कोर्ट में केस किया है। यह मामला 12 साल की बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म से जुड़ा है। बच्ची की मुलाकात इस अपराधी से स्नैपचैट एप पर हुई थी। मुकदमे में कहा गया है कि स्नैपचैट ने अपने एप के खतरनाक फीचर्स को बंद करने से मना कर दिया है। कंपनी ने माता-पिता को उन खतरों के बारे में भी चेतावनी नहीं दी, जो इस एप के इस्तेमाल से बच्चों को हो सकते हैं।

साल 2021 में जब बच्ची 11 साल की थी, तब उसने अपने माता-पिता को बताए बिना स्नैपचैट चलाना शुरू किया था। एप पर खाता खोलने के लिए उम्र कम से कम 13 साल होनी चाहिए। लेकिन बच्ची को याद नहीं कि उसने अपनी क्या उम्र भरी थी। मुकदमे के अनुसार, बच्चों को पता है कि वे उम्र की इस शर्त को आसानी से तोड़ सकते हैं। लगभग एक साल बाद, एप ने गैब्रियल जोएल वैलेन्टिन-रियोस नाम के एक आदमी को बच्ची का दोस्त बनने का सुझाव दिया। गैब्रियल एक वयस्क था और बच्ची से उसका कोई परिचय नहीं था। एप ने बच्ची को यह नहीं बताया कि अजनबियों से जुड़ना खतरनाक हो सकता है। दोस्ती होने के बाद, गैब्रियल ने बच्ची को गंदी तस्वीरें भेजना शुरू कर दिया। बच्ची यह सब नहीं चाहती थी, लेकिन स्नैपचैट की बनावट ऐसी थी कि उसके लिए इन चीजों से बचना नामुमकिन था।

किंग चार्ल्स ने तोड़ी शाही परंपरा, पहली बार अपना पर्सनल टैक्स बिल सार्वजनिक करेंगे

लंदन, एजेंसी। चार्ल्स ने पहले भी अपनी पर्सनल इनकम पर दिए गए टैक्स की जानकारी दी थी जब वह प्रिंस ऑफ़ वेल्स थे, लेकिन 2022 में महारानी एलिज़ाबेथ द्वितीय के निधन के बाद राजा बनने के बाद यह पहली बार होगा जब वह ऐसा करेंगे। उम्मीद है कि मौजूदा प्रिंस ऑफ़ वेल्स, प्रिंस विलियम भी एक अलग ब्रीफिंग में इसी तरह का तरीका अपनाएंगे।

किंग चार्ल्स गुरुवार को अपने पर्सनल टैक्स बिल का खुलासा करने वाले पहले ब्रिटिश सम्राट बनेंगे। बकिंघम पैलेस 'सॉवरेन ग्रांट' पर अपनी सालाना ब्रीफिंग के दौरान इसकी जानकारी जारी करेगा। यह कदम शाही परिवार के कामकाज में ज़्यादा पारदर्शिता की बढ़ती मांगों के बीच उठाया जा रहा है, खासकर उनके छोटे भाई एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर के मामलों की महीनों तक हुई जांच-पड़ताल के बाद। चार्ल्स ने पहले भी अपनी पर्सनल इनकम पर दिए गए टैक्स की जानकारी दी थी जब वह प्रिंस ऑफ़ वेल्स थे, लेकिन 2022 में महारानी एलिज़ाबेथ द्वितीय के निधन के बाद राजा बनने के बाद यह पहली बार होगा जब वह ऐसा करेंगे। उम्मीद है कि मौजूदा प्रिंस ऑफ़ वेल्स, प्रिंस विलियम भी एक अलग ब्रीफिंग में इसी तरह का तरीका अपनाएंगे। सालाना ब्रीफ़िंग में 'सॉवरेन ग्रांट' (शाही अनुदान) के बारे में भी जानकारी दी

जाएगी, जिसके ज़रिए टैक्स देने वाले लोग राजशाही को फ़ंड देते हैं। पिछले साल बकिंघम पैलेस ने 159 पेज की एक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें बताया गया था कि ट्रेज़री से मिले 8.63 करोड़ पाउंड (86.3 मिलियन पाउंड) कैसे खर्च किए गए, जिसमें महल की बड़ी मरम्मत पर खर्च हुआ पैसा भी शामिल था। यह नया कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब सांसद और आम लोग राजशाही के कामकाज के बारे में ज़्यादा पारदर्शिता चाहते हैं, खासकर पूर्व प्रिंस एंड्रयू से जुड़े खुलासों के बाद, जिनसे 2025 में उनके शाही खिताब छीन लिए गए थे। अब एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर के नाम से पहचाने जाने वाले एंड्रयू पर, दोषी सेक्स अपराधी जेफरी एपस्टीन के साथ अपनी दोस्ती से जुड़े सार्वजनिक पद पर रहते हुए गलत व्यवहार के लिए जांच चल रही है। उन्हें एक बड़ी शाही जागीर भी छोड़नी पड़ी है, जहाँ वे बिना किराया दिए रह रहे थे। बीबीसी के अनुसार, महल के सूत्रों का कहना है कि राजा ने 'बेहतर समझ और जवाबदेही को बढ़ावा देने' की कोशिश के तहत अपने टैक्स भुगतान का खुलासा करने का व्यक्तिगत निर्णय लिया। माउंटबेटन-विंडसर विवाद से पहले ही, चार्ल्स ने कहा था कि वे राजशाही को छोटा करना और खर्च कम करना चाहते हैं, क्योंकि आधुनिक लोकतंत्र में वंशानुगत शासक की भूमिका पर सवाल उठ रहे थे।

चार्ल्स की निजी संपत्ति का अनुमान 680 मिलियन पाउंड है, जिससे वे 'संडे टाइम्स' की ब्रिटेन के सबसे अमीर लोगों की सालाना लिस्ट में 230वें नंबर पर हैं। हालांकि राजा या रानी को इनकम टैक्स देने की ज़रूरत नहीं होती, फिर भी चार्ल्स अपनी निजी कमाई पर स्वेच्छा से टैक्स देते हैं। महारानी एलिज़ाबेथ द्वितीय ने 1993 में ऐसा करना शुरू किया था, जब उससे एक साल पहले लगी भीषण आग के बाद विंडसर कैसल की मरम्मत के खर्च को लेकर जनता में नाराज़गी थी। बाद में सरकार और क्राउन के बीच एक समझौते (मेमोरेंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग) के ज़रिए इस व्यवस्था को औपचारिक रूप दिया गया, जिसके तहत चार्ल्स को भी किसी भी अन्य टैक्सपेयर की तरह ही प्राइवेसी का अधिकार मिलता है।

आर्थिक खुशहाली का सपना देखने वाले इस देश में आज प्रवासन, राष्ट्रीय पहचान का संकट और धुर-दक्षिणपंथ का उभार वहां की राजनीति के केंद्र में है, जिसने यूरोपीय संघ से अलग होने के बाद ब्रिटेन के आर्थिक और राजनीतिक परिदृश्य को पूरी तरह बदलकर रख दिया है।

ठीक एक दशक पहले आज ही के दिन, ब्रिटेन के करीब 1.7 करोड़ (51.9%) लोगों ने दुनिया के सबसे बड़े एकल बाजार, यूरोपीय संघ से अलग होने यानी 'ब्रेक्सिट' के पक्ष में ऐतिहासिक वोट दिया था, जिसके बाद साल 2020 में व्यापार और सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर के साथ यह कूटनीतिक तलाक मुकम्मल हो गया। उस वक्त ब्रेक्सिट के समर्थकों ने बड़े-बड़े दावे किए थे कि यूरोपीय संघ से बाहर निकलते ही ब्रिटेन अपनी संप्रभुता वापस पा लेगा, प्रवासन पर काबू होगा, आर्थिक समृद्धि आएगी और जनकल्याणकारी सेवाओं में सुधार होगा; लेकिन एक दशक बाद आज का ब्रिटेन राजनीतिक अस्थिरता, सुस्त आर्थिक विकास और बेकाबू महंगाई की मार झेल रहा है। आर्थिक खुशहाली का सपना देखने वाले इस देश में आज प्रवासन, राष्ट्रीय पहचान का संकट और धुर-दक्षिणपंथ का उभार वहां की राजनीति के केंद्र में है, जिसने यूरोपीय संघ से अलग होने के बाद ब्रिटेन के आर्थिक और राजनीतिक परिदृश्य को पूरी तरह बदलकर रख दिया है। ब्रेक्ज़िट जनमत संग्रह से पहले का समय राजनीतिक स्थिरता और व्यवस्थित सत्ता हस्तांतरण का दौर था, भले ही उस दौरान 2008 के वित्तीय संकट जैसी चुनौतियां थीं। इसके बाद उथल-पुथल का दौर शुरू हुआ, जिसमें छह प्रधानमंत्रियों को अपना कार्यकाल पूरा किए बिना ही पद छोड़ना पड़ा। इस क्रम में सबसे ताज़ा नाम कीर स्टार्मर का है, जिन्होंने 2024 के संसदीय चुनाव में भारी बहुमत हासिल करने के बावजूद, घटती लोकप्रियता और पार्टी के दबाव के कारण ब्रेक्ज़िट की 10वीं वर्षगांठ से ठीक पहले इस्तीफ़ा दे दिया। हालांकि 21वीं सदी की शुरुआत से ही ब्रिटिश राजनीति में लोगों की नाराज़गी बढ़ रही थी। जैसे 2003 का इराक युद्ध, 2008 का आर्थिक संकट और 2009 का खर्च घोटाला। फिर भी कई लोगों ने ब्रेक्ज़िट को वंचित लोगों के लिए अपनी निराशा ज़ाहिर करने के एक दुर्लभ मौके के तौर पर देखा, जिससे ब्रिटिश राजनीतिक व्यवस्था में कोई बड़ी दरार न आए।

बिल गेट्स ने कुबूले 3 एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर, एपस्टीन ने की ब्लैकमेल की कोशिश

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया के मशहूर बिजनेसमैन और माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने निजी जिंदगी को

लेकर बहुत बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने माना है कि शादी के बाद उनके तीन महिलाओं के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर्स थे। 10 जून को स हाउस ओवरसाइट कमेटी के सामने पेश होकर उन्होंने इस बात को स्वीकार किया है। इस दौरान उन्होंने जेफरी एपस्टीन को लेकर भी कई अहम बातें बताईं।

बिल गेट्स ने बताया कि यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन उनके इन एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर्स के बारे में पहले से ही पूरी तरह जानता था। एपस्टीन ने इस अहम और निजी जानकारी का गलत फायदा उठाने की पूरी कोशिश की थी। वह इन अफेयर्स के जरिए बिल गेट्स को ब्लैकमेल करने की बहुत ही गहरी साजिश रच रहा था। हालांकि बिल गेट्स ने एपस्टीन के किसी भी जुर्म में शामिल होने से पूरी तरह से इनकार किया है। बिल गेट्स ने अपनी गवाही में बताया कि उनका एक रूसी ब्रिज खिलाड़ी मिला अंतोनोवा के साथ अफेयर चल रहा था। इसके अलावा न्यूक्लियर फिजिसिस्ट करीमा निगमातुलिना के साथ भी उनके एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर थे। तीसरी महिला मेडिकल इंडस्ट्रलिस्ट एलिस जैकब्स नेसेलरॉड थीं जिनके साथ भी उनके संबंध थे। गेट्स ने साफ कहा कि ये सारे अफेयर्स उनके परिवार के लिए बहुत ही ज्यादा दर्दनाक और कष्टकारी थे। बिल गेट्स ने खुलासा किया कि जेफरी एपस्टीन को उनके दो रूसी महिलाओं के साथ अफेयर्स की पूरी जानकारी मिल गई थी। एपस्टीन उनकी बेवफाई की इस अहम जानकारी का बहुत ही गलत इस्तेमाल करने की पूरी कोशिश कर रहा था। वह चाहता था कि गेट्स उसके साथ दोबारा जुड़ जाएं और इसीलिए वह झूठी बातें फैलाकर दबाव बना रहा था। गेट्स ने यह भी माना कि एपस्टीन के साथ संपर्क बनाए रखना उनकी एक बहुत बड़ी गलती थी। गेट्स ने बताया कि उनकी एपस्टीन से मुलाकात सिर्फ फिलांथ्रोपी यानी समाज सेवा के कामों पर चर्चा करने के लिए होती थी। उन्होंने कहा कि उन्हें पता था कि एपस्टीन एक दोषी ठहराया गया व्यक्ति है और यह बहुत बड़ा रिस्क है। लेकिन फिर भी उन्होंने एक सीमित भूमिका में उससे मिलने का वह जोखिम उठाया था। हाल ही में न्याय विभाग द्वारा जारी नए दस्तावेजों के बाद इस पुराने मामले की फिर से जांच शुरू हो गई है। कमेटी के सामने दिए गए बयान के अनुसार एपस्टीन ने गेट्स को सीधे तौर पर कभी ब्लैकमेल नहीं किया था। लेकिन उनके बीच हुए ईमेल्स को देखने से यह बहुत बड़ा खतरा पैदा होता है।

फ्रांस में इबोला ने दी दस्तक, कांगो से लौटे डॉक्टर में मिला संक्रमण

डब्ल्यूएचओ ने घोषित किया वैश्विक आपातकाल

पेरिस, एजेंसी। यूरोप में इबोला का पहला मामला जानलेवा इबोला वायरस ने अब यूरोप में अपनी मौजूदगी दर्ज करा दी है। फ्रांस के स्वास्थ्य अधिकारियों ने देश में इबोला के पहले मामले की पुष्टि की है, जिससे पूरे महाद्वीप में स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं। यह मामला एक ऐसे डॉक्टर से जुड़ा है, जो हाल ही में कांगो में एक मानवीय मिशन पूरा करने के बाद फ्रांस लौटा था। संक्रमित पाए जाने के तुरंत बाद, डॉक्टर को एक विशेष आइसोलेशन सेंटर में भर्ती कराया गया है, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में उसका इलाज चल रहा है।

मरीज की हालत स्थिर: मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, संक्रमित व्यक्ति पेशे से डॉक्टर है और वह कुछ दिन पहले ही कांगो से लौटा था। फ्रांस के स्वास्थ्य मंत्रालय ने जानकारी दी है कि फिलहाल मरीज की हालत स्थिर बनी हुई है।

राहत की बात यह है कि मंत्रालय ने आम जनता के लिए संक्रमण के खतरे को फिलहाल बहुत कम बताया है, क्योंकि मरीज को लक्षण दिखने के तुरंत बाद ही अलग-थलग कर दिया गया था।

इबोला के खतरनाक आंकड़े: इबोला वायरस वर्तमान में कांगो और युगांडा जैसे अफ्रीकी देशों में तेजी से फैल रहा है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, दुनिया भर में अब तक इबोला से संक्रमित मरीजों की कुल संख्या 1,048 तक पहुंच गई है, जिनमें से 250 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, इस वायरस की मृत्यु दर लगभग 25.5 प्रतिशत है, जो इसे बेहद घातक बनाती है।

बुंदीबुग्यो स्ट्रेन ने बढ़ाई चिंता

सबसे बड़ी चुनौती इस बार इबोला का 'बुंदीबुग्यो' स्ट्रेन चिंता का मुख्य कारण बना हुआ है। यह इबोला वायरस का एक दुर्लभ और खतरनाक प्रकार है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस विशिष्ट स्ट्रेन के लिए फिलहाल कोई प्रमाणित वैक्सीन या पूरी तरह से प्रभावी इलाज उपलब्ध नहीं है। यह वायरस शरीर में तेज बुखार, अत्यधिक कमजोरी, उल्टी, दस्त और गंभीर मामलों में आंतरिक रक्तस्राव का कारण बनता है।

डब्ल्यूएचओ ने जारी किया अलर्ट

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए इसे 'अंतरराष्ट्रीय चिंता वाली स्वास्थ्य आपात स्थिति' घोषित कर दिया है। इसके साथ ही, अफ्रीका सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने भी इसे महाद्वीपीय सुरक्षा के लिए खतरा माना है। वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसियों ने दुनिया भर के देशों को हवाई अड्डों और सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने की सख्त सलाह दी है ताकि संक्रमित यात्रियों की समय पर पहचान की जा सके। दक्षिण सूडान जैसे पड़ोसी देशों को वर्तमान में 'हाई रिस्क जोन' में रखा गया है।

पाकिस्तानी पति ने 10 साल तक फ्रांसीसी पत्नी को बनाया बंधक, बेटे ने कराया 'आजाद'

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां पर एक शख्स को अपनी फ्रांसीसी पत्नी और पांच बच्चों को 10 वर्ष से अधिक समय तक घर में कैद करके रखे हुए था। इस दौरान वह शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित भी करता था। पुलिस ने आरोपी के बेटे की शिकायत पर गिरफ्तार कर लिया है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, 54 वर्षीय सिल्वी यास्मिना नामक फ्रांसीसी महिला ने पुलिस को बताया कि उनका पति बेहद हिंसक स्वभाव का है और पूरे परिवार को रोजाना शारीरिक और मानसिक तौर पर प्रताड़ित करता था।

मामला तब सामने आया जब यास्मिना के बेटों में से एक भाग निकलने में सफल हो गया और पुलिस के पास पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के

आधार पर पुलिस ने प्रांत के दूरस्थ इलाके बारा में स्थित घर पर छापेमारी की। वहां पुलिस को यास्मिना और उनके बच्चे एक तंग एवं बेहद जर्जर कमरे में कैद अवस्था में मिले। अधिकारियों ने बताया कि परिवार के सभी सदस्यों के शरीर पर चोट के निशान थे। पुलिस ने यास्मिना और उनके पांचों बच्चों को तुरंत पेशावर के एक महिला आश्रय गृह में भर्ती कराया है। परिवार अब फ्रांस लौटने की तैयारी कर रहा है। यास्मिना ने पुलिस को बताया कि 2014 में ऑस्ट्रेलिया से पाकिस्तान आने के बाद उनके पति ने पूरे परिवार को कैद कर लिया था। उन्हें किसी भी बाहरी व्यक्ति से मिलने की अनुमति नहीं थी। उनके दो बड़े बच्चे शिक्षा से वंचित रह गए, जबकि तीन छोटे बच्चे पाकिस्तान में पैदा हुए और वे कभी स्कूल नहीं जा सके। आगे यास्मिना ने बताया कि उनकी शादी 2003 में हुई थी। पाकिस्तान जाने से पहले वे ऑस्ट्रेलिया में दो बड़े बच्चों के साथ रह रहे थे। यास्मिना के अनुसार, पाकिस्तान पहुंचने के बाद परिवार का बाहरी दुनिया से कोई संपर्क नहीं रहा।

हालांकि पुलिस ने पति की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की है, लेकिन बताया गया है कि वह पाकिस्तानी नागरिक है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.